दैनिक समाचार पत्र
# देश का दर्पण न्यूज
राजस्थान, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, हरियाणा, दिल्ली व महाराष्ट्र से प्रकाशित

अब आपके मोबाइल पर डिजिटल अखबार
प्रदेश के ताजा समाचार
अपने लेख एवं समचार भेंजे
सम्पादक : उमेन्द्र राजपूत
7014997449, 9636058201

वर्ष-5, अंक:135 | जयपुर, गुरुवार, 24 जुलाई 2025 | मूल्य : 5.00 पेज:

## गाजियाबाद में अवैध दूतावास का एसटीएफ ने किया भंडाफोड़, संचालक गिरफ्तार

एजेंसी

**गाजियाबाद।** दिल्ली से सटे नोएडा, ग्रेटर नोएडा और गाजियाबाद साइबर क्राइम, ऑनलाइन धोखाधड़ी और तमाम अवैध धंधों का हब बनता जा रहा है। पुलिए ऐसे लोगों के खिलाफ लगातार कार्रवाई कर रही है। इसी क्रम में उत्तर प्रदेश एसटीएफ की नोएडा इकाई ने मंगलवार की रात में दिल्ली से सटे गाजियाबाद की एक पॉश कालोनी कविनगर में चल रहे एक अवैध दूतावास का भंडाफोड़ किया है। एसटीएफ ने इस अवैध दूतावास के संचालक को गिरफ्तार कर वहां से 44 लाख 70 हजार रुपये सहित कई डिप्लोमेटिक गाड़ियों की नंबर प्लेट और गाड़िया बरामद की हैं। गिरफ्तार आरोपित खुद को कई देशों का एम्बेस्डर बताता था। एसटीएफ आरोपित से पूछताछ कर रही है। उत्तर प्रदेश एसटीएफ की टीम जिले के कवि नगर थाने में सूचना देने के बाद मंगलवार रात करीब 10 बजे कविनगर में स्थित एक कोठी नंबर केबी 45 पर बने कथित दूतावास पर पहुंची। एसटीएफ के साथ कवि नगर थाने का एक सब इंस्पेक्टर और एक सिपाही भी मौके पर पहुंचे। यहां एसटीएफ ने हर्षवर्धन जैन नामक युवक को हिरासत में लेकर उससे पूछताछ की तो सारा मामला खुलकर सामने आ गया। इसके बाद एसटीएफ ने अवैध दूतावास संचालक हर्षवर्धन जैन को गिरफ्तार

कर लिया है। एसटीएफ ने उसके मकान से 44 लाख 70 हजार रुपये नकद, कई देशों की विदेशी मुद्रा, 20 डिप्लोमेटिक गाड़ियों की नंबर प्लेट, चार डिप्लोमेटिक नम्बर प्लेट लगी गाड़ियां, माइक्रोनेशन देशों के 12 डिप्लोमेटिक पासपोर्ट, विदेश मंत्रालय की मोहर लगे कूटरचित दस्तावेज, कूटरचित दो पैनकार्ड, विभिन्न देशों और कई कंपनियों की 34 मोहरें, 2 कूटरचित प्रेस कार्ड, कई देशों की विदेशी मुद्रा सहित अन्य सामान बरामद किया। छापे के दौरान उसके मकान में उसके ससुर आनंद जैन, भाटिया मोड़ निवासी ईश्वर सिंह और घरेलू सहायक हेमंत कुमार राजवंशी भी मिले। ईश्वर और हेमंत को एसटीएफ ने गवाह बनाया। इस संबंध में उत्तर प्रदेश के एडीजी अमिताभ यश ने बताया कि गिरफ्तार हर्षवर्धन जैन कवि नगर में एक किराए की कोठी में अवैध रूप से वेस्ट आर्कटिक का दूतावास चला रहा था। वह अपने आप को कई देशों एम्बेसडर बताता था। वह लोगों को प्रभाव में लेने के लिए प्रधानमंत्री व राष्ट्रपति और कई अन्य गणमान्यों के साथ एडिट कर अपनी फोटो का भी प्रयोग करता था। एडीजी ने बताया कि इस संबंध में थाना कविनगर गाजियाबाद में अभियोग पंजीकृत कराकर अग्रिम वैधानिक कार्यवाही की जा रही है जानकारी के मुताबिक, गिरफ्तार हर्षवर्धन पुत्र जेडी जैन कविनगर इलाके में एक किराए के मकान में अवैध रूप से वेस्ट आर्कटिक दूतावास चला रहा था।

## भारतीय नौसेना के चार जहाजों की सिंगापुर यात्रा पूरी, समुद्री सहयोग पर हुई चर्चा

एजेंसी

**नई दिल्ली।** दक्षिण पूर्व एशिया में तैनाती के दौरान पूर्वी बेड़े ?के जहाजों दिल्ली, शक्ति, सतपुड़ा और किल्टन ने सिंगापुर बंदरगाह पर अपनी यात्रा पूरी कर ली है। पूर्वी बेड़े के फ्लैग ऑफिसर कमांडिंग रियर एडमिरल सुशील मेनन के नेतृत्व ने इन जहाजों की 16 से 19 जुलाई तक परिचालन तैनाती की गई थी। यात्रा के दौरान सिंगापुर में भारत के उच्चायुक्त और सिंगापुर गणराज्य की नौसेना के फ्लीट कमांडर से मुलाकात हिंद-प्रशांत क्षेत्र में द्विपक्षीय नौसैनिक संबंधों और समुद्री सहयोग को बढ़ाने के अवसरों और संभावनाओं पर चर्चा की गई। इस यात्रा के दौरान रियर एडमिरल सुशील मेनन ने समुद्री सुरक्षा और क्षेत्रीय विकास पर भारतीय नौसेना के दृष्टिकोण पर अकादमिक समुदाय के साथ अनौपचारिक चर्चा की। पूर्वी बेड़े के जहाजों के कमांडिंग अधिकारियों ने क्रांजी

युद्ध स्मारक पर भव्य पुष्पांजलि समारोह में भाग लिया और द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान सर्वोच्च बलिदान देने वाले भारतीय सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित की। दोनों नौसेनाओं के बीच व्यावसायिक बातचीत में क्रॉस-डेक दौरे, विषय वस्तु विशेषज्ञों का आदान-प्रदान और मैत्रीपूर्ण खेल गतिविधियां शामिल थीं, जिनका उद्देश्य अंतर-संचालन और आपसी समझ को मजबूत करना था। इसी दौरान आईएनएस शक्ति पर एक डेक रिसेप्शन का आयोजन किया गया, जिसमें सिंगापुर नौसेना के कर्मियों, प्रतिष्ठित व्यक्तियों, राजनयिक समुदाय के सदस्यों और भारतीय प्रवासियों ने समुद्री साझेदारी के बंधनों का जश्न मनाया। सिंगापुर बंदरगाह पर भारतीय नौसेना की यात्रा ने क्षेत्रीय स्थिरता, सुरक्षा और समुद्री सहयोग के प्रति भारतीय नौसेना की प्रतिबद्धता और योगदान को उजागर किया, जो क्षेत्र में सभी के लिए सुरक्षा और विकास (सागर) के दृष्टिकोण के अनुरूप है।

## जस्टिस यशवंत वर्मा की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट सुनवाई के लिए तैयार, विशेष बेंच का होगा गठन

**नई दिल्ली ।** सुप्रीम कोर्ट ने जस्टिस यशवंत वर्मा की याचिका पर सुनवाई करने की सहमति दे दी है। इस याचिका पर जल्द सुनवाई की मांग कपिल सिब्बल ने की थी। सुप्रीम कोर्ट ने भरोसा दिया है कि इस मामले के लिए जल्द ही एक विशेष बेंच का गठन किया जाएगा। हालांकि चीफ जस्टिस बी. आर. गवई इसका हिस्सा नहीं होंगे। वकील कपिल सिब्बल, मुकुल रोहतगी, राकेश द्विवेदी और सिद्धार्थ लूथरा जस्टिस यशवंत वर्मा की ओर से पेश हुए। कपिल सिब्बल ने सीजेआई की अध्यक्षता वाली बेंच के सामने मामला उठाते हुए कहा, इस मामले में कई संवैधानिक पहलू जुड़े हैं। हम आग्रह करते है कि इस अर्जी पर जल्द सुनवाई के लिए बेंच का गठन करें। सिब्बल के अनुरोध को स्वीकार करते हुए कोर्ट ने इस दिशा में कदम उठाने का फैसला किया। विशेष बेंच के गठन

के बाद इस मामले की सुनवाई की तारीख जल्द तय की जाएगी। सीजेआई बी. आर. गवई इस मामले के लिए ऐसी बेंच का गठन करेंगे, जिसमें वह खुद न हो। विभिन्न विपक्षी दलों के 63 राज्यसभा सांसदों ने सोमवार को न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा को हटाने के लिए सभापति को प्रस्ताव का नोटिस सौंपा। कैश कांड में घिरे जस्टिस यशवंत वर्मा के खिलाफ यह नोटिस सौंपा गया था। राज्यसभा सांसद और कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने सोमवार को इसकी जानकारी दी थी। न्यायमूर्ति शेखर यादव को हटाने के लिए इसी तरह का प्रस्ताव 13 दिसंबर, 2024 को राज्यसभा के सभापति को सौंपा गया था। इससे पहले संसद के मानसून सत्र का आगाज होते ही 145 लोकसभा सांसदों ने जस्टिस यशवंत वर्मा के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव के लिए लोकसभा स्पीकर को ज्ञापन सौंपा। सांसदों ने संविधान के अनुच्छेद 124, 217 और 218 के तहत यह कदम उठाया है।

## पीएम मोदी ब्रिटेन और मालदीव की यात्रा पर रवाना, ठोस परिणामों की उम्मीद

**नई दिल्ली।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार को ब्रिटेन (यूके) और मालदीव की द्विपक्षीय यात्रा पर रवाना हुए। उन्होंने कहा कि यह यात्रा दोनों देशों के साथ संबंधों को और मजबूत करेगी और इसके ठोस परिणाम सामने आएंगे। प्रधानमंत्री की ब्रिटेन यात्रा 23-24 जुलाई के बीच होगी, जो ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर के निमंत्रण पर हो रही है। यह पीएम मोदी की चौथी ब्रिटेन यात्रा है। यात्रा से पहले जारी अपने बयान में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, भारत और ब्रिटेन के बीच व्यापक रणनीतिक साझेदारी है, जिसने हाल के वर्षों में उल्लेखनीय प्रगति की है। हमारा सहयोग व्यापार, निवेश, प्रौद्योगिकी, नवाचार, रक्षा, शिक्षा, अनुसंधान, सतत विकास, स्वास्थ्य और लोगों से लोगों के संबंधों जैसे कई क्षेत्रों में फैला हुआ है। उन्होंने बताया कि वह प्रधानमंत्री स्टार्मर के साथ द्विपक्षीय बैठक करेंगे, जिसमें दोनों देशों के बीच आर्थिक साझेदारी को और मजबूत करने पर चर्चा होगी, ताकि समृद्धि, विकास और रोजगार सृजन को बढ़ावा दिया जा सके। पीएम मोदी ने कहा कि वह ब्रिटेन के किंग चार्ल्स तृतीय से भी मुलाकात करेंगे। इसके बाद प्रधानमंत्री 25-26 जुलाई को मालदीव की राजकीय यात्रा पर जाएंगे। यह यात्रा मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू के निमंत्रण पर हो रही है। यह प्रधानमंत्री मोदी की मालदीव की तीसरी यात्रा है और राष्ट्रपति मुइज्जू के कार्यकाल में किसी भी राष्ट्राध्यक्ष की यह पहली आधिकारिक यात्रा होगी। इस यात्रा का विशेष महत्व है, क्योंकि प्रधानमंत्री मोदी 26 जुलाई को मालदीव के 60वें स्वतंत्रता दिवस समारोह में मुख्य अतिथि होंगे। यही नहीं, इस वर्ष भारत और मालदीव के बीच राजनयिक संबंधों की 60वीं वर्षगांठ भी मनाई जा रही है।

## आईडीईएस, एमईएस और सीडब्ल्यूईएस के परिवीक्षाधीन अधिकारियों ने की राष्ट्रपति से मुलाकात

एजेंसी

**नई दिल्ली।** राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से बुधवार को भारतीय रक्षा संपदा सेवा (आईडीईएस), मिलिट्री इंजीनियर सर्विसेज (एमईएस) और केंद्रीय जल अभियांत्रिकी सेवा (सीडब्ल्यूईएस) के परिवीक्षाधीन अधिकारियों ने राष्ट्रपति भवन में शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर राष्ट्रपति ने तीनों सेवाओं के अधिकारियों को संबोधित किया और राष्ट्र निर्माण में उनकी भूमिका को रेखांकित किया। राष्ट्रपति ने आईडीईएस अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि आज के तकनीकी युग में डिजिटल समाधानों का समावेश आवश्यक हो गया है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, ड्रोन आधारित भूमि सर्वेक्षण, सैटेलाइट इमेजरी और ब्लॉकचेन तकनीक अब भविष्य की नहीं, बल्कि वर्तमान की वास्तविकताएं बन गयी हैं। राष्ट्रपति ने उनसे आग्रह किया कि वे हरित बुनियादी ढांचा विकास को अपनाएं, नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों का उपयोग करें, जल संरक्षण सुनिश्चित करें और अपव्यय को कम करें। मिलिट्री इंजीनियर सर्विसेज के अधिकारियों को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि सैन्य निर्माण के क्षेत्र में

युवा एमईएस अधिकारी केवल निर्माणकर्ता नहीं, बल्कि उत्तरदायी निर्माता भी हैं। उन्होंने कहा कि रक्षा क्षेत्र के निर्माण कार्यों में सतत विकास को सुनिश्चित करना समय की मांग है। राष्ट्रपति ने 'आत्मनिर्भर भारत' और 'मेक इन इंडिया' के तहत स्वदेशी तकनीकों और सामग्री को प्रोत्साहित करने के लिए एमईएस की सराहना की।

केंद्रीय जल अभियांत्रिकी सेवा के अधिकारियों को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि जल संसाधनों का सतत विकास और प्रबंधन जल सुरक्षा के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है, विशेषकर जलवायु परिवर्तन की पृष्ठभूमि में। उन्होंने कहा कि स्वच्छ जल की उपलब्धता और जल संरक्षण न केवल सार्वजनिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाएंगे, बल्कि कृषि उत्पादकता भी बढ़ाएंगे और प्राकृतिक संसाधनों का संतुलित उपयोग सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने सीडब्ल्यूईएस अधिकारियों से कहा कि वे जल संकटों से निपटने के लिए सुदृढ़ जल संरचनाओं और अभियांत्रिकी समाधानों के माध्यम से राष्ट्र को अधिक सशक्त और संवेदनशील बनाएं। राष्ट्रपति ने तीनों सेवाओं के अधिकारियों को राष्ट्र सेवा के उनके संकल्प के लिए शुभकामनाएं दीं और उन्हें अपने कर्तव्यों को पूरी निष्ठा और प्रतिबद्धता से निभाने की प्रेरणा दी।

## मोदी सरकार में बिहार को रेलवे क्षेत्र में अभूतपूर्व विकास की सौगात मिली: अश्विनी वैष्णव

एजेंसी

**नई दिल्ली ।** रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को लोकसभा में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में बिहार को रेलवे क्षेत्र में अभूतपूर्व विकास की सौगात मिली है। जहां 11 साल पहले बिहार को रेलवे बजट में मात्र 1,132 करोड़ रूपये की राशि मिलती थी, वहीं अब यह राशि बढ़कर 10,000 करोड़ रूपये हो गई है। यह बिहार के लिए मोदी सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। रेल मंत्री ने कहा कि कई वर्षों से लंबित प्रोजेक्ट्स को एनडीए सरकार ने पूरा किया है। मुंगेर और पटना में नए ब्रिज बनाए गए हैं और कोसी ब्रिज, जिसे पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने मंजूरी दी थी, उसे अब मोदी सरकार ने पूरा किया है। उन्होंने जोर देकर कहा कि बिहार के साथ न्याय केवल एनडीए ही कर सकती है। सीतामढ़ी-शिवहर रेल लाइन प्रोजेक्ट को लेकर उन्होंने बताया कि बागमती नदी पर जो पुल बनना है, उसका टेंडर हो चुका है। देकुली धाम को जोड़ने वाले इस महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट के लिए भूमि अधिग्रहण को

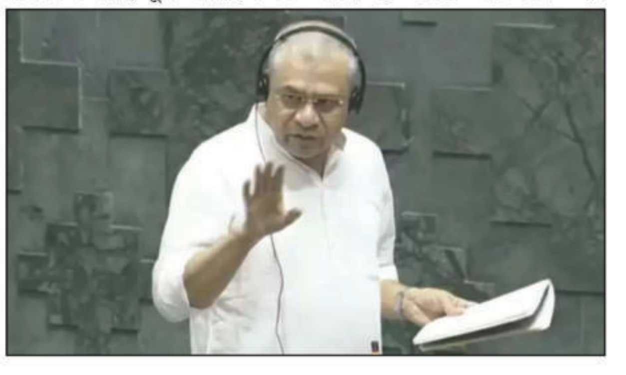

लेकर 262 करोड़ रूपये की राशि जमा कर दी गयी है। इस परियोजना के लिए कुल 557 करोड़ रूपये स्वीकृत किए गए हैं और कार्य तेजी से आगे बढ़ रहा है। रेल मंत्री ने बताया कि बिहार में अब तक 98 रेलवे स्टेशनों का पुनर्विकास किया जा रहा है। राज्य में आठ वंदे भारत ट्रेनें, पांच अमृत भारत ट्रेनें और एक नमो भारत ट्रेन चल रही हैं। इसके साथ ही 218 प्लेटफॉर्म और अंडरपास भी बनाए गए हैं। अमृत भारत ट्रेनें प्रधानमंत्री मोदी की विशेष पहल हैं, जिनमें गरीब से गरीब व्यक्ति को भी बेहतर सुविधाएं मिलती हैं। ये ट्रेनें अब बिहार के कई हिस्सों से दिल्ली और बेंगलुरु जैसे बड़े शहरों के लिए शुरू की गयी हैं।

## 'शरद और उद्धव की पार्टी लगातार भाजपा के संपर्क में', केसी त्यागी ने किया महाराष्ट्र में उलटफेर का दावा

एजेंसी

**नई दिल्ली ।** जनता दल (यूनाइटेड) के दिग्गज नेता केसी त्यागी ने हाल के राजनीतिक घटनाक्रमों पर अहम टिप्पणी की है। एक तरफ केसी त्यागी ने समाजवादी पार्टी सांसदों के मस्जिद जाने पर अखिलेश यादव का बचाव किया, जबकि दूसरी तरफ उन्होंने महाराष्ट्र की राजनीति में एक बड़ा उलटफेर होने का दावा किया है। जेडीयू नेता केसी त्यागी ने समाचार एजेंसी से बातचीत में शरद पवार, अखिलेश यादव और ममता बनर्जी के बयानों पर प्रतिक्रिया दी। साथ ही, उन्होंने बिहार में एसआईआर पर जारी राजनीति के बीच अपनी बात रखी। अखिलेश यादव दिल्ली में संसद भवन के पास बनी मस्जिद में समाजवादी पार्टी के सांसदों के साथ नजर आए थे। इस पर भाजपा ने सवाल उठाए हैं। हालांकि, केसी त्यागी का बयान बिल्कुल उलट आया है। उन्होंने कहा, ÷यह गलत नहीं है। उन्होंने कहा, रामपुर से समाजवादी पार्टी के सांसद मोहिबुल्लाह नदवीवो इस मस्जिद के इमाम हैं। उन्हीं के निमंत्रण पर सपा के सांसद वहां चाय पीने गए

थे। इससे पहले भाजपा ने अखिलेश यादव पर सवाल उठाते हुए कहा था कि मस्जिद मीटिंग की जगह नहीं है। बिहार में एसआईआर के मुद्दे पर केसी त्यागी ने कहा, एसआईआर का आकलन चल रहा है। 97 प्रतिशत लोगों ने अपने नाम रजिस्टर्ड कराए हैं। एक महीने का समय राजनीतिक पार्टियों को दिया जाएगा, ताकि अपने नामों को सही से शामिल किया जा सके। शरद पवार ने देवेंद्र फडणवीस की तारीफ की है। इस पर केसी त्यागी ने दावा करते हुए कहा, ÷महाराष्ट्र की राजनीति में कुछ बड़ा होने वाला है। एनसीपी-एसपी और शिवसेना-यूबीटी, वह लगातार भाजपा के संपर्क में हैं। असल में देवेंद्र फडणवीस के जन्मदिन पर शरद पवार समेत कई नेताओं ने कॉफी टेबल बुक में उनकी प्रशंसा की थी। केसी त्यागी ने इस दौरान ममता बनर्जी की भाषाई आतंकवाद वाली टिप्पणी पर भी जवाब दिया। उन्होंने अपने बयान में कहा, हिंदी को प्रमोट करना भाषाई आतंकवाद नहीं है। हम मराठी, बंगाली और तेलुगु समेत सभी भाषाओं का सम्मान करते हैं। इससे पहले, ममता बनर्जी ने एक रैली के दौरान कहा, भाजपा भाषाई आतंकवाद फैलाने का काम कर रही है।

## झारखंड हाईकोर्ट के 17वें चीफ जस्टिस बने तरलोक सिंह चौहान, राज्यपाल ने दिलाई शपथ

एजेंसी

**रांची ।** झारखंड हाईकोर्ट के नवनियुक्त चीफ जस्टिस तरलोक सिंह चौहान ने बुधवार को पद एवं गोपनीयता की शपथ ली। रांची के राजभवन में आयोजित समारोह में राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने उन्हें पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। इसके साथ ही वे झारखंड के 17वें चीफ जस्टिस बन गए। मुख्य सचिव अलका तिवारी ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा जारी चीफ जस्टिस की नियुक्ति संबंधी वारंट को हिंदी और अंग्रेजी में पढ़कर सुनाया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, झारखंड हाई कोर्ट के सभी न्यायाधीश, झारखंड सरकार के कई मंत्री, महाधिवक्ता राजीव रंजन, जस्टिस तरलोक सिंह चौहान के परिजन और राज्य सरकार के अधिकारी उपस्थित रहे। 9 जनवरी

1964 को हिमाचल प्रदेश के रोहडू में जन्मे जस्टिस तरलोक सिंह चौहान ने शिमला के बिशप कॉटन से स्कूली शिक्षा प्राप्त करने के बाद पंजाब यूनिवर्सिटी से कानून की डिग्री ली। उन्होंने 1989 में हिमाचल प्रदेश बार काउंसिल में वकील के रूप में नामांकन के बाद सभी विधायी शाखाओं में गहरा अनुभव अर्जित किया। वह 2014 में हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट के अतिरिक्त न्यायाधीश और फिर स्थायी न्यायाधीश बने। जस्टिस चौहान ने पर्यावरण कानून, बाल कल्याण और न्यायिक सुधारों में उल्लेखनीय कार्य किया। वे किशोर न्याय समिति, विधिक सेवा प्राधिकरण और हाईकोर्ट की कंप्यूटर एवं ई-कोर्ट समिति का नेतृत्व कर न्यायपालिका में डिजिटल परिवर्तन में अहम भूमिका निभा चुके हैं। वे राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में भारतीय न्यायपालिका का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। उनके नेतृत्व में हिमाचल प्रदेश न्यायपालिका ने ई-फाइलिंग, ऑनलाइन सेवाओं और डिजिटल न्यायिक प्रक्रियाओं में नए कीर्तिमान स्थापित किए। झारखंड हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस के रूप में जस्टिस चौहान की नियुक्ति की अधिसूचना भारत के राष्ट्रपति कार्यालय से 15 जुलाई को जारी की गई थी।

## प्रसिद्ध नाटककार और रंगमंच निर्देशक रतन थियम का निधन

एजेंसी

**मुम्बई।** प्रसिद्ध नाटककार और रंगमंच निर्देशक रतन थियम का निधन हो गया। उन्हें बीती मध्य रात लगभग 1:30 बजे इम्फाल स्थित रिम्स अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां इलाज के दौरान उन्होंने अंतिम सांस ली। भारतीय रंगमंच को नई पहचान देने वाले रतन थियम ने अपने करियर में कई ऐतिहासिक नाटकों का निर्देशन किया और भारतीय थिएटर को वैश्विक मंच पर सम्मान दिलाया। उनके निधन से थिएटर जगत में शोक की लहर है। कलाकारों और रंगकर्मियों का कहना है कि रतन थियम के जाने से मंच ने एक अनमोल रत्न खो दिया है। गीतकार और प्लेबैक सिंगर स्वानंद किरकिरे सोशल मीडिया एक्स पर लिखा, भारतीय रंगमंच के जादूगर- रतन थियम साहब! आपका जाना भारतीय रंगमंच के लिए बहुत बड़ी क्षति है। पराकोटि का सौंदर्य बोध! भारतीयता - मणिपुर की संस्कृति में गहरे उतरी हुई आपकी जड़ों को साथ ले कर नितांत आधुनिक रंगमंच के रचयिता थियम साहब आप के रंगमंच का विश्व में कोई सानी नहीं! अलविदा सर। रतन थियम ने भारतीय रंगमंच की प्राचीन परंपरा को आधुनिक संदर्भ में जीवंत करते हुए नई दिशा दी। उन्होंने केवल नाट्य लेखन तक खुद को सीमित नहीं रखा, बल्कि रंगमंच के गहन विचार और दर्शन को भी मंच पर उतारा। 1987 से 1989 के बीच उन्होंने राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय (एनएसडी) में कई प्रभावशाली नाटकों का निर्देशन किया।

## यूपी में निवेश लाने के लिए न्यू आउटरीच प्लान पर योगी सरकार का फोकस

एजेंसी

**लखनऊ ।** उत्तर प्रदेश में 2023 ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के दौरान 35 लाख करोड़ से ज्यादा के निवेश प्रस्ताव प्राप्त करने के बाद योगी सरकार ने एक बार फिर नए निवेश प्रस्तावों के लिए कमर कस ली है। उत्तर प्रदेश में निवेश आकर्षित करने को लेकर योगी सरकार ने अब न्यू आउटरीच प्लान पर फोकस किया है। इसको अमल में लाने के लिए प्रदेश में निवेश की नोडल एजेंसी इन्वेस्ट यूपी ने अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय स्तर पर रोड शो की व्यापक रणनीति बनाई है। इसके तहत, चीन+1 रणनीति के तहत आयोजित होने वाले रोड शो के अतिरिक्त सितंबर-अक्टूबर 2025 में सिंगापुर, जापान, दक्षिण कोरिया, यूएई, कतर और कनाडा में भी अंतरराष्ट्रीय रोड शो का आयोजन किया जाएगा। इन रोड शो का मुख्य उद्देश्य आगामी फरवरी 2026 में होने वाले यूपी ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट (जीआईएस) के लिए नए निवेश प्रस्तावों को आकर्षित करना है। इसके लिए दिसंबर 2025 से जनवरी 2026 की शुरुआत तक देश के अलग-अलग शहरों में में भी राष्ट्रीय स्तर पर रोड शो किए जाएंगे,

ताकि घरेलू निवेशकों को भी जोड़कर समिट को नई ऊंचाई दी जा सके। नए निवेशकों के आउटरीच प्रोग्राम से पहले योगी सरकार नवंबर 2025 में पांचवीं ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी (जीबीसी-5) का आयोजन करने जा रही है। इसमें 5 लाख करोड़ रुपए से अधिक के निवेश को धरातल पर उतारने का लक्ष्य रखा गया है। सरकार का मानना है कि जैसे-जैसे जीबीसी-5 का समय नजदीक आएगा, यह आंकड़ा 10 लाख करोड़ तक पहुंच सकता है। अब तक प्रदेश में ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी के माध्यम से 12 लाख 10 हजार 274 करोड़ रुपए की 16 हजार 478 परियोजनाएं शामिल हुई हैं, जिनमें से चार लाख 33 हजार 528 करोड़ की 8 हजार 363 परियोजनाओं का वाणिज्यिक संचालन शुरू हो गया है। वहीं सात लाख 76 हजार 746 करोड़ रुपए की 8 हजार 115 परियोजनाएं जल्द संचालन पूरा करना शुरू कर देंगी। इन्वेस्ट यूपी ने न्यू आउटरीच नीति के तहत उभरते क्षेत्रों की पहचान की है। वैश्विक क्षमता केंद्र (जीसीसी) नीति अधिसूचित हो चुकी है। फुटवियर और चर्म उत्पाद नीति को जल्द अधिसूचित किया जाएगा। इसके साथ ही सतत विमान ईंधन (सस्टेनेबल एविएशन फ्यूल) और निजी निवेश प्रोत्साहन नीति के ड्राफ्ट भी तैयार किए गए हैं। इन नीतियों में त्वरित निवेश प्रोत्साहन योजना, विस्तार/विविधीकरण हेतु छूट की सीमा और एमएसएमई से बड़े उद्यमों में रूपांतरण जैसे प्रावधान शामिल होंगे। आउटरीच प्लान के माध्यम से निवेशकों के साथ प्रत्यक्ष संवाद, नई नीतियों का प्रोत्साहन और अंतरराष्ट्रीय व राष्ट्रीय मंचों पर सक्रिय भागीदारी के ज़रिए उत्तर प्रदेश को निवेश का ग्लोबल डेस्टिनेशन बनाने की तैयारी है। न्यू आउटरीच प्लान की सफलता सुनिश्चित करने के लिए सरकार हर 15 दिन में एक घंटे की निवेशक राउंड टेबल बैठक कर रही है। साप्ताहिक आधार पर भी बैठकें की जा रही हैं ताकि निवेशकों के फीडबैक के आधार पर रणनीति को अपडेट किया जा सके। विदेश मंत्रालय (एमईए) के सहयोग से नई लीड्स सृजित करने के लिए भी उच्चस्तरीय बैठकें की जा रही हैं।

# चैन स्नैचर को वारदात के 24 घंटे में धरदबोचा

**देश का दर्पण न्यूज**
**पुलिस** उपायुक्त जयपुर दक्षिण श्री राजर्षि राज वर्मा क्ढर के निदेर्शानुसार व श्री ललित किशोर शर्मा अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त जयपुर दक्षिण के सुपरविजन एवं श्री सुरेन्द्र सिहं चौधरी सहायक पुलिस आयुक्त चाकसू जयपुर दक्षिण के निर्देशन में श्री मनोहर लाल पुलिस निरीक्षक थानाधिकारी पुलिस थाना चाकसू जयपुर दक्षिण के नेतृत्व में श्री दौलतराम हैड कानि. 2160 श्री बाबु लाल कानि. 3583, श्री जगदीश कानि. 8339, श्रीमती रामधणी म. कानि. 3798 की टीम का गठन किया गया। दिनांक 22.07.2025 को परिवादी श्री राजेश यादव ने उपस्थित थाना होकर दर्ज करवाया कि दिनांक 21.07.2025 को समय 6.20 बजे शाम को ग्राम भोज्याडा में मेरी बहिन कोमल भैंस को पानी पिलाने के लिए लेकर जा रही थी

तभी रास्ते में एक बाईक सवार लड़के ने झपटा मारकर कोमल के गले से उसका मंगल सुत्र तोड कर ले गया। आदि पर मु.नं. 281/25 धारा 304 (2) बी एन एस में दर्ज अनुसंधान आरम्भ किया गया तथा प्रकरण के माल मुल्जिमान व मुलजिम की तलाश की गई। गठित टीम द्वारा कड़ी मेहनत करके तकनीकी व परम्परागत तरीके से जानकारी व घटना स्थल के आस पास स्थित सी सी टी वी कैमरो की जांच के आधार पर आसुचना प्राप्त कर अथक प्रयासों से अभियुक्त श्रवण चौधरी को डिटेन किया गया। जिनसे इस प्रकरण के संबंध में गहन अनुसंधान किया जाकर प्रकरण हाजा का माल मशरुका पीडिता कोमल के गले का मंगल सुत्र तथा अभियुक्त द्वारा प्रकरण की घटना के समय काम में लिया गया वाहन मोटरसाईकिल रजि. न. फ्ख 14 डव 7048 को अभियुक्त श्रवण चौधरी के कब्जे से बरामद किया गया।

## हत्या का प्रयास करने वाले दो वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार

**कौशांबी।** जिले में दिनाक 14.06.2025 को आवेदक वशिष्ट नारायण पुत्र विजय शंकर निवासी ग्राम थोन थाना मोहब्बतपुर पइंसा द्वारा थाना मोहब्बतपुर पइंसा सूचना दी गयी कि अज्ञात अभियुक्तों द्वारा उनके पिता को दिनांक 11.06.2025 की आधी रात प्रांणघातक हमला कर गम्भीर चोंट पहुचाई गयी है थाना पर सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत किया गया था।मंगलवार को थाना मोहब्बतपुर पइंसा पुलिस टीम द्वारा विवेचना के दौरान पूछताछ से प्रकाश में आये 02 अभियुक्तों बचोली मिश्रा वा राजकुमार मिश्रा पुत्रगण आनन्द्र प्रसाद मिश्रा निवासीगण ग्राम थोन थाना मोहब्बतपुर पइंसा को अभियुक्तगण के खेत में बने छप्पर से गिरफ्तार किया गया विधिक कार्यवाही के पश्चात अभियुक्तों को न्यायालय भेजा गया हैं।

## न्यूज फ्लैश

### *जयपुर में बिजली चोरी पर डिस्कॉम की बड़ी कार्रवाई, 3.39 लाख का जुमार्ना*

**जयपुर, 23 जुलाई 2025:** जयपुर डिस्कॉम प्रशासन ने खो नागोरियान क्षेत्र में बिजली चोरी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 3,39,740 रुपये का जुमार्ना लगाया। जयपुर शहर दक्षिण के अधीक्षण अभियंता अनिल तोडवाल के निर्देशन में अधिशासी अभियंता नागेश अग्रवाल और कनिष्ठ अभियंता शालू वर्मा की टीम ने छापेमारी की। कार्रवाई के दौरान कई उपभोक्ताओं के परिसरों में घरेलू कनेक्शन का कमर्शियल दुरुपयोग और अवैध रूप से बिजली चोरी पकड़ी गई। करीम नगर के उपभोक्ता अब्दुल रहीम के परिसर में घरेलू कनेक्शन पर कपड़ों का कारखाना चलता पाया गया, जिसके लिए 96,701 रुपये का जुमार्ना लगाया गया। इसी क्षेत्र में उपभोक्ता अलामुद्दीन पर 40,217 रुपये, निशारा बेगम पर 66,842 रुपये, मोहम्मद खालिद पर सर्विस केबल में कट लगाकर बिजली चोरी के लिए 75,052 रुपये, इमरान पर 17,544 रुपये और यूसुफ पर अवैध तार डालकर बिजली चोरी के लिए 11,319 रुपये का जुमार्ना लगाया गया। आयशा नगर में जफरुद्दीन पर 16,166 रुपये और नदीम पर 9,263 रुपये का जुमार्ना लगाया गया। इंदिरा विहार के सलीम कुरैशी पर 6,636 रुपये का जुमार्ना ठोका गया। इस कार्रवाई में तकनीकी कर्मचारी आरएस मीणा, धीरेंद्र फौजदार, राजेश साहू और चंदा राम सैनी भी शामिल रहे। डिस्कॉम प्रशासन ने चेतावनी दी है कि बिजली चोरी के खिलाफ ऐसी कार्रवाइयां जारी रहेंगी।

### झोटवाड़ा में कांग्रेस का 'गड्ढा भरण समारोह', जनता के साथ सड़क सुधार की पहल

**जयपुर, झोटवाड़ा।**
झोटवाड़ा विधानसभा क्षेत्र, जो प्रदेश सरकार में केबिनेट मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़ का विधानसभा क्षेत्र है, टूटी-फूटी सड़कों से आमजन को राहत दिलाने के लिए आज कांग्रेस प्रत्याशी और ठरवकपूर्व प्रदेशअध्यक्ष अभिषेक चौधरी के नेतृत्व में 'गड्ढा भरण समारोह' का आयोजन किया गया। यह आयोजन गणेश नगर 8, निवारू रोड, हरनाथपुरा, वार्ड 24 में सम्पन्न हुआ। इस अनूठी पहल में अभिषेक चौधरी ने खुद फावड़ा उठाकर सड़क के गड्ढों को भरने का कार्य प्रारंभ किया। उन्होंने कहा कि,"अगर सरकार गड्ढे नहीं भरेगी, तो जनता के साथ मिलकर हम सड़कों को दुरुस्त करेंगे" अभिषेक चौधरी ने स्थानीय नागरिकों के सहयोग से गड्ढे भरकर यह संदेश दिया कि अब झोटवाड़ा की जनता खुद अपने क्षेत्र की जिम्मेदारी उठाने को तैयार है। इस अवसर पर ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष उमराव यादव, मंडल अध्यक्ष, वार्ड अध्यक्ष, सहित समस्त कांग्रेस कार्यकारिणी उपस्थित रही और जनसहयोग से सड़क सुधार कार्य में भाग लिया। कार्यक्रम में क्षेत्रवासियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और कांग्रेस की इस जन-हितैषी पहल की सराहना की। अभिषेक चौधरी ने कहा,"अब जनता की ताकत से भरेंगे गड्ढे झ्र झोटवाड़ा में बदलाव का आगाज। यह कार्यक्रम केवल एक शुरूआत है, आगे भी झोटवाड़ा में जनसमस्याओं के समाधान के लिए इसी तरह के ठोस कदम उठाए जाएंगे।

### पुलिस थाना रायसर ने मोटरसाईकिल चोरी की अज्ञात वारदात का खुलासा कर शातिर चोर अविनाश को किया गिरफ्तार

**देश का दर्पण न्यूज**
**श्रीमती** राशि डोगरा यूडी आईपीएस पुलिस अधीक्षक जिला जयपुर ग्रामीण ने जानकारी देते हुए बताया है कि दिनांक 26.06.2025 को परिवादी श्री रामू पुत्र श्री बोदूराम जाति गुर्जर निवासी ग्राम माधोगढ थाना प्रतापगढ जिला अलवर ने पुलिस थाना रायसर पर रिपोर्ट दर्ज करवाई कि दिनांक 17.06. 2025 को मेरी चिलपली में चाय की दुकान के पीछे खड़ी मोटरसाईकिल ल्त्रऋअ्छवए नम्बर फ्ख 14 ल्ड 6657 को कोई चोरी करके ले गया है। आदि रिपोर्ट पर अभियोग संख्या 133/2025 दर्ज कर अनुसंधान शुरू किया गया।

# पुलिस थाना रायसर ने मोटरसाईकिल चोरी की अज्ञात वारदात का खुलासा कर शातिर चोर अविनाश को किया गिरफ्तार

**देश का दर्पण न्यूज**
**श्रीमती** राशि डोगरा यूडी आईपीएस पुलिस अधीक्षक जिला जयपुर ग्रामीण ने जानकारी देते हुए बताया है कि दिनांक 26.06.2025 को परिवादी श्री रामू पुत्र श्री बोदूराम जाति गुर्जर निवासी ग्राम माधोगढ थाना प्रतापगढ जिला अलवर ने पुलिस थाना रायसर पर रिपोर्ट दर्ज करवाई कि दिनांक 17.06. 2025 को मेरी चिलपली में चाय की दुकान के पीछे खड़ी मोटरसाईकिल ल्त्रऋ अ्छवए नम्बर फ्ख 14 ल्ड 6657 को कोई चोरी करके ले गया है।

आदि रिपोर्ट पर अभियोग संख्या 133/2025 दर्ज कर अनुसंधान शुरू किया गया। प्रकरण में अज्ञात चोरों को गिरफ्तार कर मोटरसाईकिल बरामद करने हेतु अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मुख्यालय श्री रजनीश पूनियां व पुलिस उप अधीक्षक जमवारामगढ श्री प्रदीप यादव के सुपरविजन में तथा थानाधिकारी रायसर रघुवीर सिंह राठौड़ के नेतृत्व में पुलिस टीम का गठन किया गया। गठित टीम द्वारा आसूचना संकलन व तकनीकी सहायता द्वारा कड़ी मेहनत करते हुए चोरी की वारदात करने वाले अज्ञात आरोपी की पहचान कर आरोपी अविनाश पुत्र रामनाथ जाति मीणा निवासी जयसिंह नगर चन्दवाजी जिला जयपुर को डिटेन कर पूछताछ की तो आरोपी ने चोरी की वारदात करना स्वीकार किया जिस पर आरोपी को दिनांक 22.07.2025 को गिरफ्तार कर कब्जे से चोरी की गई मोटरसाईकिल HF DELUXE नम्बर RJ 14 HK 6657 को बरामद करने में सफलता प्राप्त की है।

# पुलिस थाना संजय सर्किल जयपुर उत्तर की कार्यवाही, चाकू मारकर हत्या करने के गिरफ्तार आरोपी से घटना में प्रयुक्त धारदार हथियार चाकू किया बरामद

**देश का दर्पण न्यूज**
**पुलिस** उपायुक्त जयपुर (उत्तर) श्री करण शर्मा IPS ने बताया कि थाना संजय सर्किल क्षेत्र में दिनांक 20-7-25 व दिनांक 21-7-25 को रात्रि करीब 12 ढट से 12.30 अट के बीच चाकूबाजी की घटना में घायल हुये शख्स वाजिद निवासी म.न. 23 हाजी कालोनी थाना संजय सर्किल जयपुर के पिता श्री सरफराज द्वारा पुलिस थाना संजय सर्किल जयपुर उत्तर पर फरमान व अन्य के खिलाफ दिनांक 21.07.25 को दर्ज कराये गये मुकदमा नंबर 132/25 थाना संजय सर्किल में घटना कारित करने वाले मुलजिम की गिरफतारी उपरांत हथियार बरामदगी हेतु श्रीमान पुलिस आयुक्त महोदय, श्री बीजू जार्ज जोसेफ एवं अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (अपराध) महोदय श्री मनीष अग्रवाल द्वारा निर्देश दिये गये थे। जिस पर घटन में प्रयुक्त धारदार हथियार की बरामदगी हेतु मन पुलिस उपायुक्त जयपुर (उत्तर) के सुपरविजन में

अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त जयपुर (उत्तर-॥) श्री बजरंग सिंह शेखावत फ्ढर एवं सहायक पुलिस आयुक्त वृत्त कोतवाली जयपुर उत्तर श्री अनुप सिंह फ्ढर के निर्देशन में श्री माधो सिंह पु०नि० थानाधिकारी संजय सर्किल के नेतृत्व में विशेष टीमें गठित की गई। गठित टीमों द्वारा फरार मुलजिम फरमान पुत्र श्री मोहम्मद सईद कुरेशी उर्फ किरु उम्र 19 साल निवासी म.न. 44, हाजी कोलोनी, सीकर हाऊस झोटवाडा रोड, जयपुर पुलिस थाना सँजय सर्किल जयपुर उत्तर को तकनीकी आधार व विभिन्न स्थानों के सीसीटीवी फूटेज के आधार पर रूट मैप तैयार कर प्रकरण दर्ज होने के मात्र 24 घंटे के अंदर मुलजिम को गिरफतार किया गया। गिरफतारशुदा मुलजिम से घटना में काम में लिये चाकू की बरामदगी व घटन के संबंध में गहन अनुसंधान किया गया। गिरफतारशुदा मुल्जिम फरमान द्वारा अनुसंधान के दौरान धारा 23(2) बीएसए में दी गई इतला की तस्दीक कर टीम द्वारा कार्यवाही करते हुये घटना में प्रयुक्त धारदार हथियार चाकू को मुलजिम के घर से दिनांक 23.07.25 को बरामद करने में सफलता प्राप्त की है। मुलजिम से घटना के संबंध में व मृतक से पूर्व के कोई विवाद के संबंध में अनुसंधान जारी है।

## पुलिस थाना सांभरलेक ने अज्ञात चोरी की वारदात का खुलासा कर शातिर चोर बालूराम उर्फ बाल्या उर्फ बोदूराम को किया गिरफ्तार

**देश का दर्पण न्यूज**
**श्रीमती राशि** डोगरा डूडी आईपीएस पुलिस अधीक्षक जिला जयपुर ग्रामीण ने जानकारी देते हुए बताया है कि परिवादी श्री श्योजीराम पुत्र प्रेमाराम गुर्जर निवासी भादरपुरा ने दिनांक 22.07.2025 को रिपोर्ट दर्ज करवायी की रात्री को अज्ञात चोरों ने मकान के सामने बनी जगह में से एक लोहे की कड़ाई. एक भगोना एवं मकान पर काम करने वाले पत्थर के मिस्त्री अरविन्द कुमावत का

सामान जिसकी कीमत करीबन 30000 रुपए लगभग है कोई अज्ञात व्यक्ति चोरी करके ले गया है। आदि रिपोर्ट पर पुलिस थाना सांभरलेक पर प्रकरण संख्या 118/2025 दर्ज कर अनुसंधान प्रारंभ किया गया। प्रकरण में अज्ञात चोरों को गिरफ्तार कर माल मसरूका बरामद करने हेतु अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दूदू श्री शिवलाल बैरवा व पुलिस उप अधीक्षक सांभरलेक श्री अनुपम मिश्रा के सुपरविजन में तथा थानाधिकारी सांभरलेक श्री राजेन्द्र कुमार पुलिस निरीक्षक. के नेतृत्व में पुलिस टीम का गठन किया गया। गठित टीम द्वारा आसूचना संकलन व तकनीकी सहायता द्वारा कड़ी मेहनत करते हुए चोरी की वारदात करने वाले अज्ञात आरोपी की पहचान कर आरोपी बालूराम उर्फ बाल्या उर्फ बोदूराम जाति बावरिया निवासी कच्ची बस्ती बांसडी थाना भांकरोटा जिला जयपुर को आज दिनांक 23. 07.2025 को डिटेन कर पूछताछ की तो आरोपी ने चोरी की वारदात करना स्वीकार किया जिस पर आरोपी को गिरफ्तार कर चोरी किये गये सामान को बरामद करने में सफलता प्राप्त की है। आरोपी बालूराम उर्फ बाल्या भांकरोटा थाना जिला जयपुर (पश्चिम) का हिस्ट्रीशीटर है, जिसके लूट, चोरी, आर्म्स एक्ट के करीबन 23 प्रकरण दर्ज हैं। आरोपी ने अनुसंधान के दौरान थाना फुलेरा व जयपुर शहर के पुलिस थानों बगरू, शिवदासपुरा, कालवाड़, मानसरोवर, झोटवाड़ा, वैशालीनगर, मुरलीपुरा, प्रतापनगर, सांगानेर, भांकरोटा तथा पुलिस थाना परबतसर जिला नागौर ईलाको में चोरी की वारदात को अंजाम देना बताया है।

# वाराणसी : करपात्र प्राकट्योत्सव में दीपों की रोशनी से नहाया धर्मसंघ

## करपात्र प्राकट्योत्सव पर एक साथ जले तिरालीस हजार सत्तर दीये

**वाराणसी।** धर्मसम्राट स्वामी करपात्री जी महाराज के 118 वें प्राकट्योत्सव के अवसर पर मंगलवार को दुगार्कुण्ड स्थित धर्मसंघ प्रांगण दीपों की रोशनी से नहा उठा। श्री धर्मसंघ शिक्षा मण्डल में चल रहे 14 दिवसीय प्राकट्योत्सव में दूसरे दिन करपात्र दीपावली मनाई गयी। इस अवसर पर जैसे ही तिरालीस हजार सत्तर दीये एक साथ प्रज्ज्वलित किया गया, वैसे ही पूरा परिसर दीयों की रोशनी से जगमगा उठा।
सायंकाल गोधूलि बेला में प्रांगण स्थित भव्य एवं विशाल मणि मन्दिर को दिव्य तरीके से सजाया गया था। सर्वप्रथम धर्मसंघ पीठाधीश्वर स्वामी शंकरदेव चैतन्य ब्रम्हचारी

जी महाराज एवं पं.जगजीतन पाण्डेय ने मणि मन्दिर के मुख्य सभागार में स्वस्तिवाचन के बीच प्रथम दीपक प्रज्ज्वलित किया, उसके उपरान्त वैदिक आचार्यो एवं बटुकों ने एक साथ पूरे धर्मसंघ प्रांगण में दीपक जलाए। मंदिर के बाहर बाग में सहस्त्र दीप मालिका भी प्रज्ज्वलित की गयी। मंदिर के मुख्य द्वार, करपात्र प्रतिमा, करपात्र सभागार, महाराज निवास, अन्नपूर्णा भोजन भण्डार, गौशाला, बाग, अतिथि गृह तथा कार्यालय सभी जगहों पर एक साथ दीप प्रज्ज्वलित किया गया। इस अवसर पर मुख्य द्वार से लगायत सम्पूर्ण प्रांगण में विद्युत झालरों एवं दीप मालाओं की भी आकर्षक सजावट की गई थी। दीपकों एवं विभिन्न प्रकार के पुष्पों से सनातन धर्म के प्रतीक चिन्ह बनायें गये थे, जिनमें स्वास्तिक, ओमकार, त्रिशूल, नन्दी, शंख, कमलपुष्प आदि प्रतीक चिन्ह बेहद आकर्षक लग रहे थे। एक साथ पूरे परिसर में दीप प्रज्ज्वलित होते ही समूचे धर्मसंघ में अत्यन्त विहंगम दृश्य नजर आया।

करपात्र दीपावली के अवसर पर पहली बार 5 अर्चकों द्वारा महा मणिआरती भी उतारी गई। मंदिर के समक्ष बाग में अर्चकों ने शिव स्तुति कर देवगणों की आराधना की। इसके साथ ही करपात्र दीपावली के अवसर पर फूलों की रंगोली भी सजायी गयी। मुख्य द्वार पर सुस्वागतम् की रंगोली बेहद मनमोहक रही, उसके अलावा मणि मन्दिर के चारों स्तंभों पर कमल पुष्प की रंगोली, हॉल के मध्य में विशाल कलश की रंगोली तथा चारों और सनातनी प्रतीक चिन्ह के ओम तथा स्वास्तिक तथा फूलो से धर्म की जय हो अधर्म का नाश हो जैसे धर्मवाक्य खासा आकर्षण का केन्द्र रहे।

इस अवसर पर धर्मसंघ पीठाधीश्वर स्वामी शंकरदेव चैतन्य ब्रम्हचारी जी महाराज ने बताया कि प्रत्येक वर्ष करपात्र प्राकट्य दिवस की पूर्व संध्या पर करपात्र दीपावली मनाने की परम्परा रही है। आज के दिन हम स्वामी करपात्री जी महाराज के इस धरती पर अवतरित हुए दिनों के बराबर दीपदान कर उन्हें नमन करते है। सनातन धर्म में दीपक का महत्व अत्यन्त शुभ माना गया है, इसलिए दीपदान कर हम विश्व के कल्याण की कामना करते है। दीपावली में मुख्य रूप से रोहतक, हरियाणा के पूर्व मेयर एवं उद्योगपति मनमोहन गोयल, निर्मला गोयल भी शामिल हुए।

# मण्डलीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में कमिश्नर ने कसे पेंच

**प्रयागराज।** राहवीर योजना के तहत 5 हजार रुपए से बढ़ाकर 25 हजार रुपए की गयी पुरस्कार की राशि का व्यापक प्रचार कराये जाने का मण्डलायुक्त ने निर्देश दिया है। हाईवे पर तैनात की जाने वाली एम्बुलेंस की व्यवस्था की रैण्डम जांच करने एवं मानक के अनुरूप एम्बुलेंस में सभी आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित कराये जाने पर जोर दिया है।हाइवे से जुड़ने वाले चौराहों पर सडक दुर्घटना रोकने को प्रत्येक दिशा पर बिलकिंग लाइट, पेंटेड रम्बल स्ट्रीप, ब्रेकर, विशेष लाइट सहित अन्य आवश्यक व्यवस्था

सुनिश्चित कराये जाने को कहा है। मण्डलायुक्त विजय विश्वास पंत ने मंगलवार को गांधी सभागार में मण्डलीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक बुलाई। सड़क दुर्घटनाओं, मार्गवार सड़क दुर्घटनाओं, तीन या तीन से अधिक सड़क दुर्घटनाओं वाली सड़क की जांच, सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति की मदद करने वाले राहवीर योजना, सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्तियों के कैशलेस उपचार सहित अन्य बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गयी। बैठक में सम्भागीय परिवहन अधिकारी द्वारा बताया गया कि सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति की मदद करने वाले व्यक्ति को पूर्व में राहवीर योजना के तहत 5 हजार रुपए की राशि पुरस्कार स्वरूप दी जाती थी, इसे बढ़ाकर 25 हजार रुपए कर दिया गया है। मण्डलायुक्त ने इस योजना का व्यापक रूप से प्रचार-प्रसार कराये जाने का निर्देश दिया है। बैठक में यह भी अवगत कराया गया कि सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्तियों के उपचार हेतु 1.5 लाख रुपए तक की कैशलेस उपचार की व्यवस्था का प्रावधान है। बैठक में समिति के सदस्यों द्वारा लेप्रोसी चौराहे के पास मध्य प्रदेश एवं रीवा की ओर से आने वाले वाहनों को अनावश्यक रोके जाने का विषय उठाये जाने पर मण्डलायुक्त ने पुलिस विभाग एवं अन्य सम्बंधित विभागों को इसपर निगरानी रखने एवं अनावश्यक रूप से वाहनों को न रोके जाने के निर्देश दिए।

## छात्र के अपहरण का आरोपी गैंगरेप में जा चुका है जेल

**प्रयागराज।** ज्वाला देवी सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज के छात्र कर्नलगंज निवासी यश कुमार पटेल के अपहरण का मास्टरमाइंड हिमांशु सिंह उर्फ उत्कर्ष आदतन अपराधी है। दरोगा का यह पुत्र चार वर्ष पूर्व नाबालिग दलित लड़की से गैंगरेप के मामले में जेल जा चुका है। वाराणसी के सिहोरवा राजा तालाब निवासी हिमांशु सिंह का परिवार टैगोर टाउन स्थित चिल्ड्रेन हास्पिटल कॉलोनी में रहता है। उसके पिता पुलिस विभाग में दरोगा हैं और वर्तमान में लखनऊ में तैनात हैं।

## उधारी की रकम लेकर लौट रहे बदमाशों ने कट्टा दिखाकर की लूट

**देश का दर्पण.दैनिक अखबार पत्रकार.राकेश कोठेनिया हलेना नदबई (भरतपुर)** थाना पुलिस ने साढ़े तीन लाख रुपये की लूट के मामले में फरार चल रहे मुख्य आरोपी जयशिव पुत्र दौलत सिंह जाट निवासी जीवत थाना वैर को गिरफ्तार कर लिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, व्यापारी सुरेशचंद वैश्य के मुनीम शिवराम उर्फ शिब्बो ने थाने में रिपोर्ट दी थी कि 29 जून को जब वह उधारी की रकम लेकर लौट रहा था, तभी खांगरी बाइपास के पास दो अज्ञात बदमाशों ने कट्टा दिखाकर उससे ?3,91,500 लूट लिए। मामले

की जांच में सामने आया कि यह पूरी लूट उसी मुनीम की मिलीभगत से की गई थी। जांच में खुलासा हुआ कि व्यापारी की पिकअप का चालक जयनारायण, आर्थिक तंगी में था। उसने अपने परिचित पवन राणा के साथ मिलकर लूट की योजना बनाई और पवन ने बदमाश सौरभ और जयशिव को घटना को अंजाम देने के लिए जोड़ा। लूट के समय खुद मुनीम ही जयशिव और सौरभ को लोकेशन देता रहा। इस मामले में पहले ही तीन आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है और उनसे ?1.80 लाख की रकम भी बरामद की गई थी। मुख्य आरोपी जयशिव घटना के बाद अपने गांव की एक लड़की को लेकर फरार हो गया था। उसके खिलाफ वैर थाने में एक अन्य मुकदमा भी दर्ज है। अब पुलिस उससे लूट की शेष राशि की बरामदगी को लेकर गहन पूछताछ कर रही है।

## धौलपुर के नव नियुक्त पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान आईपीएस ने अपना पदभार संभाला

धौलपुर के नव नियुक्त पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान आईपीएस ने आज अपना पदभार संभाल लिया है। पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचने पर उनका गार्ड ऑफ ऑनर के साथ स्वागत किया गया। कार्यभार ग्रहण समारोह में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मनोज शर्मा और एडीएफ मुख्यालय बाडी के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमल कुमार जांगिड़ मौजूद रहे। इस दौरान वृत्ताधिकारी, शहर के सभी थानाधिकारी और पुलिस अधिकारी भी उपस्थित थे। पदभार ग्रहण करने के बाद एसपी सांगवान ने जिले के अधिकारियों के साथ बैठक की। उन्होंने कहा कि जिले में कानून व्यवस्था को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी। साथ ही राज्य सरकार द्वारा निर्धारित पुलिस प्राथमिकताओं पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

## जयपुर में फर्जी आधार का खेल,19 वर्षीय साइबर ठग गिरफ्तार

**देश का दर्पण न्यूज**
**संवाददाता सुरेन्द्र कुमार सोनी**

**साइबर** ठगों को फर्जी मोबाइल सिम उपलब्ध कराने वाले एक बड़े रैकेट का पदार्फाश हुआ है। मालपुरा गेट थाना क्षेत्र में कूटरचित दस्तावेजों के आधार पर मोबाइल सिम सक्रिय करवाने की सूचना पर पुलिस थाना साइबर क्राइम राजस्थान की टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 19 वर्षीय आरोपी घनश्याम मीणा को गिरफ्तार किया है। यह आरोपी फर्जी आधार कार्ड तैयार कर उन पर अपनी तस्वीर लगाकर अवैध रूप से मोबाइल सिम प्राप्त करता था और फिर उन्हें अन्य साइबर अपराधियों को बेचता था। एसपी साइबर क्राइम शांतनु कुमार सिंह ने बताया कि मंगलवार 22 जुलाई को साइबर थाना पुलिस को सूचना मिली कि मालपुरा गेट स्थित भारती हेक्साकॉम लिमिटेड (एयरटेल) के सांगानेर स्टोर पर एक संदिग्ध व्यक्ति ने डिजिटल केवाईसी प्रक्रिया के तहत एक मोबाइल सिम एक्टिव कराने के लिए आधार कार्ड प्रस्तुत किया। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस को पता चला कि संदिग्ध ने स्टोर पर अनुरोध किया कि इस नंबर को कंपनी के पोस्टपेड फैमिली प्लान के तहत मोबाइल नंबर 7300043398 और 7300043318 के साथ जोड़ा जाए। कंपनी के प्रतिनिधि द्वारा उपरोक्त नंबरों की जानकारी करने पर पता चला कि ये नंबर किसी बबलू मीणा पुत्र श्योकरण मीणा द्वारा आधार कार्ड नंबर 5120 8064 3684 प्रस्तुत कर उसी दिन उनके केसर चौराहा, सांगानेर स्टोर से सक्रिय कराए गए थे। संदेह होने पर कंपनी के प्रतिनिधि ने उस स्टोर से संपर्क कर वीडियो कॉल के माध्यम से संदिग्ध व्यक्ति की पहचान करवाई। इसमें यह बात सामने आई कि सिम कार्ड प्राप्त करने के लिए प्रस्तुत आधार कार्ड पर अंकित फोटो इसी संदिग्ध व्यक्ति की थी, जबकि उसका नाम, पता और आधार नंबर पहले से दिए गए आधार कार्ड से भिन्न था। प्रथम दृष्टया यह प्रतीत हुआ कि संदिग्ध व्यक्ति ने दुर्भावनापूर्ण ढंग से अपने निजी स्वार्थ हेतु जाली पहचान और पते के प्रमाण के दस्तावेजों के आधार पर सिम कार्ड प्राप्त किए हैं। इस संबंध में पुलिस थाना साइबर क्राइम, राजस्थान जयपुर में बीएनएस आईटी एक्ट व टेलीकम्युनिकेशन एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया। एसपी शांतनु कुमार के सुपरविजन में आरोपी से गहनता से पूछताछ की गई। अनुसंधान के दौरान घनश्याम मीणा निवासी श्रीगोविंदपुरा थाना निवाई जिला टोंक के कब्जे से कुल 7 मोबाइल सिम कार्ड, 2 खाली मोबाइल सिम कवर, 2 आधार कार्ड और एक वीवो कंपनी का मोबाइल फोन बरामद कर जब्त किए गए। बरामद किए गए आधार कार्डों पर आरोपी घनश्याम मीणा की स्वयं की फोटो लगी थी, लेकिन नाम और पते अलग-अलग दर्ज थे। गहन जांच में सामने आया कि आरोपी अपने मोबाइल फोन में अन्य व्यक्तियों के आधार कार्ड ऑनलाइन डाउनलोड करता था। फिर वह प्ले स्टोर से एप्लिकेशन डाउनलोड कर उन आधार कार्डों में कांट-छांट करता था, अपनी फोटो लगाकर फर्जी तरीके से गलत नाम-पतों का नया आधार कार्ड तैयार करता था। इसके बाद वह ई-मित्र से रंगीन प्रिंटआउट निकलवाकर वोडाफोन और एयरटेल स्टोर पर जाकर सिम कार्ड निकलवाता था। पूछताछ में यह भी सामने आया है कि वह इन फर्जी आधार कार्डों से प्राप्त सिम कार्डों को पैसे लेकर अन्य व्यक्तियों को बेचता था। आरोपी घनश्याम मीणा को उपरोक्त धाराओं में गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस को उसके अन्य सहयोगियों और उन स्टोरों के संबंध में जानकारी प्राप्त करने के लिए पुलिस रिमांड मिली है जहां से उसने सिम कार्ड खरीदे थे। मामले में आगे की जांच जारी है।

## वन राज्यमंत्री ने विद्युत दुर्घटना में घायलों से मिलकर उनकी कुशलक्षेम पूछी, बिचगांवा पहुंचकर परिजनों एवं ग्रामीणों को बंधाया ढाढस, जेईएन एवं लाइनमैन को किया गया निलम्बित

**जयपुर, 23 जुलाई।** वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री संजय शर्मा ने लक्ष्मणगढ़ क्षेत्र के गांव बीचगांवा पहुंचकर बुधवार प्रातः कावड़ यात्रा के दौरान हुई विद्युत दुर्घटना में मृतक व घायलों के परिजनों से मुलाकात की। उन्होंने मृतकों के परिजन को सांत्वना देकर ढांढस बंधाया तथा चिकित्सालय में भर्ती घायलों से मिलकर उनकी कुशलक्षेप पूछी तथा चिकित्सा प्रभारी अधिकारी को घायलों का मुस्तैदी से बेहतर उपचार करने के निर्देश दिए। इस दौरान जिला कलक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला एवं पुलिस अधीक्षक श्री सुधीर चौधरी मौके पर मौजूद रहे। श्री शर्मा ने परिजनों एवं ग्रामीणों से बातचीत कर कहा कि राज्य सरकार इस दुःखद घटना पर मृतकों एवं घायलों के परिजनों के साथ खडी है। उन्होंने जिला सामान्य चिकित्सालय एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गढी सवाईराम में भर्ती घायलों से मुलाकात कर उनकी कुशलक्षेम पूछकर चिकित्सा प्रभारी अधिकारियों को बेहतर उपचार करने के निर्देश दिये। वन राज्यमंत्री श्री शर्मा ने बताया कि मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने इस दुःखद दुर्घटना का पता लगते ही मुझे तुरन्त मौके पर जाने के लिए निर्देशित किया। उस समय मैं सचिवालय में स्टेट वेटलेण्ड अथॉरिटी की बैठक ले रहा था। मुख्यमंत्री जी के निर्देश पर मैं तुरन्त वहां से रवाना हुआ। साथ ही, मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने दुर्घटना पर शोक संवेदना व्यक्त कर ईश्वर से दिवंगत आत्माओं को अपने श्री चरणों में स्थान देने तथा घायलों को शीघ्रातिशीघ्र स्वास्थ्य लाभ प्रदान करने की कामना की है।

## जोधपुर डिस्कॉम की एमएंडपी शाखा की प्रगति की समीक्षा बैठक में प्रबंध निदेशक ने दिए महत्त्वपूर्ण निर्देश

**जयपुर 23 जुलाई।** जोधपुर डिस्कॉम के प्रबंध निदेशक डॉ. भंवरलाल ने डिस्कॉम की मीटर एंड प्रोटेक्शन (एमएंडपी) शाखा के कार्यों की प्रगति की बुधवार को न्यू पावर हाउस में आयोजित बैठक में समीक्षा की।

# राजस्थान सरकार द्वारा आपदा प्रबंधन एवं राहत कार्यों की व्यापक तैयारियां

**देश का दर्पण न्यूज**
**संवाददाता सुरेन्द्र कुमार सोनी**

**राजस्थान** राज्य में मानसून सत्र 2025 के दौरान 1 जुलाई से 23 जुलाई तक राज्य में औसतन 99.57 प्रतिशत अधिक वर्षा दर्ज की गई है, जो सामान्य से कहीं अधिक है। इस अवधि में राज्य में कुल 327.05 मिमी वर्षा दर्ज की गई है, जबकि सामान्य वर्षा 163.88 मिमी मानी जाती है।

राज्य के 31 जिलों में सामान्य से 60 प्रतिशत अधिक वर्षा हुई है, जिनमें अजमेर, अलवर, बालोतरा, बारां, ब्यावर, भीलवाड़ा, बूंदी, चित्तौड़गढ़, दौसा, धौलपुर, डीडवाना-कुचामन, जयपुर, जालौर, झुंझुनूं, जोधपुर, करौली, कोटा, नागौर, पाली, राजसमंद, सवाई माधोपुर, सीकर, टोंक, श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, चूरू, बाड़मेर, फलोदी, सिरोही, जैसलमेर, खैरथल-तिजारा जिले शामिल हैं।मुख्यमंत्री महोदय की अध्यक्षता में 20 जुलाई को आयोजित बैठक में राज्य के सभी संबंधित विभागों को आगामी अधिक वर्षा एवं संभावित बाढ़ की स्थिति को देखते हुए अग्रिम तैयारियां सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। राज्य में जयपुर में राज्य आपातकालीन परिचालन नियंत्रण कक्ष (एसईओसी) संचालित है, जिसके टोल फ्री नंबर 1070 व 112 हैं। सभी जिलों में बाढ़ नियंत्रण कक्ष (24x7) क्रियाशील किए गए हैं, जिनके टोल फ्री नं. 1077 पर कॉल किया जा सकता है। प्रत्येक प्रभावित जिले को बाढ़ बचाव एवं राहत गतिविधियों हेतु संभाग स्तरीय जिला मुख्यालयों को 20-20 लाख रुपये तथा अन्य जिलों को 10-10 लाख रुपये की अग्रिम राशि स्वीकृत की गई है। एनडीआरएफ एवं एसडीआरएफ की टीमें प्रभावित जिलों में तैनात कर दी गई हैं। एनडीआरएफ (राष्ट्रीय आपदा मोचन बल) की 4 टीमें किशनगढ़ (अजमेर), कोटा, भरतपुर एवं उदयपुर में तैनात की गई हैं, जो उस संभाग विशेष की एसडीआरएफ की टीमों के साथ संयोजन करके बाढ़ बचाव एवं आपदा प्रबंधन में सहयोग कर रही हैं। राज्य में एसडीआरएफ की कुल 8 कंपनियां जयपुर (2), कोटा (1), भीलवाड़ा (1), अजमेर (1), टोंक (1), चित्तौड़गढ़ (1), बीकानेर (1) शामिल हैं, जिनको बाढ़ बचाव के कार्यों हेतु 57 टीमों में विभक्त कर राज्य के विभिन्न जिला मुख्यालयों पर तैनात किया गया है। इसके साथ ही राज्य के समस्त जिला मुख्यालयों पर बाढ़ बचाव हेतु नागरिक सुरक्षा स्वयं सेवकों की त्वरित आपदा टीमें 24x7 कार्यरत हैं। अभी तक एसडीआरएफ, एनडीआरएफ एवं सिविल डिफेंस की टीमों द्वारा राज्य के विभिन्न जिलों में पानी में फंसे 302 व्यक्तियों का सफल रेस्क्यु किया गया है। मानसून सत्र के दौरान राहत एवं बचाव कार्यों हेतु भारतीय सेना एवं वायु सेना से समन्वय स्थापित किया जा चुका है ताकि आपदा की स्थिति में आपदा जनित हानि को न्यून किया जा सके। ज ि ल ा कलक्टरों को जलभराव एवं संभावित खतरे वाले क्षेत्रों में त्वरित राहत कार्य हेतु तैयार रहने के निर्देश दिए गए हैं। प्रभावित परिवारों के लिए अस्थायी राहत शिविरों की स्थापना की गई है, जहां भोजन, पेयजल, दवाइयां और आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराई जा रही है। चिकित्सा दलों को प्रभावित क्षेत्रों में भेजा गया है।

जलजनित रोगों की रोकथाम हेतु दवाइयों और क्लोरीन की गोलियों का वितरण किया जा रहा है। पानी निकासी एवं साफ-सफाई हेतु नगर निकायों को निर्देश दिए गए हैं कि जल निकासी की व्यवस्था सुनिश्चित करें एवं सफाई पर विशेष ध्यान दें। प्राकृतिक आपदा से मृत्यु होने पर प्रति व्यक्ति 4.00 लाख रुपये, मकान पूर्ण रूप से क्षतिग्रस्त होने पर 1.20 लाख रुपये, बडे दुधारू पशु क्षति होने पर 37,500 रुपये प्रति पशु (अधिकतम 03) व छोटे दुधारू पशु क्षति होने पर 4,000 रुपये प्रति पशु (अधिकतम 30) तथा बोये गये असिंचित क्षेत्र में खराबा (33 प्रतिशत या उससे अधिक) होने पर प्रति हैक्टेयर 8,500 रुपये व बोये गये सिंचित क्षेत्र में खराबा (33 प्रतिशत या उससे अधिक) होने पर प्रति हैक्टेयर 17,000 रुपये एवं बहुवर्षीय फसलों में खराबा (33 प्रतिशत या उससे अधिक) होने पर प्रति हैक्टेयर 22,500 रुपये की तत्काल सहायता देने का प्रावधान एसडीआरएफ (राज्य आपदा मोचन कोष) के अन्तर्गत है। एसडीआरएफ नोर्म्स के अन्तर्गत अधिसूचित प्राकृतिक आपदाओं से सार्वजनिक परिसम्पत्तियों यथा स्टेट हाईवे व मुख्य जिला सडकों के क्षतिग्रस्त होने पर उनके तात्कालिक मरम्मत हेतु एक लाख रुपये प्रति किलोमीटर, ग्रामीण सडकों के क्षतिग्रस्त होने पर 60,000 रुपये प्रति किलोमीटर एवं विद्यालय भवनों, प्राथमिक व सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों के क्षतिग्रस्त होने पर अधिकतम 2.00 लाख रुपये प्रति भवन व महिला मंडल, युवा केन्द्रों, पंचायत घरों, आंगनबाडी केन्द्रों एवं सामुदायिक भवनों के क्षतिग्रस्त होने पर अधिकतम 2.50 लाख रुपये प्रति भवन, लघु सिंचाई योजना के क्षतिग्रस्त होने पर प्रति योजना 2.00 लाख रुपये अधिकतम दिये जाने का प्रावधान है। समस्त जिला कलक्टर द्वारा मानसून के दौरान बाढ़ बचाव हेतु जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की बैठकों का भी आयोजन कर मानसून के दौरान जनहानि, घायलों, पशुहानि, मकान क्षति आदि से प्रभावितों को एसडीआरएफ नॉर्म्स के अनुसार तत्काल सहायता प्रदान किए जाने हेतु निर्देशित किया गया।

# मुख्य पार्षद ने प्रधानमंत्री आवास की जांच करवाई करने दिया आश्वासन

**देश का दर्पण न्यूज (बिहार वैशाली) पातेपुर संवाददाता रंजीत कुमार**

पातेपुर प्रखंड क्षेत्र के नगर पंचायत में पी .एम .आवास लाभुकों से जबरन घुस माँगने का मामला प्रकाश में आने के बाद मुख्य पार्षद ने की जांच शुरू । वार्ड पार्षद द्वारा लाभुक से जबरन पैसा वसूली को लेकर कार्यपालक पदाधिकारी को दिया गया था आवेदन । मुख्य पार्षद ने मिले पैसा का काम भी औचक निरीक्षण किया।इससे पूर्व भी वार्ड नंबर 05 एवं वार्ड नंबर 02 में

मामला सामने आया था। स्थानीय लोगों का कहना है कि जिनका छत का मकान बना है। जो नगर पंचायत से पूर्व भी आवास योजना के लाभुक हुए हैं। वार्ड पार्षद द्वारा आवास योजना से जोड़ा गया है।

मिली जानकारी अनुसार पातेपुर नगर पंचायत में पी एम आवास लाभुकों से जबरन घुस माँगने का मामला प्रकाश में आने के बाद मुख्य पार्षद सनोज पासवान ने जांच शुरू कर दिया है। बता दें कि दो दिन पूर्व लाभुक रंजू देवी, पति- नंदकिशोर सिंह एवं सीमा कुमारी, पति- राजेश कुमार, ग्राम -खेसराही वार्ड सं02निवासी ने कार्यपालक पदाधिकारी को आवेदन दिया था।दिए आवेदन में बताया कि अभी नगर पंचायत से विगत 2 माह पूर्व पी एम आवास का मकान बनाने के लिए पैसा मिला है। जिसको लेकर वार्ड 02 के वार्ड पार्षद, शंकर प्रसाद सिंह द्वारा लगातार दस-दस हजार रुपए घूस देने के लिए लगातार दबाब बनाया जा रहा है। घुस नहीं देने पर अगला किस्त नहीं देने की धमकी दी जा रही है। जिसको लेकर 20-.जुलाई 2025 को हमारे दरवाजे पर आ कर के धूस देने के लिए काफी धमकी गाली-गलौज की गई थी।

## राज्यपाल श्री हरिभाऊ बागडे की प्रेरणादायी उपस्थिति में संविधान पार्क में हुआ ऐतिहासिक आयोजन–

**जयपुर, 23 जुलाई।** राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्री हरिभाऊ बागडे की गरिमामयी उपस्थिति में बुधवार को डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन राजस्थान आयुर्वेद विश्वविद्यालय, जोधपुर के करवड़ परिसर स्थित संविधान पार्क में एक प्रेरणास्पद और ऐतिहासिक कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इस अवसर पर स्वामी विवेकानंद एवं डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की भव्य प्रतिमाओं का अनावरण किया गया, साथ ही पर्यावरण संरक्षण की दिशा में अभिनव पहल करते हुए शहीद अमृता देवी बिश्नोई की स्मृति में 363 खेजड़ी पौधों का सामूहिक

वृक्षारोपण किया गया।

राज्यपाल श्री बागडे ने अपने संबोधन में कहा कि यह आयोजन केवल एक विधिवत कार्यक्रम नहीं, बल्कि राष्ट्रीय चेतना, प्रकृति के प्रति प्रेम और सांस्कृतिक मूल्यों का जीवंत प्रतीक है। उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद एवं डॉ. राधाकृष्णन की प्रतिमाएं शिक्षा, सेवा और जीवन मूल्यों की प्रेरणा देती हैं। उन्होंने कहा ह्लसंविधान पार्क अब केवल एक स्थल नहीं, बल्कि यह युवाओं के लिए आदर्श और विचारों का केंद्र बन गया है,ह्व । छात्र-छात्राओं को पर्यावरणीय जिम्मेदारी निभाने का आह्वान–

राज्यपाल ने विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं से संवाद करते हुए प्रत्येक विद्यार्थी को अपने लगाए गए खेजड़ी पौधे के साथ एक स्मृति-चित्र लेने और उस पौधे की देखभाल के जरिए पर्यावरणीय उत्तरदायित्व से जुड़ने का आह्वान किया। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने विशिष्ट अतिथि के रूप में कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय संस्कृति, आयुर्वेद और पर्यावरण की रक्षा में ऐसे आयोजन महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

## मुख्य सचिव ने बीकानेर हाउस में किया तीजोत्सव–2025 का विधिवत शुभारंभ

**जयपुर, 23 जुलाई। नई दिल्ली के बीकानेर हाउस में बुधवार को राजस्थानी तीज उत्सव** 2025 का शुभारंभ राजस्थान के मुख्य सचिव और मुख्य आवासीय आयुक्त श्री सुधांश पंत ने विधिवत रूप से किया। 30 जुलाई तक चलने वाले इस साप्ताहिक तीजोत्सव में राजीविका और रूडा द्वारा हस्तनिर्मित उत्पादों के स्टॉल और फूड फेस्टिवल का आयोजन भी किया जाएगा। मेले के शुभारंभ

में श्री पंत ने बताया कि इस मेले से दिल्ली में रह रहे अप्रवासी राजस्थानियों सहित दिल्लीवासियों को भी राजस्थान की रंगारंग शैली, सांस्कृतिक विरासत, हस्तकला से निर्मित उत्पाद, पारंपरिक संगीत, नृत्य, स्वादिष्ट व्यंजन और संस्कृति से रूबरू होने का मौका मिलेगा। उन्होंने कहा कि राजस्थानी हस्तशिल्प उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए आनलाईन खरीदारी हेतु सरकार द्वारा विशेष राजसखी ऐप/पोर्टल बनाया गया है जहां पर स्थानीय कारीगर अपने सामान को देश दुनिया में बिक्री के लिए प्रदर्शित कर सकते हैं। श्री पंत ने कहा कि राजीविका, रूडा स्वयं सहायता समूहों के साथ मिलकर राजस्थानी हैंडीक्राफ्ट को जन-जन तक पहुंचाने के लिए बेहतर कार्य कर रही हैं।

आवासीय आयुक्त श्री जोगाराम ने बताया कि ह्यतीज उत्सव हमारी समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर और परंपराओं का उत्सव है। यह राजस्थान की रंगारंग कला और शिल्प को एक अनूठा मंच प्रदान करता है, जहां कलाकार अपने असाधारण कौशल का प्रदर्शन करते हैं।

## मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा की किसानों को सौगात–

**जयपुर, 23 जुलाई।** मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने राजस्थान में 400 केवी और उससे अधिक क्षमता की नवीन ट्रान्समिशन लाइनों के निर्माण पर पथाधिकार (आरओडब्ल्यू) से प्रभावित भूमि हेतु किसानों को दिए जाने वाले मुआवजे की संशोधित नीति को स्वीकृति प्रदान की है। मुख्यमंत्री के किसानों के प्रति संवेदनशील निर्णय से अब 400 केवी एवं उससे अधिक ट्रान्समिशन लाइन के निर्माण में अतिरिक्त मुआवजा दिया जायेगा। उन्होंने किसानों की बरसों पुरानी मांग को स्वीकार किया है जिससे भविष्य में किसानों को ट्रान्समिशन लाइनों के पथाधिकार एवं टावर क्षेत्र में उपयोग में आने वाली भूमि का समुचित मुआवजा मिल सकेगा। राजस्थान में 8 नवम्बर, 2024 को लागू 132 केवी या उससे ज्यादा क्षमता की नई ट्रान्समिशन लाइन के निर्माण पर पथाधिकार (आरओडब्ल्यू) से प्रभावित भूमि के बदले मुआवजा नीति में 400 केवी एवं उससे अधिक वोल्टेज की ट्रान्समिशन लाइनों के लिए आंशिक संशोधन किया गया है। ऊर्जा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री हीरालाल नागर ने बताया कि संशोधित नीति से किसानों को बड़े पैमाने पर लाभ प्राप्त होगा जिससे किसानों के खेत में 400 केवी एवं उससे अधिक ट्रान्समिशन लाइनों के निर्माण पर होने वाले नुकसान की समुचित भरपाई हो सकेगी। इससे प्रदेश में अधिक क्षमता की ट्रान्समिशन लाइनों के निर्माण कार्य तीव्र गति से संपादित हो सकेंगे

## कार्यग्रहण नहीं करने वाले 3 बीएलओ निलंबित

**जयपुर, 23 जुलाई।** निर्वाचन संबंधी कार्य में लापरवाही बरतने एवं बीएलओ ड्यूटी ज्वाइन नहीं करने वाले कार्मिकों के खिलाफ सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में जयपुर के झोटवाड़ा निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण पदाधिकारी डॉ. एल. एन. बुनकर ने निर्वाचन कार्य में लापरवाही बरतने वाले 3 बीएलओ को लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1950 की धारा 32 व धारा 13 13 (सी) (सी) की प्रदत्त शक्तियों के तहत एवं राजस्थान सिविल सेवाएं (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियम 1958 के नियम 13 के अंतर्गत तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। डॉ. एल. एन. बुनकर ने बताया कि अध्यापक श्री अभिलेश योगी, शारीरिक शिक्षक श्री सुरेन्द्र चौधरी, श्रीमती संतोष बुढ़ानिया को बूथ लेवल अधिकारी नियुक्त किया जाकर कार्यग्रहण हेतु आदेशित किया गया था। उक्त कार्मिकों द्वारा उपस्थित नहीं होने पर कारण बताओ नोटिस जारी कर पुनः कार्यग्रहण हेतु आदेशित किया गया था, चुनाव लिपिक, संबंधित सुपरवाइजर एवं ईआरओ द्वारा कई बार दूरभाष पर निर्देशित किये जाने के बावजूद उक्त कार्मिकों द्वारा चुनाव जैसे राष्ट्रीय महत्व के कार्य में, घोर लापरवाही एवं उदासीनता बरती गई है। जिससे निर्वाचन का कार्य बाधित हुआ है। डॉ. एल. एन. बुनकर ने बताया कि निर्वाचन आयोग के निदेशों की अवहेलना एवं राष्ट्रीय महत्ता के कार्य के प्रति घोर लापरवाही, उदासीनता एंव अनुशासनहीनता के चलते अध्यापक श्री अभिलेश योगी, शारीरिक शिक्षक श्री सुरेन्द्र चौधरी, श्रीमती संतोष बुढ़ानिया को तत्काल प्रभाव से निलम्बित किया गया है।

## पशुओं में संतुलित आहार के महत्व विषय पर ट्रांसफर ऑफ टेक्नोलॉजी आयोजित

**झुंझुनू।** राजस्थान पशु चिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय बीकानेर, द्वारा संचालित पशु विज्ञान केन्द्र, झुंझुनू द्वारा पशुओं में संतुलित आहार के महत्व विषय पर ट्रांसफर ऑफ टेक्नोलॉजी का आयोजन गांव बसावता में प्रभारी अधिकारी डॉ प्रमोद कुमार के निर्देशन में किया गया।

केन्द्र के डॉ उमेश कुमार द्वारा पशुपालकों को पशुओं में संतुलित आहार के महत्व के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पशुओं के लिए संतुलित आहार जैसे कि दाना, खल, चुरी, चोकर, खनिज मिश्रण और नमक की मात्रा को विभिन्न अनुपात में मिलाकर तैयार किया जाता है, जिसको पशु के दूध की मात्रा एवं वसा के आधार पर खिलाया जाता है। संतुलित आहार की उचित मात्रा देने से पशुओं में दूध उत्पादन बढ़ता है, ऊर्जा का स्तर अच्छा बना रहता है, पशु समय से गाभिन होता है एवं उपापचयी संबंधी बीमारियां जैसे कि मिल्क फीवर, कीटॉसिस आदि से बचाव होता है।

संतुलित पशु आहार आसानी से पचने वाला, उच्च गुणवत्ता का, मिनरल युक्त होना चाहिए तथा साथ ही डेमोंसट्रेशन करके बताया। इसके साथ-साथ पशुपालकों द्वारा पशुओं से जुड़ी समस्याओं का समाधान किया गया।

फोटो-1

## जोधपुर में उप मुख्यमंत्री डॉ. बैरवा एवं संसदीय कार्य मंत्री ने किया वृक्षारोपण

**जयपुर, 23 जुलाई।** मुख्यमंत्री वृक्षारोपण महाभियान - 'हरियाळो-राजस्थान' के तहत खान एवं भू- विज्ञान विभाग द्वारा जोधपुर जिले के राजकीय महाविद्यालय एवं स्वामी विवेकानन्द राजकीय मॉडल विद्यालय लूणी में वृक्षारोपण कार्यक्रम बुधवार को उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा एवं संसदीय कार्य, विधि एवं विधिक कार्य मंत्री श्री जोगाराम पटेल के मुख्य आतिथ्य में आयोजित हुआ।

उप मुख्यमंत्री ने कहा ने यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा शुरू किया गया ह्यएक पेड़ मां के नामह्व अभियान अब जनअभियान बन गया है। यह अभियान उनका प्रकृति की सेवा करने एवं मां के प्रति सम्मान का भाव दशार्ता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री की प्रेरणा से प्रदेश में माननीय मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने ह्यमुख्यमंत्री वृक्षारोपण महाअभियान' प्रारम्भ किया। डॉ. बैरवा ने कहा गत वर्ष इस अभियान के तहत 7 करोड़ से अधिक पौधे लगाए गए थे। उन्होंने कहा राजस्थान को हरित प्रदेश बनाने के लिए इस वर्ष 11 करोड़ पौधे लगाए जा रहे है। उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति एक पेड़ मां के नाम जरूर लगाये एवं उसकी देखभाल भी करें।

## राज्यपाल श्री हरिभाऊ बागडे ने खेजड़ली शहीद स्मारक का किया अवलोकन–

**जयपुर, 23 जुलाई।** राज्यपाल श्री हरिभाऊ बागडे ने बुधवार को जोधपुर जिले की लूणी तहसील स्थित ऐतिहासिक ग्राम खेजड़ली पहुंचकर शहीद अमृता देवी स्मारक पर 363 पर्यावरण शहीदों के स्मारक का अवलोकन किया। उन्होंने इस पावन स्थल को ह्लपर्यावरणीय चेतना का तीर्थह्व बताते हुए कहा कि यह स्थल भावी पीढ़ियों को प्राकृतिक संतुलन और संरक्षण का अमर संदेश देता है। राज्यपाल ने श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि खेजड़ली का यह बलिदान हमें बताता है कि प्रकृति की रक्षा केवल सामाजिक जिम्मेदारी नहीं, बल्कि सांस्कृतिक कर्तव्य भी है। यह इतिहास नहीं, बल्कि एक प्रेरक ऊर्जा है, जो जलवायु संकट के दौर में मार्गदर्शक बनती है। राज्यपाल श्री बागडे ने गुरु जम्भेश्वर मंदिर में पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि और पर्यावरणीय संतुलन की कामना की। उन्होंने मंदिर परिसर में खेजड़ी के पौधे का रोपण कर नागरिकों को वृक्षारोपण के प्रति जागरूक होने का आह्वान किया। राज्यपाल ने अपने संबोधन में कहा, खेजड़ली की गाथा केवल राजस्थान का ही नहीं, सम्पूर्ण मानवता का गौरव है। यह हमें सिखाती है कि पर्यावरण संरक्षण केवल सरकारी कार्यक्रम नहीं, बल्कि हर नागरिक की जीवनशैली का हिस्सा होना चाहिए। इस अवसर पर राज्यपाल के साथ राजस्थान सरकार के उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा भी उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि ह्लखेजड़ली का बलिदान विश्व का पहला और सबसे बड़ा अहिंसक पर्यावरण जनांदोलन है। इस धरती ने मानव सभ्यता को सिखाया कि प्रकृति के बिना प्रगति अधूरी है।

## वन राज्यमंत्री श्री संजय शर्मा ने अमर शहीद चन्द्रशेखर आजाद को किया नमन

**जयपुर, 23 जुलाई।** वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री संजय शर्मा ने बुधवार को अमर शहीद चन्द्रशेखर आजाद की जयन्ती पर अलवर शहर स्थित नेहरू गार्डन में शहीद चन्द्रशेखर आजाद की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया। श्री शर्मा ने कहा कि अडिग संकल्प, निर्भीक संघर्ष और बलिदान के प्रतीक अमर शहीद चन्द्रशेखर आजाद को हमें अपने दिलों में खोजना चाहिए। शहीद आजाद का सपना था कि देश स्वतंत्र होने के साथ देश की सामाजिक बुराइयां दूर हो, देश में भाईचारा व अमनचेन रहे, इसके लिए हमें उनके बताए मार्ग का अनुसरण करना चाहिए। इस अवसर पर श्री गोपी शर्मा, श्री के.के गुप्ता, श्री अशोक आहूजा, श्री महेश मुदगल, पं. जलेसिंह, श्री जितेन्द्र राठौड सहित प्रबुद्ध व्यक्ति एवं बडी संख्या में आमजन मौजूद रहे।


## मुख्य सचिव ने बीकानेर हाउस में किया तीजोत्सव–2025 का विधिवत शुभारंभ

**जयपुर, 23 जुलाई।** नई दिल्ली के बीकानेर हाउस में बुधवार को राजस्थानी तीज उत्सव 2025 का शुभारंभ राजस्थान के मुख्य सचिव और मुख्य आवासीय आयुक्त श्री सुधांश पंत ने विधिवत रूप से किया। 30 जुलाई तक चलने वाले इस साप्ताहिक तीजोत्सव में राजीविका और रूडा द्वारा हस्तनिर्मित उत्पादों के स्टॉल और फूड फेस्टिवल का आयोजन भी किया जाएगा। मेले के शुभारंभ में श्री पंत ने बताया कि इस मेले से दिल्ली में रह रहे अप्रवासी राजस्थानियों सहित दिल्लीवासियों को भी राजस्थान की रंगारंग शैली, सांस्कृतिक विरासत, हस्तकला से निर्मित उत्पाद, पारंपरिक संगीत, नृत्य, स्वादिष्ट व्यंजन और संस्कृति से रूबरू होने का मौका मिलेगा। उन्होंने कहा कि राजस्थानी हस्तशिल्प उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए आनलाईन खरीदारी हेतु सरकार द्वारा विशेष राजसखी ऐप/पोर्टल बनाया गया है जहां पर स्थानीय कारीगर अपने सामान को देश दुनिया में बिक्री के लिए प्रदर्शित कर सकते हैं। श्री पंत ने कहा कि राजीविका, रूडा स्वयं सहायता समूहों के साथ मिलकर राजस्थानी हैंडीक्राफ्ट को जन-जन तक पहुंचाने के लिए बेहतर कार्य कर रही हैं।
आवासीय आयुक्त श्री जोगाराम ने बताया कि ह्यतीज उत्सव हमारी समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर और परंपराओं का उत्सव है। यह राजस्थान की रंगारंग कला और शिल्प को एक अनूठा मंच प्रदान करता है, जहां कलाकार अपने असाधारण कौशल का प्रदर्शन करते हैं।

## मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा की किसानों को सौगात–

## राज्य में 400 केवी और उससे अधिक क्षमता की नवीन ट्रान्समिशन लाइनों के निर्माण में पथाधिकार हेतु किसानों को दिए जाने वाले भूमि मुआवजे की संशोधित नीति को मंजूरी

जयपुर

मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने राजस्थान में 400 केवी और उससे अधिक क्षमता की नवीन ट्रान्समिशन लाइनों के निर्माण पर पथाधिकार (आरओडब्ल्यू) से प्रभावित भूमि हेतु किसानों को दिए जाने वाले मुआवजे की संशोधित नीति को स्वीकृति प्रदान की है।

मुख्यमंत्री के किसानों के प्रति संवेदनशील निर्णय से अब 400 केवी एवं उससे अधिक ट्रान्समिशन लाइन के निर्माण में अतिरिक्त मुआवजा दिया जायेगा। उन्होंने किसानों की बरसों पुरानी मांग को स्वीकार किया है जिससे भविष्य में किसानों को ट्रान्समिशन लाइनों के पथाधिकार एवं टावर क्षेत्र में उपयोग में आने वाली भूमि का समुचित मुआवजा मिल सकेगा।

राजस्थान में 8 नवम्बर, 2024 को लागू 132 केवी या उससे ज्यादा क्षमता की नई ट्रान्समिशन लाइन के निर्माण पर पथाधिकार (आरओडब्ल्यू) से प्रभावित भूमि के बदले मुआवजा नीति में 400 केवी एवं उससे अधिक वोल्टेज की ट्रान्समिशन लाइनों के लिए आंशिक संशोधन किया गया है।

## मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की किसानों को सौगात–

## राज्य में 400 केवी और उससे अधिक क्षमता की नवीन ट्रान्समिशन लाइनों के निर्माण में पथाधिकार हेतु किसानों को दिए जाने वाले भूमि मुआवजे की संशोधित नीति को मंजूरी

**जयपुर, 23 जुलाई।** मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने राजस्थान में 400 केवी और उससे अधिक क्षमता की नवीन ट्रान्समिशन लाइनों के निर्माण पर पथाधिकार (आरओडब्ल्यू) से प्रभावित भूमि हेतु किसानों को दिए जाने वाले मुआवजे की संशोधित नीति को स्वीकृति प्रदान की है।

मुख्यमंत्री के किसानों के प्रति संवेदनशील निर्णय से अब 400 केवी एवं उससे अधिक ट्रान्समिशन लाइन के निर्माण में अतिरिक्त मुआवजा दिया जायेगा। उन्होंने किसानों की बरसों पुरानी मांग को स्वीकार किया है जिससे भविष्य में किसानों को ट्रान्समिशन लाइनों के पथाधिकार एवं टावर क्षेत्र में उपयोग में आने वाली भूमि का समुचित मुआवजा मिल सकेगा।

राजस्थान में 8 नवम्बर, 2024 को लागू 132 केवी या उससे ज्यादा क्षमता की नई ट्रान्समिशन लाइन के निर्माण पर पथाधिकार (आरओडब्ल्यू) से प्रभावित भूमि के बदले मुआवजा नीति में 400 केवी एवं उससे अधिक वोल्टेज की ट्रान्समिशन लाइनों के लिए आंशिक संशोधन किया गया है।

ऊर्जा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री हीरालाल नागर ने बताया कि संशोधित नीति से किसानों को बड़े पैमाने पर लाभ प्राप्त होगा जिससे किसानों के खेत में 400 केवी एवं उससे अधिक ट्रान्समिशन लाइनों के निर्माण पर होने वाले नुकसान की समुचित भरपाई हो सकेगी। इससे प्रदेश में अधिक क्षमता की ट्रान्समिशन लाइनों के निर्माण कार्य तीव्र गति से संपादित हो सकेंगे, जिसका लाभ प्रदेश के आम उपभोक्ताओं को भी अच्छी गुणवत्ता की बिजली के रूप मे मिल सकेगा।

## कार्यग्रहण नहीं करने वाले 3 बीएलओ निलंबित

**जयपुर, 23 जुलाई।** निर्वाचन संबंधी कार्य में लापरवाही बरतने एवं बीएलओ ड्यूटी ज्वाइन नहीं करने वाले कार्मिकों के खिलाफ सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में जयपुर के झोटवाड़ा निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण पदाधिकारी डॉ. एल. एन. बुनकर ने निर्वाचन कार्य में लापरवाही बरतने वाले 3 बीएलओ को लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1950 की धारा 32 व धारा 13 13 (सी) (सी) की प्रदत्त शक्तियों के तहत एवं राजस्थान सिविल सेवाएं (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियम 1958 के नियम 13 के अंतर्गत तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। डॉ. एल. एन. बुनकर ने बताया कि अध्यापक श्री अभिलेश योगी, शारीरिक शिक्षक श्री सुरेन्द्र चौधरी, श्रीमती संतोष बुढ़ानिया को बूथ लेवल अधिकारी नियुक्त किया जाकर कार्यग्रहण हेतु आदेशित किया गया था। उक्त कार्मिकों द्वारा उपस्थित नहीं होने पर कारण बताओ नोटिस जारी कर पुनः कार्यग्रहण हेतु आदेशित किया गया था, चुनाव लिपिक, संबंधित सुपरवाइजर एवं ईआरओ द्वारा कई बार दूरभाष पर निर्देशित किये जाने के बावजूद उक्त कार्मिकों द्वारा चुनाव जैसे राष्ट्रीय महत्व के कार्य में, घोर लापरवाही एवं उदासीनता बरती गई है। जिससे निर्वाचन का कार्य बाधित हुआ है। डॉ. एल. एन. बुनकर ने बताया कि निर्वाचन आयोग के निदेशों की अवहेलना एवं राष्ट्रीय महत्ता के कार्य के प्रति घोर लापरवाही, उदासीनता एंव अनुशासनहीनता के चलते अध्यापक श्री अभिलेश योगी, शारीरिक शिक्षक श्री सुरेन्द्र चौधरी, श्रीमती संतोष बुढ़ानिया को तत्काल प्रभाव से निलम्बित किया गया है।

## पशुओं में संतुलित आहार के महत्व विषय पर ट्रांसफर ऑफ टेक्नोलॉजी आयोजित

**झुंझुनू।** राजस्थान पशु चिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय बीकानेर,

द्वारा संचालित पशु विज्ञान केन्द्र, झुंझुनू द्वारा पशुओं में संतुलित आहार के महत्व विषय पर ट्रांसफर ऑफ टेक्नोलॉजी का आयोजन गांव बसावता में प्रभारी अधिकारी डॉ प्रमोद कुमार के निर्देशन में किया गया। केन्द्र के डॉ उमेश कुमार द्वारा पशुपालकों को पशुओं में संतुलित आहार के महत्व के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पशुओं के लिए संतुलित आहार जैसे कि दाना, खल, चुरी, चोकर, खनिज मिश्रण और नमक की मात्रा को विभिन्न अनुपात में मिलाकर तैयार किया जाता है, जिसको पशु के दूध की मात्रा एवं वसा के आधार पर खिलाया जाता है। संतुलित आहार की उचित मात्रा देने से पशुओं में दूध उत्पादन बढ़ता है, ऊर्जा का स्तर अच्छा बना रहता है, पशु समय से गाभिन होता है एवं उपापचयी संबंधी बीमारियां जैसे कि मिल्क फीवर, कीटॉसिस आदि से बचाव होता है। संतुलित पशु आहार आसानी से पचने वाला, उच्च गुणवत्ता का, मिनरल युक्त होना चाहिए तथा साथ ही डेमोंसट्रेशन करके बताया। इसके साथ-साथ पशुपालकों द्वारा पशुओं से जुड़ी समस्याओं का समाधान किया गया।

## भाजपा विधायक जितेंद्र गोठवाल ने ईसरदा में जनसुनवाई के दौरान की घोषणाएं, जनसमस्याओं का मौके पर किया समाधान

**जयपुर, 23 जुलाई 2025।** भाजपा प्रदेश महामंत्री एवं खंडार विधायक जितेन्द्र गोठवाल ने अपने क्षेत्रीय दौरे के अंतर्गत ग्राम पंचायत ईसरदा में जनसुनवाई कर ग्रामीणों एवं कार्यकताओं की समस्याएं सुनीं तथा कई मुद्दों का मौके पर ही समाधान किया।

जनसुनवाई के दौरान गोठवाल ने ईसरदा में खेड़ा वाले बालाजी तक सड़क निर्माण हेतु 5 लाख रुपये देने की घोषणा की, जिससे ग्रामीणों को आने-जाने में सुविधा होगी।

# पदभार संभालते ही झुंझुनू एसपी ने कहा "अपराधियों में डर, आमजन में विश्वास "बढ़े यही प्रथमिकता

**झुंझुनू।** भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारी बृजेश ज्योति उपाध्याय ने झुंझुनू पुलिस अधीक्षक का पदभार बुधवार संभाल लिया। उपाध्याय करौली जिले से पुलिस अधीक्षक पद से स्थानांतरण होकर झुंझुनू आए हैं। बृजेश ज्योति उपाध्याय को कार्यवाहक पुलिस अधीक्षक आरपीएस देवेंद्र राजावत ने सौंपा चार्ज।

पदभार सम्भालने के पश्चात नवागत एसपी उपाध्याय ने पत्रकार वार्ता में कहा कि जनता और पुलिस के बीच संवाद और विश्वास को मजबूत करने के लिए सभी थानों को सक्रिय भूमिका निभाने के लिए क्रियाशील करेंगे। साथ ही उन्होंने कहा कि राजस्थान पुलिस के आदर्श वाक्य " अपराधियों में डर, आमजन में विश्वास " को सार्थकता दी जाएगी। उन्होंने कहा कि शिकायतों का शीघ्र निस्तारण और संवेदनशील व्यवहार पुलिस प्रशासन की प्राथमिकता होगी। एसपी उपाध्याय ने कहा कि झुंझुनू जिले में वे पहली बार आये हैं, झुंझुनू के बारे में उन्होंने बहुत कुछ सुना है , अब जिले की सीमाओं अवलोकन करने के साथ ही अपराध हो ही नहीं कि तर्ज पर काम होगा। जिले को समझने में कुछ समय लगेगा उसके बाद सेवा और सुरक्षा पुलिस की जिम्मेदारी को साकार करेंगे। पत्रकारों द्वारा पूछे गए सवाल हरियाणा बॉर्डर से लगे जिलों से अपराधिक गतिविधियों के बारे में तो उन्होंने कहा प्रयास रहेगा कि हरियाणा की सीमा से सटे इलाकों में अपराध की संभावनाएं बनी रहती हैं। इसलिए बॉर्डर एरिया पर वे पूरा फोकस रखेंगे जिससे अपराध पर नियंत्रण किया जा सके।

**ढाई माह तक कार्यवाहक ने संभाली कमान**

झुंझुनू पुलिस अधीक्षक का पद तकरीबन अढाई माह से पद खाली था। कार्यवाहक एसपी की जिम्मेदारी आरपीएस देवेंद्र सिंह राजावत ही संभाल रहे थे। निवर्तमान पुलिस अधीक्षक शरद चौधरी के एडीजे बनने के बाद एपीओ करने से जिला पुलिस अधीक्षक पद पर नियुक्ति का इंतजार रहा।

# संभागीय आयुक्त ने भेड़ पालकों से संवाद कर सुनी समस्याएं

**बारां, राजस्थान**

### भेड़ पालकों को त्रिपाल, छाता, टिफिन बॉक्स और मेडिकल किट किए वितरित

**बारां, 23 जुलाई।** संभागीय आयुक्त राजेन्द्र सिंह शेखावत ने बुधवार को कलेक्ट्रेट परिसर में जिले में प्रवास पर आए भेड़ पालकों से संवाद कर उनकी समस्याओं को सुनकर आवश्यक निर्देश दिए। संभागीय आयुक्त ने भेड़ पालकों के मवेशियों की सुरक्षा, भारी बारिश में कठिनाइयां, पेयजल, चिकित्सा सुविधाओं, और आवागमन से जुड़ी समस्याओं को

गंभीरता से सुना और संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार भेड़ पालकों के जीवनस्तर को बेहतर बनाने के लिए प्रतिबद्ध है और विभिन्न योजनाओं के माध्यम से उन्हें राहत पहुंचाने का कार्य किया जा रहा है।

संभागीय आयुक्त ने सीएसआर के माध्यम से मौके पर ही 25 भेड़ पालकों को त्रिपाल, छाता, टिफिन बॉक्स और मेडिकल किट वितरित की, जिससे उन्हें उनके दैनिक जीवन में उपयोगी सहायता प्राप्त हो सके। सामग्री वितरण से लाभान्वित भेड़ पालकों ने प्रशासन का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में एडीएम दिवांशु शर्मा, एएसपी राजेश चौधरी, पशुपालन विभाग से संयुक्त निदेशक डॉ. सुबोध माटे, अतिरिक्त निदेशक डॉ. गणेश नारायण, उपनिदेशक डॉ. सतीशचन्द एवं डॉ. गिरिश, सीडीईओ गैंदालाल रैगर, सहित भेड़ पालक समुदाय के प्रतिनिधि मेघराज राईका एवं अन्य भेड़ पालक उपस्थित रहे।

# तिलक एवं आजाद की जयंती मनाई

**झुंझुनू।** नगर युवा संघ झुंझुनू के द्वारा सूर्य विहार में बाल गंगाधर तिलक एवं चंद्रशेखर आजाद की जयंती उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर बनाई गई। इस अवसर पर पार्षद अशोक प्रजापति ने बताया कि भारत के महान क्रांतिकारी चंद्रशेखर आजाद का जन्म 23 जुलाई 1906 को मध्यप्रदेश के अलीराजपुर जिले के भावरा गांव में हुआ था। उन्होंने देश की आजादी के लिए अपना जीवन बलिदान कर दिया भारत की आजादी की लड़ाई में अनेक क्रांतिकारी हुए जिन्होंने अपने प्राणों की आहुति दी उन्हीं में से एक थे चंद्रशेखर आजाद, जिनका नाम आज भी साहस और बलिदान

का प्रतीक है। वह सिर्फ एक क्रांतिकारी ही नहीं, बल्कि युवाओं के लिए एक प्रेरणा थे जिन्होंने अपने जीवन को देश के लिए समर्पित कर दिया। संदीप चावरिया ने बताया कि भारत के स्वतंत्रता सेनानियों में बाल गंगाधर तिलक का नाम बड़े ही सम्मान से लिया जाता है। उन्होंने हमारे देश को अंग्रेजों की गुलामी से मुक्त करवाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। वे हिन्दुस्तान के एक प्रमुख नेता, समाज सुधारक और स्वतंत्रता सेनानी थे। भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के वे पहले लोकप्रिय नेता थे। इन्होंने सबसे पहले ब्रिटिश राज के दौरान पूर्ण स्वराज की मांग उठाई और उन्होंने नारा दिया था स्वराज हमारा जन्म सिद्ध अधिकार और हम इसे लेकर रहेंगे। इस मौके पर सुशील प्रजापति, रोहन सैनी, डॉ अशोक कुमावत, अशोक सैनी, संजय पारीक, पिन्टु कुमावत, किशन सिंह पंवार, विनोद चौहान, विष्णु सैनी, सुरेश, विनोद सैनी, राहुल कुमावत, राज शर्मा, अर्जून नायक, जितेन्द्र, अमित, विकास, शुभम कुमावत, मंगल सैन, राजू सैनी, राकरण सैनी आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

## माधव सेवा सम्मान 27 को

**झुंझुनू। मा**धव सेवा सम्मान 2025 का आयोजन 27 जुलाई रविवार को होगा। जानकारी देते हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ झुंझुनू जिले के जिला संघचालक रहे बृज किशोर अग्रवाल की स्मृति में बने ट्रस्ट बृज स्मृति प्रन्यास के सचिव राजकुमार मोरवाल ने बताया कि प्रन्यास द्वारा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के द्वितीय सरसंघचालक माधव सदाशिव गोलवेलकर (गुरूजी) के सम्मान में सत्यनिष्ठ राष्ट्रभक्त महानुभावों को दिया जाने वाला पाँचवा पुरस्कार आगामी 27 जुलाई को राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ बागडे द्वारा झुंझुनू जिले के आपातकाल बंदियों जिन्हें राजस्थान सरकार ने लोकतंत्र सैनानी का दर्जा दिया है, को दिया जाएगा। प्रन्यास के कोषाध्यक्ष मनीष अग्रवाल ने बताया कि झुंझुनू के स्काउट गाइड मैदान में सुबह 11 बजे होने वाले कार्यक्रम की अध्यक्षता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के क्षेत्र संघचालक डॉ रमेश चन्द्र अग्रवाल करेंगे एवं भारतीय जनता पार्टी राजस्थान के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष डॉ महेश शर्मा विशिष्ट अतिथि वक्ता होंगे।

## भारतीय मजदूर संघ के कार्यक्रम में कार्यकताओं ने लिया भाग

**झुंझुनू। भा**रतीय मजदूर संघ के 70 वर्ष पूर्ण होने पर दिल्ली में इंदिरा गांधी स्टेडियम पर हुए समापन कार्यक्रम में झुंझुनू जिले के पदाधिकारी संजय गनोलिया, सह संभाग प्रभारी संरक्षक राम गोपाल शर्मा, जिला मंत्री संदीप धाभाई तथा खेतड़ी कॉपर मजदूर संघ के महामंत्री श्याम लाल सैनी शामिल हुए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने भारतीय मजदूर संघ के 70 वर्ष की यात्रा को सफल बताया तथा कार्यकताओं को और अधिक ऊर्जा और शक्ति के साथ कार्य करने का आह्वान किया।

भारतीय मजदूर संघ से संबंध जिले की इकाई अजमेर विद्युत वितरण निगम, श्रमिक संघ, रोडवेज फेडरेशन, रानी सती ट्रस्ट, कर्मचारी संघ, भवन एवं पथ निर्माण श्रमिक संघ, पंडित गणेश नारायण ऑटो यूनियन, आंगनवाड़ी कर्मचारी संघ, भारतीय पोस्टल, खेतड़ी कॉपर मजदूर संघ, ठेकेदार मजदूर संघ, ग्रामीण बैंक के कार्यालयों में ध्वज परिवर्तन कर कार्यकताओं ने आपस में मिठाई खिलाई। मेरा घर भामस घर अभियान के तहत जिले के लगभग 1500 कार्यकताओं ने अपने-अपने घरों पर भारतीय मजदूर संघ के ध्वज लगाए।

## मेहनत, लगन और आत्मविश्वास की मिसाल बनी सैनी

**झुंझुनू।** राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय खीरवा, लक्ष्मणगढ़, सीकर में हिंदी व्याख्याता के पद पर कार्यरत सुनीता भूपेंद्र सैनी ने यूजीसी द्वारा आयोजित राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा 2025 में हिंदी विषय से सफलता प्राप्त कर क्षेत्र और समाज का नाम रोशन किया है। सुनीता की यह सफलता न केवल उनके दृढ़ निश्चय और कठिन परिश्रम का परिणाम है बल्कि उन सभी युवाओं के लिए प्रेरणा है जो उच्च शिक्षा और अकादमिक सेवा के क्षेत्र में अपने लक्ष्य को लेकर संघर्ष कर रहे हैं। उन्होंने अपनी तैयारी की प्रेरणा परिवारजन एवं स्व-अध्ययन को बताया।

## भारतीय डाक कर्मचारी संघ ने किया धरना प्रदर्शन

**झुंझुनू। भा**रतीय डाक कर्मचारी संघ, झुंझुनू द्वारा भारतीय मजदूर संघ की 70 वीं वर्षगाँठ की पूर्व संध्या पर 70 मोमबतियां जलाकर मंगलवार को 41 सूत्री मांगों को लेकर प्रधान डाकघर झुंझुनू के सामने प्रदर्शन किया। संघ के सचिव संदीप महला ने बताया कि 8वें वेतनमान में देरी के कारण 50 प्रतिशत महंगाई भत्ते को मूल वेतन में मर्ज करना, डाकघरों में सप्ताह को पांच दिवसीय करने या बदले में 52 अर्जित अवकाश प्रदान करने, ग्रामीण डाक सेवकों को 8वें वेतन आयोग के दायरे में लाने, नियोजित पूर्व सैनिकों को डीओपीटी के नियमानुसार वेतन निर्धारित करने सहित 41 मांगो के संबंध में धरना-प्रदर्शन किया गया है तथा मांगे पूरी नहीं होने पर देशभर में 18 अगस्त से अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू की जाएगी। इस अवसर पर मुख्यालय पर कार्यरत अनेक कर्मचारी उपस्थित थे ।

## लोहारू से पिलानी तक नई रेलवे लाइन बिछाने का कार्य शीघ्र प्रारंभ किया जाए : ओला

झुंझुनू। लोकसभा में झुंझुनू से सांसद बृजेंद्र सिंह ओला ने एक अतारांकित प्रश्न के माध्यम से अपने संसदीय क्षेत्र झुंझुनू में लोहारू से पिलानी तक नई रेलवे लाइन की प्रगति को लेकर सरकार का ध्यान आकर्षित किया। सांसद ने कहा कि पिलानी शिक्षा, तकनीक और उद्योग की दृष्टि से देशभर में एक विशिष्ट स्थान रखता है। यहां बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंस और सेंट्रल इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग रिसर्च इंस्टिट्यूट जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों के चलते देश-विदेश से छात्र पिलानी आते हैं। दि लोहारू से पिलानी तक रेलवे लाइन बिछाई जाती है तो इससे विद्यार्थियों, व्यापारियों, श्रमिकों एवं स्थानीय नागरिकों को यातायात में अत्यधिक सुविधा और सुगमता होगी। रेल मंत्री द्वारा प्रश्न के उत्तर में बताया गया कि लोहारू-पिलानी नई रेलवे लाइन (24 किमी) के लिए फाइनल लोकेशन सर्वे की मंजूरी दी जा चुकी है एवं भूमि सर्वेक्षण कार्य पूर्ण कर लिया गया है। सांसद ने रेल मंत्री से आग्रह किया कि इस महत्वपूर्ण परियोजना से जुड़े सभी कार्यों को शीघ्र पूरा कराते हुए जल्द से जल्द रेल लाइन बिछाने का कार्य प्रारंभ किया जाए ताकि क्षेत्र के लाखों लोगों को लाभ मिल सके।

## शिवगंज से एक युवक के मारपीट का वीडियो वायरल

शिवगंज पुलिस थाने में देवासी ने रिपोर्ट पुलिस को दी देने के बाद अपराधीयो के खिलाफ कोई कार्रवाई नही अपराधी खुल्ले घूम रहे है सीसीटीवी वीडियो वायरल होने बाद पुलिस हरकत में आई चेलाराम देवासी पालड़ी जोड़ को तनवीरसिँह राजपूत बड़गांव ने फोन कर बुलाया तभी स्विफ्ट कार लेकर आए एक युवक बाहर आया तबाडतोड लाठी,थापो,मुको से देवासी पर मारपीट करते हुए भागते हुए चेलाराम देवासी ढाबे होटल के अंदर घुसा बाद रिपोर्ट पुलिस थाने शिवगंज दी पालड़ी जोड़ का सेलाराम/लसारामजी देवासी ने बोला कि

मैंने दो दिन पहले लिखित में रिपोर्ट पुलिस थाना शिवगंज में दी थी आज तक रिपोर्ट उन्होंने दर्ज नहीं की फिर यह सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल हुआ और न्यूज में आया तब पुलिस वालों की आंखें खुली और उसको दोपहर को घर से वापस बुलाया और उन्होंने दूसरी आज रिपोर्ट ली

## विजेता खिलाड़ियों का किया स्वागत

**झुंझुनू।** राजस्थान ताइक्वांडो द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता जो कि सरकारी स्टेडियम में 18 से 20 जुलाई को भरतपुर में संपन्न हुई। पीवी वर्ग के अंडर 30 भार वर्ग में तेजस्वी चौधरी ने स्वर्ण पदक, मयंक चौधरी 35 किलो में स्वर्ण पदक, सृष्टि 27 किलो में कांस्य पदक, जानवी कैडेट वर्ग में 55 किलो में कांस्य पदक, साक्षी जूनियर 41 किलो में रजत पदक, यश कुल्हरी सब जूनियर वर्ग के 27 किलो में कांस्य पदक, दीपक जूनियर वर्ग के अंडर 63 वेट में रजत पदक, विशेष चावला कैडेट वर्ग के 41 किलो में रजत पदक, नवनीत सीनियर वर्ग के ओवर 87 में कांस्य पदक, पुमसे वर्ग में पूजा सोलंकी, संगीता योगी, सुनीता ने स्वर्ण पदक प्राप्त किया। ताइक्वांडो कोच सुभाष योगी ने बताया कि स्वर्ण पदक विजेता खिलाड़ी सीनियर वर्ग के दिल्ली में आयोजित होने वाली राष्ट्रीय प्रतियोगिता में भाग लेंगे। टीम कोच जगदीप बराला थे। सभी खिलाडि?ों का योगी स्टेडियम में आने पर स्वागत किया गया। स्वागतकताओं में कोच सुभाष योगी, संगीता योगी, मोहित योगी, आकाश योगी, मनीष, विक्की और क्रिकेट कोच हितेश योगी मौजूद रहे।

## जिले के विभिन्न स्कूलों के 320 स्काउट ले रहे राज्य पुरस्कार प्रशिक्षण

**झुंझुनू।** राजस्थान राज्य भारत स्काउट गाइड जिला मुख्यालय झुंझुनू के तत्वावधान में आयोजित जिला स्तरीय राज्य पुरस्कार स्काउट प्रशिक्षण शिविर में जिले के सभी 11 ब्लॉकों के 57 विद्यालयों के 320 स्काउट्स राज्य स्तरीय पुरस्कार हेतु प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। शिविर के संचालक एवं सीओ स्काउट महेश कालावत ने बताया कि इस शिविर का आयोजन 22 से 26 जुलाई तक किया जा रहा है। जिसमें स्काउट्स को प्राथमिक चिकित्सा, नियम, प्रतिज्ञा, प्रार्थना, ध्वज शिष्टाचार, आपदा प्रबंधन, पायनियरिंग प्रोजेक्ट, अनुमान लगाना, गांठे जैसी विभिन्न स्काउट गाइड कलाओं का प्रशिक्षण दक्ष प्रशिक्षक द्वारा प्रदान किया जा रहा है। शिविर में नाहर सिंह गिल, रामदेव सिंह गढ़वाल, विक्की कुमार, मनोज शर्मा, निरंजन शर्मा, महेंद्र सैनी, कविराज, सुनील, कुलदीप, सुनील, नरेश कुमार, बंशीलाल, मुन्ना राजोरा, हिम्मत सिंह सहित अनेक स्काउट शिक्षकों द्वारा प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। शिविर में प्रातः काल ध्वजारोहण जिला उपाध्यक्ष नाहर सिंह गिल द्वारा किया गया। इस अवसर पर गिल ने स्काउट गाइड को संबोधित करते हुए उन्हें सुनागरिक बनने हेतु प्रेरित करते हुए कहा कि स्काउट गाइड का ध्येय ही राष्ट्र के लिए सुयोग्य नागरिक तैयार करना है, अतः हमें अपने जीवन में सुचिता एवं सादगी रखते हुए निरंतर आगे बढ़ाना है। इस अवसर पर सीओ गाइड सुभिता महला ने कहा कि स्काउट गाइड के माध्यम से बालक-बालिकाओं में चारित्रिक, मानसिक, आध्यात्मिक, सामाजिक गुणों का विकास होता है अतः सभी को स्काउट गाइड संगठन से जुडकर अपनी प्रतिभा निखारनी चाहिए। सीओ स्काउट कालावत ने बताया कि प्रशिक्षण के बाद में इन स्काउट्स की परीक्षा होगी, परीक्षा में उत्तीर्ण होने पर इन्हें राज्यपाल के हस्ताक्षरित राज्य पुरस्कार अवार्ड से नवाजा जाएगा।

## बिना चीरे के 165 ग्राम की प्रोस्टेट का ढूकिया हॉस्पिटल में सफल ऑपरेशन

**झुंझुनू। शहर** के ढूकिया हॉस्पिटल में एंडोस्कोपिक तकनीक से 165 ग्राम वजनी प्रोस्टेट का सफल ऑपरेशन कर नया कीर्तिमान स्थापित किया गया है। आमतौर पर इतनी बड़ी प्रोस्टेट के लिए ओपन सर्जरी की आवश्यकता होती है लेकिन डॉक्टर विजय ओला की टीम ने बिना किसी चीरे के टूप पद्धति से यह ऑपरेशन सफलतापूर्वक किया। मरीज सुंदरलाल लंबे समय से पेशाब में रुकावट, रात में बार-बार पेशाब आना और पेट में भारीपन जैसी समस्याओं से पीड़ित थे। जाँच में सामने आया कि उनकी प्रोस्टेट ग्रंथि सामान्य आकार (20-30 ग्राम) से कई गुना बढकर 165 ग्राम हो चुकी थी। ऑपरेशन करने वाले यूरोलॉजिस्ट डॉ विजय ओला ने बताया कि इस तरह की बड़ी प्रोस्टेट का एंडोस्कोपिक तकनीक से इलाज करना एक चुनौतीपूर्ण कार्य होता है लेकिन नवीनतम तकनीक और अनुभव के चलते यह संभव हो सका। ऑपरेशन के 48 घंटे के भीतर मरीज को सामान्य चलने-फिरने और पेशाब करने में राहत मिल गई। यह तकनीक न केवल मरीज के लिए सुरक्षित है बल्कि इसमें रक्तस्त्राव कम होता है, अस्पताल में भर्ती का समय घटता है और रिकवरी भी तेज होती है। डॉ मोनिका ढूकिया ने बताया कि हॉस्पिटल में एक ही छत के नीचे न्यूरो एवं स्पाइन रोग, गुर्दा व मूत्र रोग रोग, घुटना कूल्हा ट्रांसप्लाट व हड्डी जोड़ सर्जरी व ट्रोमा, अस्थमा रोग, सर्जरी विशेषज्ञ की नियमित सेवाएं उपलब्ध है । ढूकिया हॉस्पिटल में ईसीएचएस, आरजीएचएस, ईएसआईसी, चिरंजीवी (मां योजना) सभी विभागों में इलाज व ऑपरेशन निःशुल्क किये जाते है व ब्लड, प्लाज्मा की सेवाएं 24 गुणा 7 उपलब्ध है ।

## हलैना उप तहसील को यथावत रखने को लेकर दिया ज्ञापन

**देश का दर्पण.दैनिक अखबार पत्रकार. राकेश कोठेनिया हलेना**
हलैना (भरतपुर) उप तहसील कस्वा हलैना को यथावत रखने की माँग को लेकर बुधवार को हलैना और आसपास के गाँवों से आये विभिन्न संगठनों से जुड़े नागरिकों ने आज नायव तहसीलदार को राज्य के मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन दिया ।

गणमान्य नागरिकों द्वारा दिये ज्ञापन में कहा है कि हलैना उप तहसील को अगर समाप्त किया गया तो क्षेत्र की जनता को भारी परेशानी होगी जिसकी बजह से जनता में सरकार के प्रति नाराजगी बढ़ेगी जिसके कारण भाजपा को आगामी समय में होने बाले चुनावों में भारी नुकसान उठाना पड़ेगा । ज्ञापन में कहा गया है कि हलैना उप तहसील राजस्व देने में बहुत आगे है ।

किसान नेता इन्दल सिंह जाट ने कहा कि किसी भी लोकतंत्रिक तरिके से चुनी हुई सरकार का काम होता है सुबधाओं का विकास और विस्तार करना लेकिन मौजूदा सरकार को भरतपुर ही नही समूचे प्रदेश स्तर पर तहसीलों को समाप्त करने का फैसला निरस्त करना चाहिये

गणमान्य नागरिकों ने कहा कि हलैना तहसील की माँग करीब तीस वर्ष पुरानी थी जिसे पिछली गहलौत सरकार ने पूरा किया था । उन्होंने कहा कि जरूरत तो थी हलैना में पूर्ण तहसील बनाने की लेकिन सरकार अनेक तहसीलों को मर्ज करके जन सुवधाओं को समाप्त कर रही है किसान नेता और पूर्व जिला पार्षद इन्दल सिंह जाट ' पंचायत समिति सदस्य संजय गुप्ता ' भाजपा नेता गोविन्द गुप्ता ' चन्द्र प्रकाश सौलंकी भाजपा महा मंत्री ' नरेन्द्र शर्मा ' तारा चन्द वाटर वक्स बाले ' पत्रकार थान सिंह सिनसिनवार , कमल सिंह तिलचिवी ' अजीत सिंह ' नरेन्द्र शर्मा 'नवीन कुमार ' बच्चू सिंह गुर्जर मौलोनी , श्याम सिंह ' सतेन्द्र शर्मा सरसैना ,इंजीनियर दिलीप सिंह मैक्स, बाबू लाल वेरी ' सहित अनेक गणमान्य किसानों ने नायव तहसीलदार को ज्ञापन प्रस्तुत किया

## विश्व मानव रूहानी केंद्र शाखा कैथल द्वारा गांव टीक में कावड़ शिविर आयोजित, श्रद्धालुओं के लिए किए गए उत्तम प्रबंध

**कैथल (कृष्ण प्रजापति)**
विश्व मानव रूहानी केंद्र शाखा कैथल की ओर से गांव टीक में सरस्वती कॉलेज के सामने 18 जुलाई से 23 जुलाई तक भव्य कावड़ शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर भोलेनाथ के भक्तों के लिए समर्पित है, जिसमें निःशुल्क भोजन, निःशुल्क चिकित्सा जांच और रात्रि ठहराव की उत्तम व्यवस्था की गई। यह संस्था एक परोपकारी और आध्यात्मिक संस्था है, जो समय-समय पर समाज सेवा के कार्यों में सक्रिय रहती है। संस्था द्वारा न केवल कावड़ियों की सेवा की जा रही है, बल्कि जरूरतमंदों की मदद और स्वास्थ्य शिविरों के माध्यम से भी लोगों को लाभ पहुंचाया जा रहा है।

इस अवसर पर राजेश कुमार, किताब सिंह, धर्मपाल नम्बरदार टीक सहित अनेक सामाजिक कार्यकर्ता मौजूद रहे और उन्होंने शिविर की व्यवस्थाओं में सहयोग करते हुए सेवा कार्य में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कावड़ शिविर में आए श्रद्धालु संस्था की सेवाओं से अत्यंत प्रसन्न नजर आए और उन्होंने इस सेवा कार्य की सराहना करते हुए संस्था के सभी कार्यकताओं का आभार जताया।

शिविर में हर दिन सैकड़ों की संख्या में कावड़िए पहुंच रहे हैं और श्रद्धा, भक्ति व सेवा का अद्भुत संगम देखने को मिल रहा है।

## सिवान जिला के निवासी बिजली से संबंधित अपनी शिकायतों के समाधान हेतु नीचे दिए गए फ्यूज कॉल नंबरों पर संपर्क कर सकते हैं।

**सीवान संवाददाता मसरूर अहमद**
-सिवान जिले के लिए फ्यूज कॉल सेंटर का नंबर है- 92644 56410 -महाराजगंज के लिए फ्यूज कॉल सेंटर का नंबर है-92641 90782

इसके अलावा सिवान एवं महाराजगंज अवस्थित पावर सब स्टेशन के नंबर पर भी बिजली से संबंधित शिकायत दर्ज की जा सकती है ।

## खारवाल समाज का महिला शिष्टमंडल 29 जुलाई को लोकसभा अध्यक्ष से नई दिल्ली मे करेगा शिष्टाचार भेंट

**सुरज वर्मा**
शाहपुरा सत्यनारायण खारवाल ने बताया कि खारोल समाज का 45 सदस्यीय समाज प्रतिनिधिमंडल शिष्टमण्डल डेलिगेशन 28 जुलाई दिल्ली जाएगा।समाज प्रतिनिधि मंडल में शामिल महिला प्रतिनिधि सपना खारवाल शाहपुरा, सरिता खारवाल अजमेर, सुकी देवी खारवाल सुमेरपुर, पूजा खारवाल पिचियाक,गुलाब कंवर जोधपुर ने बताया कि खारवाल समाज के कोटा संभाग अध्यक्ष

सत्यनारायण खारवाल के नेतृत्व मे समाज महिला डेलिगेशन नई दिल्ली मे लोकसभा अध्यक्ष ओम जी बिरला साहब से 29 जुलाई को प्रातः 8:00 बजे 20 अकबर रोड नई दिल्ली स्थित सरकारी आवास पर शिष्टाचार भेंट वार्ता करेगा। लोकसभा अध्यक्ष के आथित्य मे स्नेह भोज के पश्चात लोकसभा सचिवालय द्वारा उपलब्ध पार्लियामेंट विजिट के विशेष एंट्री पास के जरिए नई संसद भवन कि अतिथि दीर्घा से महिला प्रतिनिधि मंडल 29 जुलाई को संचालित होने वाली लोकसभा की कार्यवाही देखेगा ओर राष्ट्रपति भवन प्रधानमंत्री म्यूजियम भी विजिट करेगा। समाज महिला प्रतिनिधि मंडल द्वारा लोकसभा अध्यक्ष से रूबरू संवाद वार्ता मे सरकार द्वारा संचालित महिला सशक्तिकरण एंव कन्या उत्थान जैसी जनकल्याणकारी योजनाओ मै समाज की महिलाओ ओर बालिकाओ की भागीदारी सुनिश्चित करवाने और कोटा शहर मे समाज छात्रावास के लिए सरकार से रियायती दर जमीन आवंटन के साथ समाज छात्रावास निर्माण मे सहयोग हेतु ओम बिरला से सहयोगात्मक मार्गदर्शन प्राप्त करेगा।

# नशे पर वार" अभियान को लोगों का भरपूर समर्थन मिल रहा है - विधायक अटारी

### कहा - "नशा मुक्ति यात्रा" से अब हर गाँव, हर शहर नशा मुक्त होगा

**अमृतसर, 23 जुलाई : ( सुरेश रहेजा, परवीन कुमार, साहिल रहेजा )**
पंजाब सरकार द्वारा नशे के दुष्प्रभावों के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए शुरू की गई नशा मुक्ति यात्रा के तहत, आज अटारी विधायक स. जसविंदर सिंह रामदास ने रोरांवाला कलां, रोरांवाला खुर्द, होशियार नगर और जठोल गाँवों में जागरूकता सभाओं को

संबोधित किया और कहा कि नशे पर वार अभियान को लोगों का भरपूर समर्थन मिल रहा है और अब लोग इस अवांछित बीमारी से मुक्ति पाने के लिए आगे भी आ रहे हैं।

विधायक अटारी ने कहा कि "नशा मुक्ति यात्रा" से अब हर गाँव, हर शहर नशा मुक्त होगा। उन्होंने कहा कि राज्य के लोग नशे के पूर्ण उन्मूलन के लिए पंजाब सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों से बहुत खुश हैं और वे इस बुराई को जड़ से खत्म करने के लिए तत्पर हैं और पूरा समर्थन दे रहे हैं।

उन्होंने कहा कि पिछली सरकारों ने नशा तस्करों से हाथ मिलाकर पंजाब को बर्बाद करने में कोई कसर नहीं छोड़ी, लेकिन अब मुख्यमंत्री पंजाब स. भगवंत सिंह मान और पार्टी सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल की सोच के कारण पंजाब सरकार ने नशे के खिलाफ जंग छेड़ दी है। हम पंजाब से नशे को खत्म करके ही दम लेंगे। उन्होंने कहा कि आप भी अपने गांव और वार्ड में "नशा मुक्ति यात्रा" में शामिल होकर अपना फर्ज निभाएं और पंजाब को नशा मुक्त बनाएं।

इस मौके पर उन्होंने कहा कि नशा मुक्ति यात्राओं का उद्देश्य राज्य के युवाओं को नशे की गिरफ्त से बाहर निकालकर उन्हें स्वस्थ, मजबूत और उज्ज्वल भविष्य की ओर प्रेरित करना है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री स. भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में पंजाब सरकार पूरी दृढ़ता के साथ नशे के खिलाफ जंग लड़ रही है और इसके लिए जमीनी स्तर पर जागरूकता फैलाना बेहद जरूरी है।

इस दौरान उन्होंने गांवों के लोगों, खासकर युवाओं से अपील की कि वे नशे से दूर रहें और समाज को इस बुराई से मुक्त करने में सक्रिय भूमिका निभाएं। इस दौरान लोगों को नशे के दुष्प्रभावों के बारे में भी जागरूक किया गया। इस अवसर पर चेयरपर्सन मैडम सीमा सोढी, संगठन प्रभारी गुरशरण सिंह, कोऑर्डिनेटर गज्जन सिंह, एसएचओ घरिंडा अमनदीप सिंह, ब्लॉक अध्यक्ष गुरसिमरनजीत सिंह मान, सरपंच बलविंदर सिंह, तरसेम सिंह, हरमेश सिंह, सतनाम सिंह अधी के अलावा बड़ी संख्या में इलाका निवासी उपस्थित थे।

## अमर शहीद बाबा जीवन सिंह जी के जन्मस्थान गग्गोमहल के सौंदर्यीकरण, पुस्तकालय, शोध कार्य और कस्बे के बहुमुखी विकास पर 25 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे - ईटीओ, कुलदीप धालीवाल

**अमृतसर/अजनाला/गग्गोमहल, 23 जुलाई : ( सुरेश रहेजा, परवीन कुमार, साहिल रहेजा )** आज अजनाला विधानसभा क्षेत्र के गग्गोमहल कस्बे में स्थित गुरुद्वारा अमर शहीद बाबा जीवन सिंह जी (भाई जैता जी) के जन्मस्थान पर माथा टेकने और सभी के कल्याण की प्रार्थना करने के लिए कैबिनेट मंत्री स. हरभजन सिंह ईटीओ अपनी पत्नी सुहिंदर कौर, विधायक स. कुलदीप सिंह धालीवाल सहित पार्टी के प्रमुख नेताओं और सक्रिय कार्यकताओं के साथ पहुंचे, जहां गुरुद्वारा प्रबंधन ने उन्हें सम्मानित किया। इस अवसर पर हलका विधायक एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री पंजाब स. कुलदीप सिंह धालीवाल ने लोक निर्माण एवं बिजली मंत्री पंजाब स. हरभजन सिंह ईटीओ के समक्ष गुरुद्वारा साहिब की इमारतों के सौंदर्यीकरण और ऐतिहासिक कस्बे गग्गो महल

के बहुमुखी विकास के लिए 25 करोड़ रुपए की परियोजना कार्य योजना को लागू करने के लिए कार्य योजना पेश की और कहा कि हिंद की चादर श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जी की शहीदी के बाद श्री आनंदपुर साहिब पहुंचे महान योद्धा बाबा जीवन सिंह जी (भाई जैता जी) के इस जन्म स्थान के विकास में शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी ने विशेष रुचि नहीं ली, लेकिन इस गुरुद्वारा साहिब की सुंदर इमारतों का निर्माण कार सेवा वाले बाबा हरभजन सिंह भलवान जी द्वारा संगत के सहयोग से किया गया है। जिसके मद्देनजर वह (स. धालीवाल) निजी तौर पर बाबा हरभजन सिंह भलवान जी की कार सेवा को नमन करते हैं। लोक निर्माण विभाग मंत्री स. हरभजन सिंह ई.टी.ओ. ने उक्त 25 करोड़ रुपए की परियोजना के क्रियान्वयन की घोषणा करते हुए बताया कि इस परियोजना के उद्घाटन के अवसर पर तकनीकी बिंदुओं पर आधारित सिख विद्वान आर्किटेक्टों द्वारा गुरुद्वारा साहिब की इमारतों के सौंदर्यीकरण के अलावा, गुरुद्वारा साहिब में बाबा जीवन सिंह जी के जीवन पर आधारित पुस्तकों की एक लाइब्रेरी स्थापित की जाएगी और बाबा जीवन सिंह जी के जीवन से संबंधित विद्वानों द्वारा शोध किया जाएगा तथा ऐतिहासिक शहर गग्गो महल का भी बहुमुखी विकास के लिहाज से सौंदर्यीकरण किया जाएगा। मंत्री स. ई.टी.ओ. ने कहा कि वह अमर शहीद बाबा जीवन सिंह जी के जन्मस्थान से प्राप्त सेवा को केवल जिम्मेदारी तक सीमित नहीं रखते बल्कि वह भाग्यशाली हैं।

## जिला पदाधिकारी, सिवान डॉ आदित्य प्रकाश की अध्यक्षता में डॉ अम्बेडकर समग्र सेवा अभियान के तहत प्राप्त आवेदनों पर कृत कार्रवाई से संबंधित समीक्षात्मक बैठक

**सीवान संवाददाता मसरूर अहमद**
**सिवान, 23 जुलाई 2025 बुधवार को**
बैठक के दौरान राशनकार्ड, विद्यालय में नामांकन, जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र, आधारकार्ड, कुशल युवा प्रोग्राम, ई श्रम कार्ड, आयुष्मान कार्ड, प्रधानमंत्री आवास योजना सहित कुल 22 योजनाओं में प्राप्त आवेदन तथा उन आवेदनों के निष्पादन की गहन समीक्षा जिला पदाधिकारी सिवान के द्वारा की गई। जिला पदाधिकारी के द्वारा लंबित आवेदनों का निष्पादन पूर्ण रूप से 26 जुलाई 2025 शनिवार तक

निश्चित रूप से कर लेने हेतु सभी प्रखंड विकास पदाधिकारियों को निर्देशित किया गया। बैठक के दौरान जिला पदाधिकारी के द्वारा सभी अंचलाधिकारी को निर्देशित किया गया कि प्रखंड कल्याण पदाधिकारी के सहयोग से वासभूमि से संबंधित आवेदन प्राप्त करें तथा इसकी सूचना जिला कल्याण कार्यालय को दें। जिला पदाधिकारी के द्वारा लकडीनवीगंज प्रखंड में हर घर नल-जल योजना तथा मुख्यमंत्री ग्रामीण पक्की गली-नाली निश्चय योजना के तहत प्राप्त आवेदन का निराशाजनक निष्पादन पर काफी नाराजगी जताई गई।

बैठक के दौरान उप विकास आयुक्त, अपर समाहर्ता, सिविल सर्जन, जिला कल्याण पदाधिकारी सहित जिला स्तरीय पदाधिकारी उपस्थित रहें। प्रखंड विकास पदाधिकारी तथा प्रखंड स्तरीय समन्वय समिति के सदस्य विडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक में शामिल हुए ।

## अपराध नियंत्रण को कार्य योजना बनाई जाएगी- जिला पदाधिकारी, सिवान

**सीवान संवाददाता मसरूर अहमद**
सिवान, 23 जुलाई 2025 बुधवार को

जिला पदाधिकारी सिवान एवं पुलिस अधीक्षक,सिवान की संयुक्त अध्यक्षता में जिला में अपराध नियंत्रण के निमित्त महत्वपूर्ण बैठक समाहरणालय अवस्थित जिला पदाधिकारी के कार्यालय कक्ष में आयोजित की गई। जिला पदाधिकारी ने बैठक में अपराध नियंत्रण को लेकर एक्शन प्लान बनाने का निर्देश दिया है ।

उन्होंने बताया कि जिलों में आपराधिक गतिविधियों पर नियंत्रण के लिए राज्य सरकार गंभीर है। अपराधी किसी सूरत में बख्शे नहीं जाएंगे। इसी के आलोक में जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक के साथ मिलकर प्रभावी एक्शन प्लान तैयार करेंगे। पुलिस अधीक्षक, सिवान ने वाहन जांच अभियान नियमित रूप से करते हुए इसमें तेजी लाने का निर्देश दिया। इसी तत्वाधान में जिला के महत्वपूर्ण स्थानों पर स्थायी चेकपोस्ट स्थापित किया जाएगा। भीड़ वाले इलाकों एवं महत्वपूर्ण स्थलों पर स्वचालित नंबर प्लेट पहचान वाले ए एन पी आर- (ऑटोमेटिक नंबर प्लेट रिकॉग्निशन) सीसीटीवी कैमरे लगाने का निर्देश दिया गया। बेहतर यातायात प्रबंधन, सुरक्षा एवं विधि- व्यवस्था संधारण के दृष्टिकोण से त्वरित कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया है। जिला पदाधिकारी ने कहा कि जिला के प्रमुख सड़कों पर नियमित रूप से वाहनों की चेकिंग की जाए ताकि आम जनता की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। बैठक में अनुमंडल पदाधिकारी सिवान एवं महाराजगंज, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी मुख्यालय ,सिवान, महाराजगंज, विशेष कार्य पदाधिकारी सिवान,जिला खनन पदाधिकारी, उत्पाद अधीक्षक एवं संबंधित पदाधिकारीगण उपस्थित रहें।

## डॉ. अनुपमा सोनी को मिला नेशनल आरोग्य इंपैक्ट अवार्ड महिलाओं की ओरल हेल्थ जागरूकता के लिए एंबेसडर ऑफ द ईयर सम्मान

**अजय सिंह (चिंटू)**
**जयपुर-** महिलाओं में ओरल हेल्थ एवं हाइजीन को लेकर जागरूकता फैलाने के उनके निरंतर प्रयासों के लिए डॉ. अनुपमा सोनी को इंडियन डेंटल एसोसिएशन के महिला स्वास्थ्य जागरूकता अभियान ह्यअभयाह्न के तहत ह्यनेशनल आरोग्य इंपैक्ट अवार्ड से सम्मानित किया गया। इसके साथ ही उन्हें ह्यएंबेसडर ऑफ द ईयर का खिताब भी प्रदान किया गया। इस राष्ट्रीय पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन इंडियन डेंटल एसोसिएशन द्वारा किया गया, जिसमें देश भर से प्रख्यात दंत चिकित्सकों ने भाग लिया। इस अवसर पर आईडीए के राष्ट्रीय सचिव डॉ. अशोक धोबले, प्रेसिडेंट डॉ. शुभ्रा नंदी, और कोषाध्यक्ष डॉ. दीपक मुछाला विशेष रूप से उपस्थित रहे।

## प्रेस सोसायटी शाहपुरा की पूर्व कार्यकारिणी भंग,नवीन कार्यकारिणी का गठन शीघ्र होगा: जिला महासचिव

**सुरज वर्मा**
**शाहपुरा (भीलवाड़ा)** जिले में भीलवाड़ा प्रेस सोसायटी के जिला महासचिव शहजाद खान ने बताया कि भीलवाडा प्रेस सोसायटी रजिस्टर्ड द्वारा गठित शाहपुरा प्रेस सोसायटी की कार्यकारिणी को तत्काल प्रभाव से भंग कर दिया गया है तथा पूर्व में सदस्यता ग्रहण करने वाले कुछ सदस्यों को कार्यकारिणी में स्थान दिया गया था परंतु निरंतर मिल रही पद के दुरुपयोग की शिकायतों के कारण सभी सदस्यों की सदस्यता पूर्ण रूप से समाप्त कर दी गई है तथा शाहपुरा क्षेत्र के समस्त प्रशासनिक अधिकारियों को इस बाबत अवगत करा दिया गया है कि अगर कोई भी व्यक्ति प्रेस सोसायटी के नाम से सदस्य या पदाधिकारी होने का दावा करता है तो उसकी जानकारी जिला मुख्यालय स्थित भीलवाड़ा प्रेस सोसायटी को लिखित में दी जा सकती है तथा शीघ्र ही क्रियाशील मर्यादित पत्रकारों को प्रेस सोसायटी की सदस्यता दी जाकर शाहपुरा की नई कार्यकारिणी का गठन किया जाएगा ।

## 1वर्ष पहले डाली गई चंबल लाइन डालकर घरों में दिए गए कनेक्शन पर अभी तक ग्रामीणों ने नहीं देखा पानी।

**सुरज वर्मा**
भीलवाडा ज़िले के सहाड़ा तहसील के अरसीपुरा ग्राम पंचायत में एक वर्ष पहले डाली चंबल लाइन घरों में दिए गए कनेक्शन जिसके बाबजूद पानी नहीं पहुंचा अभी तक ग्रामीणों ने बताया कि पानी की समस्या को लेकर घरों में टैंकर द्वारा डलवाते है परन्तु एक वर्ष होने पर भी हमने चंबल परियोजना के तहत घरों में पानी न देखने को मिला और न पीने को मिल रहा है पानी की समस्या को लेकर चंबल विभाग को ग्रामीणों ने कई बार सूचना भी दी लेकीन अधिकारी मोन आखिर सबसे बड़ा सवाल करोड़ों रुपए की लागत से डलवाई गई लाइन परन्तु अभी तक ग्रामीणों को नहीं मिल रहा पानी मीडिया द्वारा भी जल विभाग अधिकारी से वार्ता में अधिकारी ने बताया कि पाईप लाईन चालू हैं पानी नहीं आ रहा है ग्रामीणों का कहना है कि सरकार जनता के लिए बड़ी योजना के करोड़ों रुपए के प्रोजेक्ट देने के बाद भी जमीनी स्तर पर ग्रामीणों की समस्या जैसी की तैसी

## जय भोले ग्रुप ने राजकीय उच्च प्राथमिक विधालय में 500 लीटर पानी की टंकी भेंट की

**सुरज वर्मा**
**शक्करगढ़** कस्बे के राजकीय उच्च प्राथमिक संस्कृत विद्यालय धौड़ में आज टीम भोले ग्रुप धौड़ द्वारा एक प्लास्टिक टंकी (500 लीटर) सप्रेम भेंट की गई विद्यालय में कई दिनों से पीने के पानी के लिए टंकी की जरुरत थी। लाइट नहीं आने पर बच्चो को दूर महादेव जी के हेडपम्प पर पानी पीने जाना पड़ता था. भी काफी समस्याए भी आती थी जब स्कुल के स्टाफ ने टीम भोले ग्रुप को बताया तो दूसरे ही दिन टीम के सदस्यों द्वारा 500 लीटर पानी की टंकी सप्रेम भेट की गई। ग्राम पंचायत धौड़ में सभी सामाजिक व धार्मिक कार्यक्रमों की व्यवस्था व आयोजन का नेतृत्व टीम के द्वारा सफल रूप से किया जाता है टीम भोले ग्रुप के सदस्यो ने अन्य लोगों से निवेदन किया कि अपने पास के विद्यालय में अगर किसी चीज की कमी तो नहीं हे अगर हैं तो मिलकर समस्या का निवारण कर सकते है क्योकि बच्चे भी अपने ही पढ़ते है।

## जिला प्रशासन, लंग केयर फाउंडेशन के सहयोग से लोगों को प्रदूषण के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करेगा-उपायुक्त

**अमृतसर, 23 जुलाईः ( सुरेश रहेजा, परवीन कुमार, साहिल रहेजा )**
जिला प्रशासन, लंग केयर फाउंडेशन के सहयोग से प्रत्येक ब्लॉक के दो गाँवों में शिविर लगाकर लोगों को प्रदूषण के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करेगा। इस संबंध में, उपायुक्त श्रीमती साक्षी साहनी ने लंग केयर फाउंडेशन के सदस्यों, कृषि विभाग, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक करते हुए बताया कि यह जागरूकता अभियान अगस्त से नवंबर 2025 तक चलेगा, जिसके दौरान लोगों को वायु प्रदूषण के स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभावों के बारे में जानकारी प्रदान की जाएगी। उपायुक्त ने कहा कि पराली जलाने से वायु प्रदूषण खतरनाक स्तर पर पहुँच जाता है, जिससे कई भयानक बीमारियाँ होती हैं। उन्होंने कहा कि लोगों को इन दुष्प्रभावों से बचाने के लिए गुरु नानक देव विश्वविद्यालय, महाविद्यालयों और स्कूली छात्रों को साथ लेकर ग्राम स्तर पर लोगों को प्रदूषण के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया जाएगा। उन्होंने बताया कि लंग केयर फाउंडेशन और डॉक्टर्स फॉर क्लीन एयर एंड क्लाइमेट एक्शन टीम भी इसमें सहयोग करेगी और ग्राम स्तर पर जागरूकता सत्र आयोजित किए जाएँगे। उपायुक्त ने किसानों से पराली न जलाने की अपील की। उन्होंने कहा कि इसका प्रदूषण सबसे पहले आपके घर से शुरू होता है और फिर इसका दुष्प्रभाव आम लोगों पर पड़ता है। उन्होंने कहा कि पराली जलाने से मित्र कीट भी नष्ट हो जाते हैं, जिससे फसलों की उर्वरा शक्ति भी कम हो जाती है और पैदावार भी कम हो जाती है। इस बैठक में अतिरिक्त उपायुक्त सामान्य श्री रोहित गुप्ता, अतिरिक्त उपायुक्त शहरी विकास श्रीमती अमनदीप कौर, कृषि अधिकारी श्री सुखचैन सिंह, लंग केयर फाउंडेशन से डॉ. कर्मिन उप्पल, लंग फाउंडेशन से राज्य परियोजना समन्वयक डॉ. सोनाली वोहरा भी उपस्थित थे।

## श्री हरमंदिर साहिब के बारे में धमकी भरे ईमेल भेजने वालों को कड़ी सजा मिलेगी - मुख्यमंत्री ने किया संकल्प

**अमृतसर, 23जुलाईः ( सुरेश रहेजा, परवीन कुमार, साहिल रहेजा )**
पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज श्री हरमंदिर साहिब के बारे में धमकी भरे ईमेल भेजने जैसे अक्षम्य अपराध करने वालों को कड़ी सजा दिलाने का संकल्प लिया। श्री हरमंदिर साहिब में मत्था टेकने के बाद, मुख्यमंत्री ने कहा, "दुनिया भर से लोग इस पवित्र स्थान पर आते हैं और अपने परिवारों और रिश्तेदारों की उन्नति और सुरक्षा के लिए प्रार्थना करते हैं। हम किसी को भी इस पवित्र स्थान को धमकी देने की अनुमति कैसे दे सकते हैं।" मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार मामले की गहन जाँच कर रही है और इस संबंध में महत्वपूर्ण सुराग मिले हैं। उन्होंने आश्वासन दिया कि मामले को जल्द ही सुलझा लिया जाएगा क्योंकि पुलिस ने दोषियों की पहचान कर ली है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि वैज्ञानिक सत्यापन चल रहा है और पूरा होने के बाद विवरण साझा किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने जोर देकर कहा कि सरकार इस पवित्र स्थान की सुरक्षा को लेकर हमेशा सतर्क है, जहाँ हर दिन लाखों श्रद्धालु आते हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (एसजीपीसी) से भी इस मामले में कोई भी महत्वपूर्ण जानकारी साझा करने को कहा है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि पूरी स्थिति पर कड़ी नजर रखी जा रही है।

# गर्मी और मानसून में शिलाजीत खाने का सही तरीका क्या है? एक्सपर्ट से जानें

शिलाजीत एक पावरफुल इनग्रेडिएंट है जो पोषक तत्वों से भरपूर होता है. इसका सेवन करने से सेहत को कई फायदे होते हैं, लेकिन इसकी तासीर गर्म होती है इसलिए गर्मी और मानसून में इसका सेवन करते वक्त आपको कुछ बातें जान लेना जरूरी है. चलिए देख लेते हैं एक्सपर्ट की राय.

पहाड़ों की चोटियों में दुर्गम जगहों पर मिलने वाला पदार्थ शिलाजीत कई सेहत संबंधी समस्याओं में फायदेमंद माना जाता है. ये एक नेचुरल लेकिन पावरफुल सबस्टेंस है. यह कई सालों तक वनस्पतियों और जैविक पदार्थों के विघटन से प्राकृतिक रूप से अपने आप तैयार होता है. जब यह पर्वतों से निकाला जाता है तो बिल्कुल पत्थर की तरह होता है, लेकिन बाद में इसे शुद्ध करने का प्रोसेस किया जाता है, जिसके बाद शिलाजीत एक गाढ़ी, चिपचिपी फॉम में आ जाता है. शिलाजीत के गुणों को देखते हुए प्राचीन काल से ही आयुर्वेद में इसे एक दवा की तरह इस्तेमाल किया जाता रहा है. ज्यादातर लोगों को शिलाजीत को लेकर बहुत सारी गलतफमियां भी होती हैं जैसे इसे सिर्फ पुरुष ही ले सकते हैं. शिलाजीत सिर्फ फर्टिलिटी में ही काम नहीं आता है, बल्कि इससे कई फायदे होते हैं, लेकिन इसका सेवन करने का सही तरीका पता होना बेहद जरूरी है, खासतौर पर गर्मी और मानसून के उमस भरे मौसम के दौरान.

शिलाजीत में फुलविक एसिड, ह्यूमिक एसिड, कई मिनरल्स और एंटीऑक्सीडेंट्स अच्छी मात्रा में होते हैं, जो इसे एक प्रभावशाली प्राकृतिक पदार्थ बनाते हैं. शिलाजीत से कई फायदे हो सकते हैं, लेकिन इसकी तासीर गर्म होती है, इसलिए इसे एक सही मात्रा में लेना जरूरी होता है और खासतौर पर गर्म मौसम में शिलाजीत का सेवन डॉक्टर या आयुर्वेदाचार्य की सलाह लेकर ही करना सही रहता है. चलिए एक्सपर्ट से ही जान लेते हैं कि गर्मी और मानसून में शिलाजीत खाते वक्त क्या सावधानियां बरतनी चाहिए.गर्मी और मानसून में शिलाजीत

सेलिब्रिटी न्यूट्रिशनिस्ट डॉक्टर गीतिका चोपड़ा कहती हैं कि हां शिलाजीत की तासीर गर्म होती है, इसलिए अगर आपको मानसून या गर्मी में इसे लेना है तो कुछ बातों को ध्यान में रखना जरूरी है. जैसे इसकी मात्रा क्या हो, किस चीज के साथ इसका सेवन करें और किस टाइम शिलाजीत लेना सही रहता है.

**कितनी और किस तरह लें शिलाजीत**

एक्सपर्ट कहती हैं कि गर्मी या फिर मानसून में शिलाजीत का सेवन कर रहे हैं तो इसकी मात्रा 100 या फिर 150 मिली. ग्राम लेनी चाहिए. इससे ज्यादा लेने से शरीर में हीट हो सकती है, जिससे बीपी का बढ़ना जैसी समस्याएं होने का डर रहता है. डॉक्टर का कहना है कि आप गर्मी के दिनों में शिलाजीत को दूध की बजाय गिलोय के पानी या फिर सौंफ के पानी में लेंगे तो ये ज्यादा बेहतर रहता है. इसे सुबह खाली पेट लेने की बजाय खाना खाने के बाद लेना चाहिए.

**ये लोग करें शिलाजीत को अवॉइड**

एक्सपर्ट गीतिका का कहना है कि जिन लोगों को पहले से ही माउथ अल्सर (मुंह में छाले), चेहरे पर एक्ने या पिंपल्स हैं या फिर बॉडी बहुत ज्यादा हीट प्रोड्यूस कर रही है तो शिलाजीत का सेवन नहीं करना चाहिए. इसके अलावा अगर बॉडी एसिडिक हो रही है तो भी इसे अवॉइड करना ही सही रहता है.

**शिलाजीत की शुद्धता हो सही**

एक्सपर्ट का ये भी कहना है कि पूरी तरह से शरीर को फायदा मिले इसके लिए जरूरी है कि शिलाजीत की क्वालिटी और शुद्धता बिल्कुल सही हो.

# संघ का शिक्षा एजेंडा : न पढ़ेंगे न पढ़ने देंगे

विवादित पाठ्य पुस्तकों में, इन्हीं विषयों की पिछली पाठ्य पुस्तकों से जो भारी बदलाव किए गए हैं, उनका मुख्य मकसद भारतीय इतिहास की और विशेष रूप से मध्यकालीन इतिहास की आरएसएस की सांप्रदायिक धारणाओं तथा आग्रहों को, लड़कपन की उम्र से ही बच्चों के मन में, इतिहास के रूप में बैठाना है।यह संयोग हर्गिज नहीं है कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ या आरएसएस की स्थापना की शताब्दी के इस वर्ष में शिक्षा का क्षेत्र और उसमें भी खासतौर पर आरंभिक शिक्षा का क्षेत्र लगातार खबरों में है। जाहिर है कि शिक्षा का यह क्षेत्र किन्हीं अच्छे कारणों से खबरों में नहीं है। वह नकारात्मक विवादों के लिए खबरों में है। इस क्रम में ताजातरीन विवाद, देश भर में स्कूली पाठ्यक्रमों के लिए मानक पाठ्यक्रम तथा पाठ्य पुस्तकें तैयार करने वाली केंद्रीय संस्था, राष्ट्रीय शैक्षणिक अनुसंधान व प्रशिक्षण परिषद या एनसीईआरटी द्वारा आठवीं तक की कक्षाओं के लिए जारी की गयी सामाजिक विज्ञान की और उसमें भी विशेष रूप से इतिहास की पाठ्य पुस्तकों को लेकर उठा है।विवादित पाठ्य पुस्तकों में, इन्हीं विषयों की पिछली पाठ्य पुस्तकों से जो भारी बदलाव किए गए हैं, उनका मुख्य मकसद भारतीय इतिहास की और विशेष रूप से मध्यकालीन इतिहास की आरएसएस की सांप्रदायिक धारणाओं तथा आग्रहों को, लड़कपन की उम्र से ही बच्चों के मन में, इतिहास के रूप में बैठाना है। सहज ही यह अनुमान लगाया जा सकता है कि इसके लिए की गयी कतरब्योंत में मुस्लिम शासकों के दौर पर खासतौर पर कैंची चलायी गयी होगी। यहां तक कि टीपू सुल्तान और ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ उसकी लड़ाइयों का जिक्र तो सिरे से ही गायब कर दिया गया है। सभी जानते हैं कि अपने राजनीतिक बाजुओं के जरिए, आरएसएस को जब से भी देश की सत्ता तक किसी भी तरह से पहुंच हासिल हुई है, उसने बच्चों की पाठ्यपुस्तकों के सांप्रदायिक पुनर्लेखन पर खास ध्यान दिया है।इस सिलसिले की औपचारिक शुरूआत तो 1978 में ही हो गयी थी, जब इमरजेंसी राज की हार के बाद बनी जनता पार्टी की सरकार के माध्यम से, पहली बार आरएसएस के राजनीतिक बाजू, जनसंघ को केंद्र में सरकार तक पहुंच हासिल हुई थी। यह दूसरी बात है कि आरएसएस से संबंध के रूप में दोहरी सदस्यता के मुद्दे पर, इमरजेंसी के विरोध के आधार पर बनी जनता पार्टी में विभाजन हो गया, जिसका जनसंघ घटक नयी राजनीतिक पार्टी का हिस्सा रहते हुए भी, आरएसएस के प्रति वफादारी बनाए रखने की छूट चाहता था। इस विभाजन के चलते जनता पार्टी की सरकार ज्यादा नहीं चल पायी। और चौतरफा विरोध के चलते, जिसमें खुद जनता पार्टी के दूसरे घटकों में से विरोध भी शामिल था, स्कूली पाठ्य पुस्तकों का सांप्रदायिक पुनर्लेखन करने की ये शुरूआती कोशिशें भी ज्यादा असर नहीं दिखा

पायीं।इन कोशिशों को बड़ा बढ़ावा मिला 1998 में भाजपा के नेतृत्व में एनडीए की सरकार बनने के बाद। वाजपेयी सरकार में शिक्षा मंत्रालय, मुरली मनोहर जोशी ने संभाला, जो एक ओर अगर शिक्षा के क्षेत्र से जुड़े रहे थे, तो दूसरी ओर आरएसएस के बहुत पुराने स्वयंसेवक थे। 2004 तक चले इस दौर में बाकायदा इतिहास के पुनर्लेखन की घोषणाएं की गयीं और इतिहास की पाठ्य पुस्तकों में काट-छांट से लेकर, ज्योतिष, वास्तुशास्त्र जैसे पोंगापंथी विषयों को विधिवत पाठ्यक्रम में स्थान दिलाए जाने की शुरूआत की गयी। फिर भी, अब जो हो रहा है उसे देखते हुए, यह कहना ही पड़ेगा कि इतिहास का सांप्रदायिक पुनर्लेखन करने में मुरली मनोहर जोशी के नेतृत्व में शिक्षा मंत्रालय को तब, कोई बहुत ज्यादा सफलता नहीं मिल पायी थी। बेशक, इसका संबंध इससे भी है कि इन कोशिशों का राजनीतिक ही नहीं अकादमिक हल्कों से भी जो तीखा विरोध हो रहा था, उसकी थोड़ी-बहुत प्रतिध्वनि तत्कालीन सरकार में भी सुनाई देती थी, जो गठबंधन की मजबूरियों से भी मुक्त नहीं थी। फिर भी शिक्षा की धर्मनिरपेक्ष तथा जनतांत्रिक धारा को इस दौर में इतनी चोट तो पहुंचा ही दी गयी थी कि स्कूली शिक्षा को उसके धक्के से उबारते हुए, दोबारा पटरी में लाने के लिए, यूपीए के राज में काफी बड़ी कवायद करनी पड़ी थी।2014 से भाजपा के नेतृत्व में, गठबंधन की मजबूरियों से मुक्त और आरएसएस के प्रत्यक्ष हस्तक्षेप से युक्त सरकार आने के बाद से, 2004 में अधूरे छूट गए इतिहास के सांप्रदायिक पुनर्लेखन को आम तौर पर और स्कूली शिक्षा में खासतौर पर, ताबड़तोड़ आगे बढ़ाया गया है। आठवीं कक्षा तक की पाठ्यपुस्तकों का लगभग पूर्ण सांप्रदायीकरण, जिस पर इस समय बहस सुनाई दे रही है, इसी लंबी प्रक्रिया का नतीजा है। ताजातरीन झटके में, एक ओर तो मुस्लिम शासनों की चर्चा को इतना सिकोड़ दिया गया है कि रजिया सुल्तान तथा नूरजहां जैसे ताकतवर शासकीय व्यक्तियों का जिक्र ही गायब कर दिया गया है, तो दूसरी ओर बाबर से लेकर

एन सी ई आर टी
NCERT
NCERT

औरंगजेब तक, सभी मुगल शासकों को आधुनिक अर्थ में क्रूर, दमनकारी तथा धार्मिक अत्याचार करने वाले शासकों के रूप में चित्रित किया गया है और अकबर तक को नहीं बख्शा गया है। उसी परियोजना के दूसरे पहलू के रूप में हिंदू राजाओं के ठीक इन्हीं गुणों का जिक्र ही न करते हुए, उनका ज्यादा से ज्यादा महिमामंडन किया गया है।

लेकिन, बात सिर्फ मुस्लिम शासकों को काले रंग से पोते जाने तक सीमित नहीं रहती है। इससे आगे, बाकायदा एक सामान्यीकरण तक भी जाती है, जिसमें खासतौर पर भारतीय इतिहास के मुस्लिम दौर को अंधेरे दौर या अंधकार युग के रूप में चिन्हित किया गया है। यह सांप्रदायीकरण के सिलसिले को, गुणात्मक रूप से एक नये स्तर पर पहुंचा देता है। दिलचस्प यह है कि आधुनिक भारतीय इतिहास लेखन के इतिहास की जानकारी नहीं रखने वालों को ही अंधेरे दौर की इस खोज में कुछ भी नया लग सकता है। वास्तव में यह भारतीय इतिहास लेखन के उस पश्चिमी औपनिवेशिक मॉडल की ही नयी पैकेजिंग है, जिसमें ब्रिटिश-पूर्व भारतीय इतिहास को मोटे तौर पर मुस्लिम-पूर्व प्राचीन काल और मुस्लिम मध्यकाल में विभाजित किया जाता था। इसमें प्राचीन गौरवपूर्ण या स्वर्णयुग था और मध्यकाल, इस गौरव के हरण का काल यानी इस दृष्टि के हिसाब से हिंदुओं और मुसलमानों के अनवरत टकराव का काल या हिंदुओं के दमन का काल। लेकिन, इस नयी पैकेजिंग में भी नया सिर्फ इतना है कि योरोपीय इतिहास के काल विभाजन में मध्य युग के लिए डार्क एज की जिस संज्ञा का प्रयोग किया जाता है, उसी का ज्यों का त्यों अनुवाद कर दिया गया है। गैर-प्राचीन भारतीय इतिहास की, योरोपीय इतिहास से भिन्नता की कोई थोड़ी-बहुत गुंजाइश अब तक रहती भी थी तो उसे, इस अंधकार युग के आयात से पाट दिया गया है।

स्कूली पाठ्य पुस्तकों के इस प्रसंग से ठीक पहले, स्कूली शिक्षा से ही संबंधित जो प्रसंग चर्चा में था, उसका संबंध हजारों की संख्या में सरकारी स्कूलों के बंद किए जाने से है। विशेष रूप से उत्तर प्रदेश में यह मामला चर्चा में आया था, जहां इसी साल स्कूलों के मर्जर के नाम पर 5 हजार से ज्यादा स्कूलों के बंद किए जाने की खबर आयी है। सत्ताधारी भाजपा के बहुत ही सख्त मीडिया नियंत्रण के बावजूद, सोशल मीडिया में और थोड़ा-बहुत परंपरागत मीडिया में भी, अपने स्कूल बंद किए जाने के खिलाफ छोटे-छोटे स्कूली बच्चों के भावुक करने वाले प्रदर्शनों ने ध्यान खींचा है। ये बच्चे रो-रोकर सरकार से गुहार लगा रहे थे कि उनके स्कूल बंद नहीं किए जाएं। इसी क्रम में जगह-जगह पर लगाए गए एक बैनर ने भी ध्यान खींचा–मधुशाला नहीं, पाठशाला! दरअस्ल, यह बैनर भी तब वायरल हुआ जब योगी प्रशासन इस बैनर को हर जगह से हटवाने के लिए, सड़कों पर उतरा।

कहने की जरूरत नहीं है कि मर्जर या तार्किकीकरण आदि, आदि नामों से, छात्रों की संख्या पचास से कम होने के आधार पर, सरकारी स्कूलों को ही बंद करने के इस खेल की, उत्तर प्रदेश-मध्य प्रदेश जैसे उत्तर भारतीय राज्यों में, जहां पढ़ाई का स्तर आम तौर पर काफी दरिद्र है, गरीबों की शिक्षा पर बहुत भारी मार पड़ रही है। याद रहे कि स्कूलों का बंद किया जाना, भाजपा सरकारों की नीति का ही हिस्सा है। तभी तो 2014 से अब तक, देश भर में पूरे 89,441 स्कूल इस तरह से बंद किए जा चुके हैं। और इनमें से 60 फीसद स्कूल मध्य प्रदेश तथा उत्तर प्रदेश में ही बंद किए गए हैं। इस सब को देखते हुए हैरानी की बात नहीं है कि 2021 से 2024 के बीच तीन साल में देश भर में, पहली से आठवीं कक्षा तक के दो करोड़ छात्र पढ़ाई छोड़कर घर बैठ गए हैं। उत्तर प्रदेश में ही, जहां इस साल पांच हजार स्कूलों को बंद किया जा रहा है, 2022-23 और 2023-24 के बीच, 1,33,035 सरकारी प्राइमरी तथा मिडिल स्कूलों में, छात्रों के दाखिलों में पूरे 24 लाख की कमी हुई थी। इस तरह, नयी राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के नाम पर, स्कूली शिक्षा के बुनियादी ढांचे को ही ढहाया जा रहा है। जाहिर है कि यह राजनीतिक स्वार्थों के लिए भावनाएं कुरेदने का ऐसा खेल है, जिसमें छात्रों के वास्तविक हितों की आहुति दी जाती है।

एनईपी की आड़ में और आरएसएस के एजेंडे के खातिर, स्कूली शिक्षा के ही ध्वस्त किए जाने का ऐसा ही एक और प्रसंग जो पिछले दिनों चर्चा में रहा है, स्कूली शिक्षा में हिंदी थोपे जाने की कोशिशों का है। वैसे यह कोशिश हिंदी थोपने पर ही रुकने वाली नहीं है। जम्मू-कश्मीर से आ रहीं, उप-राज्यपाल के नेतृत्व में राज्य में स्कूली बच्चों पर संस्कृत थोपे जाने की खबरें, इस मुहिम के अगले चरण की ओर इशारा कर देती हैं। बहरहाल, जैसाकि महाराष्ट्र का पहली कक्षा से हिंदी अनिवार्य करने की कोशिश के व्यापक प्रतिरोध का अनुभव दिखाता है, इस तरह की कोशिशें आसानी से लोगों को हजम होने वाली नहीं हैं।

संपादकीय

# मेले में अकेला

विश्व स्वास्थ्य संगठन की वह रिपोर्ट चौंकाती है कि दुनिया में हर छठा इंसान अकेला है। दुनिया के करोड़ों लोग टूटे रिश्तों व संवाद से विलग होकर नितांत खामोशी का जीवन जी रहे हैं। सही मायनों में इंसान के भीतर की ये खामोशी लाखों जिंदगियां लील रही है। विडंबना यह है कि इस संकट का सबसे ज्यादा शिकार युवा हो रहे हैं। निश्चय ही जीवन की जटिलताएं बढ़ी हैं। कई तरह की चुनौतियां सामने हैं। पीढ़ियों के बीच का अंतराल विज्ञान व तकनीक के विस्तार के साथ तेज हुआ है। सोच के भौतिकवादी होने से हमारी आकांक्षाओं का आसमान ऊंचा हुआ है। लेकिन यथार्थ से साम्य न बैठा पाने से हताशा व अवसाद का विस्तार हो रहा है। जिसके चलते निराशा हमें एकाकीपन की ओर धकेल देती है। कहने को तो सोशल मीडिया का क्रांतिकारी ढंग से विस्तार हो रहा है। लेकिन इसकी हकीकत आभासी है। हो सकता है किसी व्यक्ति के हजारों मित्र सोशल मीडिया मंचों पर हों, लेकिन यथार्थ के जीवन में व्यक्ति बिल्कुल एकाकी होता है। आभासी मित्रों का कृत्रिम संवाद हमारी जिंदगी के सवालों का समाधान नहीं दे सकता। निश्चित रूप से कृत्रिम रिश्ते हमारे वास्तविक रिश्तों के ताने-बाने को मजबूत नहीं कर सकते। दरअसल, लोगों में यह आम धारणा बलवती हुई है कि जिसके पास पैसा है तो वह सबकुछ कर सकता है। जिसके चलते उसने आस-पड़ोस से लेकर कार्यस्थल पर सीमित पहुंच बनायी है। यही वजह है कि हमारे इर्द-गिर्द की भीड़ और ऑनलाइन जिंदगी के हजारों मित्रों के बावजूद व्यक्ति एकांत में जीने के लिये अभिशप्त है। सही बात ये है कि लोग किसी के कष्ट और मन की पीड़ा के प्रति संवेदनशील व्यवहार नहीं करते। हर तरफ कृत्रिमताओं का बोलबाला है। हमारे मिलने-जुलने वाले त्योहार भी अब दिखावे व कृत्रिम सौगातों की भेंट चढ़ गए हैं। हमें उन कारकों पर मंथन करना होगा, जिनके चलते व्यक्ति निजी जीवन में लगातार एकाकी होता जा रहा है।विडंबना यह है कि कृत्रिमताओं के चलते कहीं न कहीं हमारे शब्दों की प्रभावशीलता में भी कमी आई है। कालांतर व्यक्ति लगातार एकाकी जीवन की ओर उन्मुख होना लगा है। हमारे संयुक्त परिवारों का बदलता स्वरूप भी इसके मूल में है। पहले घर के बड़े बुजुर्ग किसी झटके या दबाव को सहजता से झेल जाते थे। सब मिल-जुलकर आर्थिक व सामाजिक संकटों का मुकाबला कर लेते थे। शहरों की महंगी जिंदगी और कामकाजी परिस्थितियों का लगातार जटिल होना संकट को गहरा बना रहा है। उन परिवारों में यह स्थिति और जटिल है, जहां पति-पत्नी दोनों कामकाजी हैं और बच्चे हॉस्टलों व बोर्डिंग स्कूल में रह रहे हैं। धीरे-धीरे यह एकाकीपन अवसाद तक पहुंचता है। जो कालांतर एक ऐसे मनोरोग का रूप ले लेता है, जिसका उपचार कराने में भी पीड़ित व्यक्ति संकोच करने लगता है। इस स्थिति से व्यक्ति की वापसी सहज भी नहीं होती। जब हम डब्ल्यूएचओ के आंकड़े की बात करते हैं कि दुनिया में हर छठा व्यक्ति अकेलेपन की गिरफ्त में है तो उस कुल संख्या का अनुमान लगाना कठिन नहीं है, जो वास्तव में इससे पीड़ित है। विश्व स्वास्थ्य संगठन का वह आंकड़ा चौंकाता है कि अकेलापन हर साल तकरीबन आठ लाख लोगों की जीवन लीला समाप्त कर रहा है। जो यह दर्शाता है कि व्यक्ति न केवल समाज व अपने कार्यालयी परिवेश से अलग-थलग हुआ है, बल्कि वह परिवार से भी कटा है। पिछले दिनों देश के शीर्ष उद्योगपतियों ने कार्यालयों में काम के घंटे बढ़ाने का आग्रह किया था। एक उद्यमी ने तो यहां तक कहा कि क्या जरूरी है कि घर में रहकर पत्नी का ही चेहरा देखा जाए। यह एक संवेदनहीन प्रतिक्रिया थी। पहले ही कार्य परिस्थितियों के दबाव से युवा पीढ़ी में कई तरह की समस्याएं देखी जा रही हैं। नई पीढ़ी मन में आक्रोश, आकांक्षाएं पूरी न होने की कसक व अरुचिकर परिस्थितियों के चलते पहले ही घुटन महसूस कर रही है। उस पर कार्य परिस्थितियों की जटिलता से उपजी कुंठा उन्हें एकाकी जीवन की ओर धकेल सकती है। ऐसे में सामाजिक जुड़ाव, संवाद व संवेदनशीलता ही एकाकीपन दूर करेगी।

# मोदी की बंगाल रैली प्रदेश भाजपा में जोश भरने में नाकाम

**प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले सप्ताह शुक्रवार को दुर्गापुर रैली में पश्चिम बंगाल में 2026 के विधानसभा चुनावों का बिगुल फूंका, जो एक कमज़ोर आह्वान ही साबित हुआ**

पश्चिम बंगाल रैलियों के लिए यह कोई नई बात नहीं है। लेकिन यह अच्छी तरह जानते हुए कि दुर्गापुर, जो कभी पश्चिम बंगाल का एक हलचल भरा औद्योगिक केंद्र था, अब भगवा का गढ़ नहीं रहा, राज्य पार्टी प्रमुख समिक भट्टाचार्य इस औद्योगिक नगरी में घर-घर जाकर प्रधानमंत्री की रैली के निमंत्रण बांट रहे थे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले सप्ताह शुक्रवार को दुर्गापुर रैली में पश्चिम बंगाल में 2026 के विधानसभा चुनावों का बिगुल फूंका, जो एक कमज़ोर आह्वान ही साबित हुआ। उनकी रैली बंगाल भाजपा में जोश भरने में भी नाकाम रही। उन्होंने भाजपा के प्रति बंगाली भावना को भड़काने के लिए अपने 34 मिनट के संबोधन में बंगाली %अस्मिता% (गौरव) की बात की, लेकिन राज्य में उनकी प्रमुख राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी ममता बनर्जी ने पहले ही कई भाजपा शासित राज्यों में बंगाली भाषी लोगों को बांग्लादेशी बताये जाने के विरोध में कोलकाता में एक विशाल जुलूसनिकालकर उन्हें मात दे दी है।प्रधानमंत्री मोदी ने रैली के दौरान कहा, %जहां भी भाजपा है, बंगाली सुरक्षित हैं।% बंगालियों को बांग्लादेशी बताये जाने की घटनाओं को देखते हुए, जो तृणमूल सुप्रीमो बनर्जी के लिए चुनावी मुद्दा बन गई हैं, भाजपा के मुख्य वोट बटोरने वाले नेता ने इस बयान से खुद ही अपने पैर पर कुल्हाड़ी मार ली है, और वह बचाव की मुद्रा में हैं।

इस पृष्ठभूमि में, प्रधानमंत्री द्वारा पश्चिम बंगाल में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनावों में भाजपा का समर्थन करने का आह्वान बेतुका था। बंगाली गौरव को सम्मान देने के लिए कवि विष्णु डे और अग्रणी महिला चिकित्सक कादम्बिनी गांगुली का जिक्र करना खोखला था।दुर्गापुर के नेहरू स्टेडियम और उसके आसपास मौजूद श्रोताओं ने अपने संबोधन में पश्चिम बंगाल के धरतीपुत्रों के प्रति पूर्वाग्रह की झलक देखी, जब प्रधानमंत्री मोदी ने कड़ी कार्रवाई यानी गैर-भारतीय नागरिकों को देश की

धरती से निर्वासित करने की बात कही। जिन लोगों पर घुसपैठिए होने का आरोप लगाया गया था, उनमें से कई की कड़ी जांच के बाद पता चला कि वे भारतीय नागरिक हैं और इसी राज्य के निवासी हैं।

लेकिन प्रधानमंत्री के भाषण में विरोध का एक शब्द भी नहीं था। असम और ओडिशा के उन हिस्सों में बंगालियों के उत्पीडन् पर, जहां भाजपा सत्ता में है, प्रधानमंत्री मोदी ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की। बेशक, उन्होंने बांग्लादेश से घुसपैठ का डर दिखाया, जिससे राज्य की जनसांख्यिकी बदलने का खतरा मंडरा रहा है।लेकिन केंद्रीय गृह मंत्रालय के अधीन केंद्रीय एजेंसी, बीएसएफ, जो घुसपैठियों से सीमाओं की सुरक्षा करती है, पर कोई आरोप-प्रत्यारोप नहीं लगाया गया। प्रधानमंत्री का वाकयुद्ध पूरी तरह से तृणमूल कांग्रेस की राज्य सरकार की कमियों के खिलाफ था।

राज्य भाजपा नेतृत्व प्रधानमंत्री की रैली स्थल पर पर्याप्त भीड़ की उपस्थिति को लेकर अनिश्चित दिखाई दिया। आखिरकार, भाजपा दुर्गापुरआसनसोल लोकसभा सीट पर हार गयी थी जहां रैली आयोजित की गई थी।पश्चिम बंगाल रैलियों के लिए यह कोई नई बात नहीं है। लेकिन यह अच्छी तरह जानते हुए कि दुर्गापुर, जो कभी पश्चिम बंगाल का एक हलचल भरा औद्योगिक केंद्र था, अब भगवा का गढ़ नहीं रहा, राज्य पार्टी प्रमुख समिक भट्टाचार्य इस औद्योगिक नगरी में घर-घर जाकर प्रधानमंत्री की रैली के निमंत्रण बांट रहे थे।

दुर्गापुर में सार्वजनिक और निजी, दोनों क्षेत्रों की सुस्त और बंद पड़ी औद्योगिक इकाइयां मौजूद हैं। केंद्र सरकार की उदारता से निकट भविष्य में उन्हें पुनर्जीवित करने का कोई जिक्र प्रधानमंत्री के भाषण में नहीं था।

दक्षिण बंगाल, जहां दुर्गापुर स्थित है, राज्य के उत्तरी हिस्से की तरह भगवा खेमे के लिए कोई ख़ास आकर्षण का केंद्र नहीं है। प्रधानमंत्री की रैली से राज्य के इस हिस्से में उनकी पार्टी की चुनावी संभावनाओं में कोई सुधार नहीं हुआ।इस रैली ने बंगाल में गहरी दरारों को उजागर कर दिया। राज्य भगवा इकाई के संगठनात्मक ढांचे पर सवाल उठ रहे हैं। पार्टी कार्यकर्ता प्रधानमंत्री मोदी के राज्य प्रमुख भट्टाचार्य, विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी और पूर्व राज्य प्रमुख दिलीप घोष के साथ मंच साझा करने का बेसब्री से इंतज़ार कर रहे थे। लेकिन पार्टी आलाकमान के आमंत्रण के बिना, घोष ने प्रधानमंत्री की रैली में शामिल न होने का फैसला किया। वह राष्ट्रीय राजधानी पहुंचे और राष्ट्रीय पार्टी प्रमुख जेपी नड्डा के सामने अपना पक्ष रखा और उनसे समाधान की मांग की।

प्रधानमंत्री ने राज्य इकाई के संगठनात्मक ढांचे को मज़बूत करने का कोई आह्वान नहीं किया। भाजपा के पास अभी तक सभी मतदान केंद्रों पर तैनात करने के लिए पर्याप्त संख्या में कार्यकर्ता नहीं हैं। इसका कारण पूरे राज्य में कार्यकर्ताओं के एक मजबूत और एकसमान आधार का अभाव है।

महिलाओं पर अपराध के विरोध में शहर में हुए विभिन्न आंदोलनों में भाजपा की अनुपस्थिति साफ़ दिखाई दी।शायद प्रधानमंत्री ने राज्य इकाई की संगठनात्मक कमज़ोरी को बढ़ावा देने का विकल्प नहीं चुना। लेकिन सच्चाई यह है कि इसे नज़रअंदाज़ नहीं किया जा सकता और यह आगामी चुनावी जंग में पार्टी के लिए नुकसानदेह साबित हो सकता है। नरेंद्र मोदी भाजपा संगठन को वह गतिशीलता प्रदान करने में विफल रहे जिसकी इस समय ज़रूरत थी। यह दौरा विभाजित भाजपा को कोई अतिरिक्त ऊर्जा प्रदान करने में विफल रहा है।

## मामूली कमजोरी के साथ बंद हुआ बाजार, निवेशकों को 1.39 लाख करोड़ का नुकसान

**एजेंसी**
**नई दिल्ली।** घरेलू शेयर बाजार आज दबाव में कारोबार करने के बाद मामूली कमजोरी के साथ सपाट स्तर पर बंद हुआ। आज के कारोबार की शुरुआत मजबूती के साथ हुई थी। बाजार खुलते ही खरीदारी के सपोर्ट से निफ्टी और सेंसेक्स की चाल में थोड़ी और तेजी आई, लेकिन इसके बाद बिकवाली का दबाव बन जाने की वजह से इन दोनों सूचकांकों ने लाल निशान में गोता लगा दिया। शेयर बाजार की चाल में आज पूरे दिन लगातार उतार-चढ़ाव होता रहा। दिनभर का कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.02 प्रतिशत और निफ्टी 0.12 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुए। आज दिनभर के कारोबार के दौरान सभी सेक्टोरल इंडेक्स कमजोरी के साथ बंद हुए। पीएसयू बैंक, फार्मास्यूटिकल और रियल्टी सेक्टर के शेयरों में आज जमकर बिकवाली होती रही। इसी तरह आईटी, इंफ्रास्ट्रक्चर, ऑटोमोबाइल, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज, कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्यूरेबल, एफएमसीजी, ऑयल एंड गैस और टेक इंडेक्स भी कमजोरी के साथ बंद हुए। ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार बिकवाली का दबाव बना रहा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.62 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.17 प्रतिशत की गिरावट के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में आई कमजोरी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में सवा लाख करोड़ रुपये से अधिक की कमी हो गई।

## अकासा एयर के बेड़े में 2032 तक होंगे 226 विमानः अंकुर गोयल

**नई दिल्ली।** भारत की सबसे तेजी से बढ़ने वाली एयरलाइन अकासा एयर ने 2032 तक अपने विमानों के बेड़े की संख्या को 30 से बढ़ा कर 226 तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा है। अकासा एयर ने 31 मार्च, 2025 को समाप्त वित्त वर्ष 2024-25 में 49 फीसदी राजस्व वृद्धि और 50 फीसदी मार्जिन सुधार दर्ज किया है। कंपनी के मुख्य वित्तीय अधिकारी (सीएफओ) अंकुर गोयल ने राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि अकासा एयर ने 31 मार्च, 2025 को समाप्त वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान 49 फीसदी राजस्व वृद्धि और 50 फीसदी मार्जिन सुधार दर्ज किया है। उन्होंने कहा कि एयरलाइन की योजना इस अवधि के दौरान सालाना 25 से 30 फीसदी क्षमता जोड़ने की है। अंकुर गोयल ने बताया कि बढ़ती लाभप्रदता, 27 विमानों और 1.6 करोड़ से ज्यादा यात्रियों की सेवा के साथ एयरलाइन ने दीर्घकालिक विकास और वैश्विक महत्वाकांक्षाओं को पूरा करने का मार्ग प्रशस्त कर रहे है। उन्होंने कहा कि अकासा एयर ने इस साल 31 मार्च को समाप्त वित्त वर्ष के लिए मजबूत राजस्व वृद्धि दर्ज की है।

## शांति गोल्ड का आईपीओ 25 जुलाई को खुलेगा, प्राइस बैंड 189-199 रुपये प्रति शेयर

**नई दिल्ली।** स्वर्ण आभूषण विनिर्माता कंपनी शांति गोल्ड इंटरनेशनल लिमिटेड का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) निवेशकों के लिए शुक्रवार, 25 जुलाई को खुलेगा और 29 जुलाई को बंद होगा। कंपनी ने इसके लिए मूल्य दायरा (प्राइस बैंड) 189-199 रुपये प्रति शेयर तय किया है। इसके शेयर 1 अगस्त को बीएसई और एनएसई पर सूचीबद्ध होने की संभावना है। कंपनी ने जारी बयान में बताया कि 10 रुपये अंकित मूल्य वाले आईपीओ के लिए मूल्य का दायरा 189-199 रुपये तय किया गया है। ये आईपीओ पूरी तरह 1.81 करोड़ इक्विटी शेयरों तक के नए शेयरों का निर्गम है, जिसमें बिक्री की पेशकश (ओएफएस) का कोई घटक शामिल नहीं है। निवेशक न्यूनतम 75 इक्विटी शेयरों और उसके बाद 75 इक्विटी शेयरों के गुणकों में बोली लगा सकते हैं। कंपनी इस इश्यू से 360 करोड़ रुपये जुटाना चाहती है। शांति गोल्ड इंटरनेशनल लिमिटेड इस निर्गम से प्राप्त धनराशि का इस्तेमाल जयपुर में इकाई स्थापित करने, कंपनी की कार्यशील पूंजी की बढ़ती जरूरतों को पूरा करने, कर्ज भुगतान और सामान्य कॉर्पोरेट कामों के लिए करेगी। चॉइस कैपिटल एडवाइजर्स प्राइवेट लिमिटेड एकमात्र बुक-रनिंग लीड मैनेजर है और बिगशेयर सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड इस इश्यू का रजिस्ट्रार है।

## सिप्ला हेल्थ ने एस्टाबेरी के नये कैंपेन 'गेट द रिच लुक' की घोषणा की

**नई दिल्ली।** वेलनेस कैटेगरी की अग्रणी कंपनी सिप्ला हेल्थ ने अपने ब्यूटी और पर्सनल केयर ब्रांड एस्टाबेरी के नवीनतम कैंपेन 'गेट द रिच लुक' की घोषणा की है। 'रिच लुक' का मतलब है ऐसी मुलायम और स्वस्थ त्वचा जो बिना किसी मेकअप या फिल्टर के स्वाभाविक रूप से दमकती है और रोज़मर्रा की ज़िंदगी में आत्मविश्वास को निखारती है। कंपनी ने बताया कि प्रकृति से प्रेरित और देश की महिलाओं को ध्यान में रखकर तैयार किया गया यह कैंपेन, स्वाभाविक रूप से दमकती, सेहतमंद त्वचा का उत्सव है जो महिलाओं को जीवन के हर मोड़ पर आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने की ताकत देता है। उपभोक्ताओं द्वारा साझा की गई असली कहानियों से प्रेरणा लेते हुए, इस फिल्म में दिखाया गया है कि एस्टाबेरी के सरल और प्रभावशाली स्किनकेयर समाधान महिलाओं को स्वाभाविक रूप से दमकता हुआ 'रिच लुक' हासिल करने में कैसे मदद कर सकते हैं। यह फिल्म हल्के-फुल्के और मनोरंजक अंदाज़ में जीवन के उन परिचित पलों को आकर्षक ढंग से दर्शाती है, जहां एक मामूली से ब्यूटी अपग्रेड से कोई महिला अपना लुक बेहतर बना सकती है, चाहे वह किसी नए व्यक्ति से मिलना हो।

# दुबई-स्पेन यात्रा में मप्र मिले 11,119 करोड़ के निवेश प्रस्ताव, 14 हजार रोजगार सृजन की संभावना

**एजेंसी**
**भोपाल।** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि 13 से 19 जुलाई तक दुबई-स्पेन की सफल निवेश यात्रा से प्रदेश को वैश्विक निवेश के क्षेत्र में विशिष्ट पहचान मिली है और यूरोप तथा खाड़ी देशों में यह संदेश पहुंचा है कि मध्य प्रदेश निवेश मित्र राज्य है। उन्होंने बताया कि इस यात्रा में कुल 11,119 करोड़ के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए, जिससे लगभग 14 हजार से अधिक रोजगार सृजन की संभावना है। मुख्यमंत्री मंत्रालय में मंत्रि-परिषद की बैठक से पहले मंत्रियों को संबोधित कर रहे थे। दुबई-स्पेन की सफल निवेश यात्रा के लिए मंत्रियों ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव को पुष्प गुच्छ और अंगवस्त्र भेंट कर उनका अभिवादन किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्पेन में उद्यानिकी, फल उत्पादन और कृषि क्षेत्र का प्रबंधन सराहनीय और अनुकरणीय है। इस क्षेत्र में

आधुनिकतम तकनीक अपनाने के लिए प्रदेश के कृषक दलों को स्पेन भेजा जाएगा। उन्होंने बताया कि वस्त्र व्यवसाय में लगे अंतरराष्ट्रीय समूह, हरित ऊर्जा के उपयोग और प्राकृतिक खेती से उत्पादित सामग्री को विशेष महत्व देते हैं। इस दृष्टि से मध्य प्रदेश के उत्पादों का अंतरराष्ट्रीय बाजार में विशेष महत्व है। राज्य सरकार प्रदेश के उत्पादों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रोत्साहित करने की पहल करेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि दुबई, मैड्रिड, बार्सिलोना में आयोजित इन्वेस्ट इन मध्य प्रदेश" कार्यक्रम एवंप्रवासी भारतीयों से चर्चा" में 1000 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। मध्यप्रदेश में टेक्समास (दुबई) के साथ एमओयू हुआ है। अरब देशों के निवेशकों को आकर्षित करने के लिये अरब चैम्बर ऑफ कामर्स के साथ भी एमओयू किया गया। इसी तरह निवेश, तकनीकी सहयोग और सतत डिजिटल अधोसंरचना विकास के लिये सक्षम टेक्नॉलजीस एसएल के साथ एमओयू किया गया। दुबई में इन्फ्रास्ट्रक्चर, स्टील मेन्युफेक्चरिंग, हॉस्पिटलिटी, डिफेंस, वेयरहाउसिंग और सस्टेनेबल सिटी जैसे क्षेत्रों में कम्पनियों से कुल 6801 करोड़ के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए। स्पेन में डिजिटल, टेक्सटाइल, लॉजिस्टिक्स और पर्यटन में कम्पनियों से 4318 करोड़ के प्रस्ताव प्राप्त हुए, जिसमें उन्नत बायोफ्यूल और एसएएफ प्रोजेक्ट्स में 4000 करोड़ का एक बड़ा निवेश प्रस्ताव भी शामिल है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि संपूर्ण वैश्विक जगत में विख्यात 12 ज्योतिर्लिंगों में से उज्जैन की धरती पर भूतभावन महाकाल बाबा विराजमान हैं।

## जिंदल स्टील एंड पावर का नाम बदलकर कर दिया गया जिंदल स्टील

**एजेंसी**
**नई दिल्ली।** निजी क्षेत्र की कंपनी जिंदल स्टील एंड पावर (जेएसपीएल) का नाम बदलकर जिंदल स्टील लिमिटेड कर दिया गया है। कंपनी ने भारत सरकार से मंजूरी मिलने के बाद कंपनी के नाम में यह बदलाव किया है। ये नाम 22 जुलाई 2025 से प्रभावी हो गया है। कंपनी ने स्टॉक एक्सचेंज को दी सूचना में बताया कि केंद्र सरकार से मंजूरी मिलने के बाद जिंदल स्टील एंड पावर (जेएसपीएल) का नाम बदलकर अब जिंदल स्टील लिमिटेड कर दिया गया है। कंपनी ने रेगुलेटरी फाइलिंग में कहा है, भारत सरकार के कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय के कंपनी रजिस्ट्रार से अनुमोदन मिलने के बाद

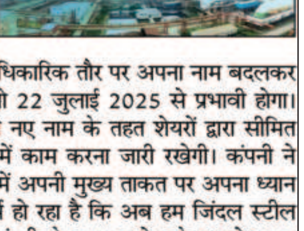


जिंदल स्टील एंड पावर लिमिटेड ने आधिकारिक तौर पर अपना नाम बदलकर जिंदल स्टील लिमिटेड कर दिया है, जो 22 जुलाई 2025 से प्रभावी होगा। जिंदल स्टील ने कहा कि कंपनी अपने नए नाम के तहत शेयरों द्वारा सीमित एक पब्लिक लिमिटेड कंपनी के रूप में काम करना जारी रखेगी। कंपनी ने जारी बयान में कहा कि यह इस्पात निर्माण में अपनी मुख्य ताकत पर अपना ध्यान केंद्रित करते हुए हमें यह बताते हुए गर्व हो रहा है कि अब हम जिंदल स्टील हैं। कंपनी ने कहा कि ये परिवर्तन कंपनी के इस्पात के अपने मुख्य व्यवसाय पर केंद्रित ध्यान और एक समर्पित, भविष्योन्मुखी इस्पात उद्यम के रूप में उसकी रणनीतिक दिशा को दर्शाता है। नया नाम भारत और विश्व स्तर पर पहचान की स्पष्टता को पुष्ट करता है।

## आईआरएफसी ने रचा इतिहासःअब तक का सबसे मजबूत तिमाही प्रदर्शन, शुद्ध लाभ में 10.71 प्रतिशत की उछाल

**एजेंसी**
**नई दिल्ली।** भारतीय रेलवे की वित्तीय शाखा इंडियन रेलवे फाइनेंस कॉर्पोरेशन (आईआरएफसी) ने वित्तीय वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही में अब तक का सबसे मजबूत प्रदर्शन दर्ज किया। कंपनी का शुद्ध लाभ 10.71फीसदी की वृद्धि के साथ 1,745.69 करोड़ पर पहुंच गया, जो पिछले वर्ष की समान तिमाही में 1,576.83 करोड़ था। यह आईआरएफसी के इतिहास में किसी एक तिमाही में सबसे अधिक शुद्ध लाभ है कंपनी ने इस तिमाही में कुल 6,918.24 करोड़ की आय दर्ज की, जो पिछले वर्ष की 6,766.03 करोड़ से अधिक है। इंटरस्ट मार्जिन भी 1.53त्न की दर से बेहतर हुआ है। इस दौरान कंपनी की कुल परिसंपत्तियां बढ़कर ?4,41,650 करोड़ तक पहुंच गईं, जो पिछले वर्ष ?4,24,230 करोड़ थीं। आईआरएफसी के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक मनोज कुमार दुबे ने इस प्रदर्शन को रणनीतिक वित्तीय प्रबंधन और परिचालन दक्षता का परिणाम बताया। उन्होंने कहा, हम रेलवे इकोसिस्टम में एक मजबूत वित्तीय स्तंभ के रूप में उभर रहे हैं। न्यूनतम ओवरहेड, उत्कृष्ट रेटिंग प्रोफाइल और विविध पोर्टफोलियो के साथ हमने ऐतिहासिक स्तर तक प्रदर्शन किया है। शेयर बाजार में कंपनी का प्रदर्शन भी उल्लेखनीय रहा। उसका बाजार पूंजीकरण अब ?2,54,423.96 करोड़ के स्तर तक पहुंच चुका है, जो अब तक का सबसे ऊंचा स्तर है। कंपनी की क्रेडिट रेटिंग में भी सुधार देखा गया है, जिससे निवेशकों का भरोसा और मजबूत हुआ है। इस तिमाही में ई-डेट, ई-ट्रैक्टिव और रेलवे से जुड़े अन्य वित्तीय साधनों के माध्यम से पूंजी जुटाने के प्रयासों में भी तेजी देखी गई है। कंपनी ने 7.44 प्रतिशत की दर से उच्च प्रतिफल वाले निवेश साधनों के जरिए अपना राजस्व बढ़ाया है। गौरतलब है कि हाल ही में सरकार द्वारा आईआरएफसी को 'नवरत्न' का दर्जा प्रदान किया गया था, जिससे कंपनी को निवेश और संचालन में अधिक स्वतंत्रता प्राप्त हुई है। इसका सकारात्मक प्रभाव इस तिमाही के प्रदर्शन में स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है। आईआरएफसी द्वारा जारी आंकड़े संकेत देते हैं कि कंपनी न केवल रेलवे के वित्तपोषण में अपनी भूमिका को और व्यापक बना रही है, बल्कि राष्ट्रीय अवसंरचना विकास में भी एक निर्णायक भूमिका निभाने की दिशा में आगे बढ़ रही है।

## केंद्र ने 22 राज्यों को प्राकृतिक आपदाओं से राहत के लिए जारी किए 9578.40 करोड़ रुपये : गृह मंत्रालय

**एजेंसी**
**नई दिल्ली।** केंद्र सरकार ने चालू वित्त वर्ष में अब तक 22 राज्यों को राज्य आपदा मोचन कोष (एसडीआरएफ) के तहत 9578.40 करोड़ रुपये की राशि जारी की है। यह जानकारी लोकसभा में गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने दी गृह राज्य मंत्री ने एक प्रश्न के लिखित उत्तर में बताया कि यह वित्तीय सहायता प्राकृतिक आपदाओं के मद्देनजर राहत के तौर पर दी जाती है, न कि पीड़ितों द्वारा दावे के आधार पर हुए नुकसान की भरपाई के रूप में। उन्होंने स्पष्ट किया कि आपदा प्रबंधन की मुख्य जिम्मेदारी संबंधित राज्य सरकारों की होती है, जबकि केंद्र सरकार की ओर से एसडीआरएफ व एनडीआरएफ के माध्यम से वित्तीय सहायता दी जाती है। उन्होंने बताया कि भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) के अनुसार, दक्षिण-पश्चिम मानसून इस वर्ष सामान्य तिथि 1 जून से आठ दिन पहले 24 मई को केरल में पहुंच गया। यह पिछले 17 वर्षों में मानसून का सबसे जल्दी आगमन है। मुंबई में मानसून 26 मई को पहुंचा, जबकि सामान्य तिथि 11 जून होती है- यह पिछले 75 वर्षों में सबसे पहले पहुंचने वाला मानसून है।

देश भर में मानसून 29 जून को ही पहुंच गया, जो सामान्य तिथि 8 जुलाई से 9 दिन पहले है। जून के दूसरे पखवाड़े और जुलाई के पहले 15 दिनों में बारिश की तीव्रता सबसे अधिक रही। खासकर गुजरात और राजस्थान जैसे राज्यों में अत्यधिक वर्षा के कारण बाढ़ जैसी घटनाएं दर्ज की गई हैं। मंत्री ने बताया कि हिमाचल प्रदेश में बादल फटने, बाढ़ और भूस्खलन की गंभीर घटनाओं को देखते हुए, केंद्र सरकार ने बिना राज्य ज्ञापन की प्रतीक्षा किए, एक अंतर-मंत्रालयीय केंद्रीय टीम (आईएमसीटी) का गठन किया है। यह टीम प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर क्षति का आकलन करेगी। नित्यानंद राय ने कहा कि एसडीआरएफ व एनडीआरएफ के तहत दी जाने वाली राशि राहत कार्यों के लिए होती है, न कि व्यक्तिगत क्षति के मुआवज़े के रूप में। राज्य सरकारों को पहले से जारी एसडीआरएफ की राशि से अपने स्तर पर राहत कार्य संचालित करने होते हैं। जुलाई 15, 2025 तक जारी 9578.40 करोड़ रुपये की राशि से राज्यों को राहत कार्यों में मदद मिलेगी। संबंधित राज्यों को आवंटित और जारी राशि की विस्तृत जानकारी आपदा प्रबंधन विभाग की वेबसाइट ndmindia.mha.gov.in पर उपलब्ध है।

# स्टॉक मार्केट में मोनिका एल्कोबेव की सपाट एंट्री, मामूली फायदे में आईपीओ निवेशक

**एजेंसी**
**नई दिल्ली।** एल्कोहलिक बेवरेजेज का आयात करके भारत और पड़ोसी देशों में बिक्री करने वाली कंपनी मोनिका एल्कोबेव के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में मामूली बढ़त के साथ एंट्री की। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 286 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर सिर्फ 0.70 प्रतिशत प्रीमियम के साथ इसकी लिस्टिंग 288 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद लिवाली शुरू हो जाने के कारण शेयरों में तेजी का रुख बना। सुबह 10꞉30 बजे तक के कारोबार के बाद कंपनी के शेयर 289.50 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहे थे। इससे अभी तक के कारोबार में कंपनी के आईपीओ निवेशकों को करीब 1.22 प्रतिशत का मुनाफा हुआ है। मोनिका एल्कोबेव का 165.63 करोड़ रुपये का आईपीओ 16 से 18 जुलाई के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से

एवरेज रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 4.08 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 2.54 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 8.86 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 2.29 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 137.02 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी किए गए हैं। इसके अलावा 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 10 लाख शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिए बेचे गए हैं। नए शेयरों के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी अपने पुराने कर्जों को चुकाने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 13.03 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 16.60 करोड़ रुपये और 2024-25 में उछल कर 23.11 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इस दौरान कंपनी का राजस्व 30 प्रतिशत वार्षिक से अधिक की चक्रवृद्धि दर (कंपाउंड एनुअल ग्रोथ रेट) से बढ़ कर 238.36 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।

## सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों का एनपीए 4 साल में 9.11 फीसदी से घटकर 2.58 फीसदी हुआ : वित्त राज्य मंत्री

**एजेंसी**
**नई दिल्ली।** सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) की सकल गैर-निष्पादित आस्तियां (एनपीए) में लगातार गिरावट आई है। मार्च 2021 से मार्च 2025 तक पीएसबी का एनपीए 9.11 फीसदी से घटकर 2.58 फीसदी हो गया है। इसके साथ ही खुदरा महंगाई दर भी जून में घटकर 2.1 फीसदी पर आ गई है। केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने राज्यसभा में एक सवाल के लिखित जवाब में यह जानकारी दी। पंकज चौधरी ने कहा, सरकार और रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) दोनों ने बढ़ते एनपीए की समस्या से निपटने और वसूली की दरों में सुधार के लिए कई उपाय पेश किए हैं। उन्होंने कहा कि इसके कारण पिछले पांच वित्त वर्षों में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की सकल एनपीए मार्च 2021 के 9.11 फीसदी से घटकर मार्च 2025 तक 2.58 फीसदी हो गया। केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री ने एक अन्य सवाल के लिखित जवाब में कहा कि सरकार और आरबीआई ने महंगाई को नियंत्रित करने और आम नागरिकों पर इसके प्रभाव को कम करने के लिए प्रमुख मौद्रिक और राजकोषीय उपाय किए हैं। मंत्री ने अपने जवाब में कहा कि रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति ने मई 2022 और फरवरी 2023 के बीच रेपो रेट में 2.50 आधार अंकों (4 फीसदी से 6.5 फीसदी) की वृद्धि की और उसके बाद जनवरी 2025 तक इसे 6.5 फीसदी पर बनाए रखा। इसके परिणामस्वरूप उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित खुदरा महंगाई दर सालाना आधार पर वित्त वर्ष 2023-24 के 5.4 फीसदी से गिरकर वित्त वर्ष 2024-25 में 4.6 फीसदी हो गई।

# सर्राफा बाजार में जोरदार तेजी, सोना और चांदी की बढ़ी चमक

++++++++++++++++++
**नई दिल्ली।** घरेलू सर्राफा बाजार में आज जोरदार तेजी का रुख नजर आ रहा है। सोना आज 1,050 रुपये से लेकर 1,140 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। इसी तरह चांदी की कीमत में भी आज 2,200 रुपये प्रति किलोग्राम की तेजी दर्ज की गई है। कीमत में उछाल आने के कारण आज देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 1,01,300 रुपये से लेकर 1,01,450 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 92,860 रुपये से लेकर 93,010 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में तेजी आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 1,18,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 1,01,450 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि

22 कैरेट सोने की कीमत 93,010 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,01,300 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 92,860 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,01,350 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 92,910 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,01,300 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 92,860 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 1,01,300 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 92,860 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,01,450 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 93,010 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,01,350 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 92,910 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,01,450 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 93,010 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोना महंगा हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 1,01,300 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 92,860 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

# जून में आठ बुनियादी उद्योगों की वृद्धि दर सुस्त पड़कर 1.7 फीसदी पर

**एजेंसी**
**नई दिल्ली।** समावेशी आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में एक बड़ कदम के रूप में केंद्र सरकार की स्टैंड-अप इंडिया योजना के तहत अप्रैल 2022 से मार्च 2025 के बीच अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) और महिला उद्यमियों को करीब 29,000 करोड़ रुपये के ऋण स्वीकृत किए गए हैं। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने राज्य सभा में एक सवाल के जवाब में यह जानकारी दी गई। वित्त मंत्री ने सदन को बताया कहा कि इस योजना का उद्देश्य वित्तीय सहायता और उद्यमशीलता सहायता प्रदान करके हाशिए पर रहने वाले समुदायों को आत्मविश्वास से भरे नौकरी सृजक में बदलना है। सीतारमण ने कहा कि वित्तीय मदद के अतिरिक्त यह योजना हाशिए पर खड़े वर्ग को परामर्श, ट्रेनिंग और कौशल केंद्र, मेंटरशिप सहयोग, उद्यम विकास कार्यक्रम केंद्र, जिला उद्योग केंद्र जैसा विशेष प्रशिक्षण प्रदान करती है। उन्होंने कहा कि इस योजना के तहत 10 लाख रुपये से 1 करोड़ रुपये के बीच के मूल्य के ऋण उस श्रेणी (रेटिंग) के लिए बैंक की न्यूनतम लागू दर पर उपलब्ध कराए गए हैं, जो आधार दर एमसीएलआर+3 फीसदी + अवधि प्रीमियम से अधिक नहीं थी, तथा पुनर्भुतान अवधि 7 वर्ष थी, तथा अधिकतम 18 महीने

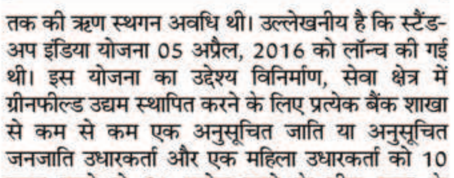


तक की ऋण स्थगन अवधि थी। उल्लेखनीय है कि स्टैंड-अप इंडिया योजना 05 अप्रैल, 2016 को लॉन्च की गई थी। इस योजना का उद्देश्य विनिर्माण, सेवा क्षेत्र में ग्रीनफील्ड उद्यम स्थापित करने के लिए प्रत्येक बैंक शाखा से कम से कम एक अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति उधारकर्ता और एक महिला उधारकर्ता को 10 लाख रुपये से 01 करोड़ रुपये के बीच मूल्य के अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों (एससीबी) से ऋण उपलब्ध कराना था।

## कमर्शियल कॉल के लिए चरणबद्ध तरीके से अपनायी जायेगी 1600 नंबर सीरीज

**एजेंसी**
**नई दिल्ली ।** भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) की एक बैठक में कमर्शियल कॉलों के लिए 1600 नंबर सीरीज को चरणबद्ध तरीके से अपनाने पर सहमति बनी है।ट्राई की संयुक्त नियामक समिति की हुयी बैठक में इस बात पर सहमति बनी। वित्तीय धोखाधड़ी पर लगाम लगाने के लिए लंबे समय से वाणिज्यिक कॉलों के लिए अलग नंबर सीरीज की मांग की जा रही थी। प्राधिकरण ने इसकी तैयारी भी शुरू कर दी थी, लेकिन इसे लागू करने के लिए समयसीमा पर फैसला नहीं हो सका था। समिति की मंगलवार को हुयी बैठक में सभी पक्ष इस बात सहमत हुये कि अलग-अलग सेक्टरों के नियामकों से प्राप्त इनपुट के आधार पर चरणबद्ध तरीके से इसे अपनाया जायेगा। ट्राई के मुख्यालय में यहां आयोजित इस बैठक में रिजर्व बैंक, भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी), भारतीय बीमा नियामक एवं विकास प्राधिकरण, भविष्य निधि नियामक एवं विकास प्राधिकरण और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के प्रतिनिधि मौजूद थे। इसके अलावा बैठक में ऋण तथा अन्य वित्तीय सेवाओं के लिए डिजिटल सहमति पर शुरू किये गये पायलट पर भी चर्चा की गयी। इस पायलट में दूरसंचार सेवा प्रदाताओं के अलावा भारतीय स्टेट बैंक, पंजाब नेशनल बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, एचडीएफसी, एक्सिस बैंक, केनरा बैंक और कोटक महिंद्रा बैंक शामिल हैं। सभी पक्षों ने मिलकर इसे आगे ले जाने पर सहमति जतायी है।

# डॉलर के मुकाबले 5 पैसे की कमजोरी के साथ बंद हुआ रुपया, अन्य मुद्राओं की तुलना में भी आई गिरावट

**एजेंसी**
**नई दिल्ली।** स्टॉक मार्केट में विदेशी संस्थागत निवेशकों द्वारा जमकर की गई बिकवाली के कारण आज रुपया डॉलर की तुलना में गिरावट के साथ बंद हुआ। मुद्रा बाजार में भारतीय मुद्रा आज डॉलर की तुलना में 5 पैसे फिसल कर 86.36 (अनंतिम) के स्तर पर बंद हुई। इसके पहले पिछले कारोबारी दिन सोमवार को भारतीय मुद्रा 86.31 रुपये प्रति डॉलर के स्तर पर बंद हुई थी। रुपये ने आज के कारोबार की शुरुआत मजबूती के साथ की थी। इंटरबैंक फॉरेन एक्सचेंज मार्केट में भारतीय मुद्रा ने आज सुबह डॉलर के मुकाबले 6 पैसे की मजबूती के साथ 86.25 रुपये के स्तर से कारोबार की शुरुआत की थी। दिन के कारोबार के दौरान कुछ समय के लिए डॉलर की आवक बढ़ने पर रुपया और 3 पैसे उछल कर 86.22 के स्तर तक पहुंच गया, लेकिन इसके बाद स्टॉक मार्केट में विदेशी निवेशकों ने बिकवाली शुरू करके डॉलर की निकासी शुरू कर दी। ऐसा होने पर मुद्रा बाजार में डॉलर की मांग बढ़

गई, जिससे रुपये पर भी दबाव बढ़ गया। डॉलर की मांग तेज होने पर रुपया ऊपरी स्तर से 20 पैसे फिसल कर 11 पैसे की कमजोरी के साथ 86.42 के स्तर तक पहुंच गया। हालांकि बाद में मुद्रा बाजार में डॉलर की आवक बढ़ने पर रुपये की स्थिति में मामूली सुधार हुआ और भारतीय मुद्रा ने निचले स्तर से 6 पैसे की रिकवरी करके 86.36 के स्तर पर आज के कारोबार का अंत किया। कैपेक्स गोल्ड एंड इंवेस्टमेंट्स के सीईओ राजीव दत्ता का मानना है कि विदेशी संस्थागत निवेशकों की भारतीय शेयर बाजार से अपने पैसे की निकासी के साथ वैश्विक बाजार में जारी उथल-पुथल ने आज भारतीय मुद्रा को कमजोर करने में अहम भूमिका निभाई।

उनके अनुसार अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत आज मामूली गिरावट आई है, इसके बावजूद मार्केट एक्सपर्ट्स के बीच इसकी कीमत में जल्दी ही तेजी आने की आशंका बनी हुई है। कीमत में तेजी आने की इस आशंका का असर आज मुद्रा बाजार में डॉलर की कीमत में तेजी के रूप में भी नजर आ रहा है।भारतीय मुद्रा रुपये ने डॉलर के साथ ज्यादातर दूसरी प्रमुख अंतरराष्ट्रीय मुद्राओं के मुकाबले भी आज कमजोर प्रदर्शन किया। आज के कारोबार के बाद ब्रिटिश पौंड (जीबीपी) की तुलना में रुपया 42 पैसे की कमजोरी के साथ 116.56 के स्तर पर लुढ़क गया। इसी तरह यूरो की तुलना में रुपया आज 61 पैसे की गिरावट के साथ 101.10 के स्तर तक पहुंच गया।

## पाकिस्तान में इमरान खान की पार्टी के प्रमुख नेताओं को 10 वर्ष जेल की सजा

एजेंसी

**लाहौर।** पाकिस्तान के लाहौर और सरगोधा की दो अदालतों ने रात करीब साढ़े नौ बजे अपदस्थ प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के कई नेताओं को 10 वर्ष के जेल की सजा सुनाई। इन सभी के खिलाफ 09 मई, 2023 को इमरान की भ्रष्टाचार के एक मामले में गिरफ्तारी के बाद देश में फैली हिंसा के आरोप में दर्ज मामलों पर यह फैसला आया है। डान अखबार की खबर के अनुसार, लाहौर आतंकवाद-रोधी अदालत के जज अरशद जावेद ने कोट लखपत जेल में रात करीब साढ़े नौ बजे शेरपाओ ब्रिज हिंसा मामले में फंसे पीटीआई नेताओं की मौजूदगी में यह फैसला सुनाया। अदालत ने डॉ. यास्मीन राशिद, सीनेटर एजाज चौधरी, पूर्व गवर्नर उमर सरफराज चीमा और पूर्व प्रांतीय मंत्री मियां महमूदुर राशिद को 10 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई। पीटीआई के चार वरिष्ठ नेताओं के अलावा जज ने अफजाल अजीम पहाट, अली हस्सन, खालिद कयूम और रियाज हुसैन समेत कई आरोपियों को 10 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई। हालांकि, अदालत ने पीटीआई के उपाध्यक्ष और पूर्व विदेशमंत्री शाह महमूद कुरैशी को बरी कर दिया। लाहौर में 09 मई को हुए दंगों से जुड़े किसी भी मामले में यह पहला फैसला है।

## कूलिंग-ऑफ पीरियड प्रावधान को लेकर नेपाली कांग्रेस के महासचिव ने दी समर्थन वापसी की चेतावनी

**काठमांडू।** नेपाली कांग्रेस के महासचिव विश्व प्रकाश शर्मा ने चेतावनी दी है कि यदि नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (एकीकृत मार्क्सवादी-लेनिनवादी) सिविल सेवा विधेयक में कूलिंग-ऑफ पीरियड प्रावधान के संबंध में राज्य मामलों और सुशासन समिति की सिफारिश के खिलाफ जाती है तो वह सरकार को जारी समर्थन वापस ले सकती है। नेपाली कांग्रेस द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में शर्मा ने कहा कि सरकारी कर्मचारियों के अवकाश के तुरंत बाद राजनीतिक नियुक्ति के प्रावधान पर नेपाली कांग्रेस कभी समर्थन नहीं करेगी। उन्होंने जोर देकर कहा कि जिन लोगों ने कूलिंग-ऑफ अवधि के संबंध में गलत काम किया है, उन्हें दंडित किया जाएगा। इसे दो साल से बढ़ाकर ढाई साल किया जा सकता है, लेकिन इसे हटाया नहीं जाएगा। नेपाली कांग्रेस के महासचिव ने कहा कि प्रधानमंत्री केपी ओली की पार्टी के कुछ सांसदों द्वारा नेशनल असेंबली के माध्यम से इसे बदलने केलिए जो संशोधन प्रस्ताव रखा है वह गठबंधन के फैसले के खिलाफ है। शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री ओली को इस पर अपनी धारणा को स्पष्ट करना चाहिए। कांग्रेस महासचिव शर्मा ने कहा कि यदि प्रधानमंत्री के निर्देश पर इस कूलिंग पीरियड को हटाने का कोई प्रयास किया जाता है, या सरकार समिति की सिफारिश के खिलाफ काम करती है, तो कांग्रेस इस सरकार का समर्थन नहीं करती रहेगी।

## पूर्व राष्ट्रपति विद्या भंडारी की सक्रिय राजनीति में वापसी पर प्रधानमंत्री ओली ने लगाया ब्रेक

**काठमांडू।** पूर्व राष्ट्रपति विद्या भंडारी के सक्रिय राजनीति में आने की घोषणा पर पार्टी अध्यक्ष और प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने ब्रेक लगा दिया है। नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (यूएमएल) की केंद्रीय समिति की बैठक में भंडारी की पार्टी सदस्यता खारिज करने और सक्रिय राजनीति में कोई भूमिका नहीं देने का निर्णय किया गया है। सीपीएन-यूएमएल ने निष्कर्ष निकाला है कि पूर्व राष्ट्रपति भंडारी, जिन्होंने नेपाल सेना के राष्ट्राध्यक्ष और कमांडर-इन-चीफ के रूप में कार्य किया है, उन्हें पार्टी की राजनीति में वापस नहीं लौटना चाहिए। यूएमएल के प्रचार प्रमुख राजेंद्र गौतम के अनुसार, मंगलवार को आयोजित केंद्रीय समिति की बैठक के दौरान पार्टी ने निष्कर्ष निकाला कि एक पूर्व राष्ट्रपति को जो गणतंत्र का प्रतीक होता है उन्हें पार्टी का नेता या कैडर बनाना संविधान की भावना के खिलाफ होगा। मध्यरात तक चली पार्टी बैठक के बाद एक प्रेस ब्रीफिंग में गौतम ने कहा कि पार्टी पूर्व राष्ट्रपति विद्या देवी भंडारी का सम्मान करती है, लेकिन जिस व्यक्ति ने इस तरह का उच्च संवैधानिक पद संभाला है, उसे फिर से किसी राजनीतिक दल का प्रतिनिधित्व नहीं करना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस तरह की भागीदारी राष्ट्रपति पद की गरिमा को कमजोर करेगी और जनता की आलोचना को आमंत्रित करेगी।

## अमेरिका ज़रूरत पड़ने पर ईरान पर नए हमले करेगा : ट्रम्प

**वाशिंगटन।** अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि ज़रूरत पड़ने पर अमेरिका ईरानी परमाणु प्रतिष्ठानों पर नए हमले कर सकता है। श्री ट्रम्प ने कल एक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लिखा कि अमेरिका के हमलों से ईरान के परमाणु ठिकानों को भारी नुकसान पहुंचा है और अगर जरुरत पड़ी तो अमेरिका फिर से ईरान पर हवाई हमले करेगा। इससे पहले ईरानी विदेश मंत्री सैयद अब्बास अरागची ने कहा था कि ईरान अपना परमाणु कार्यक्रम नहीं रोकेगा । गौरतलब है कि गत 13 जून को, इज़रायल ने ईरान पर गुप्त रूप से परमाणु हथियार बनाने का आरोप लगाने के बाद उसके ख़िलाफ़ सैन्य अभियान शुरू किया। ईरान पर हुए हवाई हमलों में परमाणु प्रतिष्ठानों, सैन्य नेतृत्व और हवाई अड्डों को निशाना बनाया गया और जिसमें उसके कई सैन्य कमांडरों और परमाणु वैज्ञानिकों की मौत हो गई।

# एपस्टीन विवाद के बीच ट्रंप ने ओबामा पर लगाया देश से 'विश्वासघात' का आरोप

एजेंसी

**वॉशिंगटन ।** अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 2016 के राष्ट्रपति चुनाव को लेकर पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा पर देश से 'विश्वासघात' का आरोप लगाया, जिसके बाद ओबामा के प्रवक्ता की प्रतिक्रिया सामने आई। प्रवक्ता ने इन आरोपों को 'बेतुका' और ध्यान भटकाने की एक कमजोर कोशिश बताया। समाचार एजेंसी के मुताबिक, जब मीडिया ने ट्रंप से दिवंगत अमेरिकी फाइनेंसर जेफरी एपस्टीन से जुड़े मामले पर सवाल किया, तो उन्होंने ओबामा को टारगेट करना शुरू कर दिया। व्हाइट हाउस के ओवल ऑफिस में पत्रकारों से बात करते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, उन्होंने चुनाव में गड़बड़ी करने की कोशिश की और पकड़े गए। इसके लिए सख्त सजा होनी चाहिए। यह देश से विश्वासघात था। ट्रंप ने पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा को गिरोह का मुखिया बताते हुए आरोप लगाया कि

डेमोक्रेट्स ने 2016 से लेकर 2020 तक चुनावों में कथित तौर पर हेराफेरी की। इस पार्टी में जो बाइडेन और हिलेरी क्लिंटन भी शामिल हैं। अभी तक डेमोक्रेट्स की ओर से कोई औपचारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है, लेकिन ओबामा के प्रवक्ता ने पहले ही ट्रंप के आरोपों को बेतुका और ध्यान भटकाने का प्रयास बताया है।पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा के प्रवक्ता पैट्रिक रोडनबश ने कहा, राष्ट्रपति पद के सम्मान में, हमारा कार्यालय आमतौर पर व्हाइट हाउस से निरंतर आने वाले झूठ और गलत जानकारी पर कोई प्रतिक्रिया नहीं देता, लेकिन यह दावे इतने अपमानजनक हैं कि इन पर प्रतिक्रिया देना जरूरी है। यह अजीबो-गरीब आरोप पूरी तरह से बेतुके हैं। यह ध्यान भटकाने की एक कमजोर कोशिश है। उल्लेखनीय है कि अमेरिकी राजनीतिक और व्यावसायिक दिग्गजों से व्यापक संबंध रखने वाले जेफरी एपस्टीन पर यौन अपराधों के आरोप लगे थे। उन्हें गिरफ्तार किया गया था। अगस्त 2019 में जेल में उनकी मौत हो गई, जिसे आधिकारिक तौर पर आत्महत्या करार दिया गया। एपस्टीन के अमेरिका की राजनीतिक और कारोबारी हस्तियों से गहरे संबंध थे। 2024 के राष्ट्रपति चुनाव अभियान के दौरान डोनाल्ड ट्रंप ने वादा किया था कि अगर वह दोबारा चुने जाते हैं।

## श्रीलंका की सरकारी एयरलाइंस में हुए भ्रष्टाचार की जांच नए सिरे से कराने का फैसला

एजेंसी

**कोलंबो।** श्रीलंका की सरकारी 'एयरलाइंस लिमिटेड और एयरपोर्ट एंड एविएशन सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड' में हुए भ्रष्टाचार की परतें जल्द खुल सकती हैं। राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके ने नए सिरे जांच कराने का फैसला लिया है। उन्होंने कहा कि जांच से दूध का दूध और पानी का पानी साफ हो जाएगा। जांच के दायरे में 2010 से 2025 के बीच हुए सौदों को भी शामिल किया गया है। डेली मिरर अखबार की खबर के अनुसार, श्रीलंका की सरकार ने सरकारी एयरलाइंस में हुई धोखाधड़ी, भ्रष्टाचार और प्रशासनिक अनियमितताओं के गंभीर आरोपों की जांच के लिए विशेष राष्ट्रपति जांच समिति गठित की है। इस समिति ने बीते कल राष्ट्रपति सचिवालय में बैठक के दौरान दिसानायके से मुलाकात की। राष्ट्रपति ने इस बात पर जोर दिया कि लंबे समय से चल रहे कुप्रबंधन और उचित जांच के अभाव ने दोनों संस्थानों ने विश्वसनीयता खो दी है। प्रभावी अंकुश न होने के कारण बेधड़क गोलमाल होता रहा। उन्होंने समिति से कहा कि तत्काल जांच करकर रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए। इस रिपोर्ट में कदाचार रोकने के उपाय भी शामिल किए जाएं। इस समिति में राष्ट्रपति के अतिरिक्त सचिव केएनएम कुमारसिंघे को सचिव और संयोजक नियुक्त किया गया है। समिति के सदस्यों में सेवानिवृत्त महालेखा परीक्षक एचएम गामिनी विजेसिंघे, सेवानिवृत्त अतिरिक्त महानिदेशक सीमा शुल्क ज्ञानसिरी सेनानायके, राष्ट्रीय बचत बैंक के अध्यक्ष दुशांत बसनायके, अटॉर्नी-एट-लॉ, डॉन चामिंडा जे. अथुकोराला और सार्वजनिक उद्यम विभाग के अतिरिक्त महानिदेशक एनएएचके विजेरत्ने हैं। जांच के दायरे में श्रीलंकाई एयरलाइंस और हवाई अड्डे एवं विमानन सेवाओं को शामिल किया गया है।

## अमेरिका से जापान ने की ट्रेड डील, देना होगा 15 प्रतिशत का रेसिप्रोकल टैरिफ

एजेंसी

**वाशिंगटन ।** दुनिया की दो बड़ी अर्थव्यवस्थाओं अमेरिका और जापान के बीच ट्रेड डील हो गई है। इस डील के तहत अमेरिका, जापानी प्रोडक्ट्स पर 15 प्रतिशत का रेसिप्रोकल ट्रैरिफ लगाएगा।अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि ट्रेड डील के तहत उनके प्रशासन ने जापानी उत्पादों पर 15 प्रतिशत का रेसिप्रोकल ट्रैरिफ लगाने का फैसला किया है, जो कि पहले लगाए गए टैरिफ से 10 प्रतिशत कम है।ट्रंप ने सोशल मीडिया पोस्ट में यह घोषणा ऐसे समय में की है, जब दक्षिण कोरिया और अन्य देश अमेरिका के साथ व्यापार समझौते करने का प्रयास कर रहे हैं, जिससे अधिक रेसिप्रोकल ट्रैरिफ से बचा जा सके या उन्हें कम किया जा सके। अमेरिकी प्रशासन द्वारा रेसिप्रोकल टैरिफ लगाने की तारीख 1 अगस्त निर्धारित की गई है। अपने सोशल मीडिया हैंडल ट्रुथ सोशल पर ट्रंप ने लिखा, शायद सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि जापान अपने देश को कारों और ट्रकों, चावल और कृषि उत्पादों एवं अन्य चीजों सहित व्यापार

के लिए खोल देगा। हालांकि, जापान, अमेरिका को 15 प्रतिशत का रेसिप्रोकल टैरिफ देगा। इस महीने की शुरुआत में जापानी प्रधानमंत्री शिगेरु इशिबा को लिखे एक पत्र में, ट्रंप ने कहा था कि अमेरिका जापान पर 25 प्रतिशत रेसिप्रोकल टैरिफ लगाएगा, जो ट्रंप द्वारा शुरू में घोषित टैरिफ से एक प्रतिशत अधिक है। ट्रंप ने जापान के साथ हुए इस समझौते को शायद अब तक का सबसे बड़ा समझौता बताया और कहा कि एशियाई देश ने अमेरिका में 550 अरब डॉलर का निवेश करने का वादा किया है, जिसका 90 प्रतिशत लाभ उसे मिलेगा। उन्होंने निवेश योजना के बारे में विस्तार से नहीं बताया। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, इस समझौते से लाखों नौकरियां पैदा होंगी, ऐसा पहले कभी नहीं हुआ। इससे पहले, ट्रंप ने फिलीपींस के साथ भी एक समझौते की घोषणा की, जिसमें कहा गया कि दक्षिण-पूर्व एशियाई देश 19 प्रतिशत टैरिफ का भुगतान करेगा।

## गाजा युद्ध में पूरी जीत जरूरी : इजरायली रक्षा मंत्री

एजेंसी

**यरूशलम ।** इजरायल के रक्षा मंत्री इजरायल काट्ज ने कहा है कि गाजा में चल रहे युद्ध में पूरी तरह से जीत हासिल करना जरूरी है। मंत्री कार्यालय द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, काट्ज ने इजरायली सेना प्रमुख इयाल ज़मीर और अन्य वरिष्ठ कमांडरों के साथ हालात की समीक्षा के दौरान यह बात कही। काट्ज ने कहा, हम युद्ध के लक्ष्यों को पाने के सबसे क़रीब हैं। अभी दो जगह बची हैं - गाजा और यमन। हमें दोनों मोर्चों पर पूरी जीत के लिए काम करना होगा। समाचार एजेंसी के अनुसार, यह बयान ऐसे समय आया है जब कतर की राजधानी दोहा में गाज़ा युद्ध विराम को लेकर बातचीत चल रही है और इजरायली मीडिया में कुछ प्रगति की खबरें भी आई हैं। बयान के अनुसार, काट्ज़ ने युद्ध के निर्धारित लक्ष्यों को पूरा करने के महत्व पर ज़ोर दिया, जिसमें मुख्यतः सभी इजराइल बंधकों की

वापसी और हमास का आत्मसमर्पण शामिल है। उन्होंने यह भी कहा कि भविष्य में ईरान के खिलाफ युद्ध फिर से शुरू हो सकता है। उन्होंने पिछले महीने के छोटे युद्ध में मिली उपलब्धियों को बनाए रखने और यह सुनिश्चित करने की बात कही कि ईरान अपने परमाणु और मिसाइल कार्यक्रम दोबारा शुरू न कर पाए।काट्ज़ ने यह भी कहा कि सीरिया और लेबनान सहित विभिन्न क्षेत्रों में नियंत्रण बिंदुओं और सुरक्षा क्षेत्रों में इजरायली सेना की उपस्थिति इजरायल समुदायों की रक्षा के लिए एक सुरक्षा आवश्यकता है। उन्होंने बताया कि इजरायली सेना पश्चिमी तट के शरणार्थी शिविरों में रहेगी और जरूरत पड़ने पर अतिरिक्त शिविरों में भी काम करेगी।

# पार्टी की ओर से बढ़ते दबाव के बीच जापानी प्रधानमंत्री ने इस्तीफा देने के संकेत दिए

एजेंसी

**टोक्यो ।** जापान के प्रधानमंत्री शिगेरु इशिबा ने अपने करीबियों को बताया है कि वह अगस्त तक अपने पद से हट सकते हैं। उन्होंने हाल ही में हुए हाउस ऑफ काउंसिलर्स के चुनाव में लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी (एलडीपी) की करारी हार की आंतरिक समीक्षा के बाद यह इच्छा जताई है। यह जानकारी मैनिची अखबार ने दी। समाचार एजेंसी के अनुसार, इशिबा बुधवार को अपने राजनीतिक भविष्य पर चर्चा के लिए एलडीपी के वरिष्ठ नेताओं से मुलाकात कर सकते हैं। हालांकि, शुरू में इशिबा ने चुनावी झटके के बावजूद पद पर बने रहने का ऐलान किया था, लेकिन पार्टी के भीतर उनके इस्तीफे की मांग अब तेज हो गई है। रिपोर्ट के मुताबिक, उनके पद

छोड़ने की सटीक तारीख अभी तय नहीं है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया पर बताया कि अमेरिका और जापान के बीच एक ट्रेड डील हुई है, जिसमें अमेरिका में जापान से आने वाले इंपोर्ट पर 15 प्रतिशत टैरिफ लगाया जाएगा। जब प्रधानमंत्री शिगेरु इशिबा से इस व्यापार समझौते के उनके राजनीतिक भविष्य पर प्रभाव को लेकर सवाल पूछा गया, तो उन्होंने कहा, मैं तब तक कोई टिप्पणी नहीं कर सकता, जब तक समझौते की विषय-वस्तु की पूरी तरह से जांच नहीं कर लेता। इशिबा को उनकी लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी (एलडीपी) के भीतर से विरोध का सामना करना पड़ रहा है, क्योंकि उन्होंने ऊपरी सदन (हाउस ऑफ काउंसिलर्स) के चुनाव में सत्तारूढ़ गठबंधन की करारी हार के बावजूद सरकार में बने रहने का वादा किया था। यह चुनाव उस वक्त हुआ, जब जापान में बढ़ती महंगाई से लोग परेशान हैं। इसके साथ ही टैरिफ को लेकर भी लोग चिंतित हैं। एक प्रेस वार्ता में इशिबा ने कहा था, मैं पद पर बना रहूंगा और इन चुनौतियों को सुलझाने के लिए अपनी पूरी ताकत लगा दूंगा। उम्मीद है कि जापानी प्रधानमंत्री बुधवार को चुनाव परिणामों पर चर्चा करने के लिए सत्तारूढ़ पार्टी के बड़े नेताओं से मिलेंगे।

## बांग्लादेश में ट्रक और बस में टक्कर, छह लोगों की मौत

एजेंसी

**ढाका।** बांग्लादेश के राजशाही विभाग के ग्राणीण क्षेत्र में आज सुबह हुए सड़क हादसे में छह लोगों की मौत हो गई। फिलहाल एक मृतक की पहचान हो सकी है। कुछ लोग घायल हैं। उन्हें पुलिस ने पास के अस्पताल में भर्ती कराया है। ढाका ट्रिब्यून अखबार की खबर में बोनपारा हाइवे पुलिस थाना प्रभारी इस्माइल हुसैन के हवाले से बताया गया है कि सुबह लगभग 9:30 राजशाही विभाग के ग्रामीण क्षेत्र के नाटोर जिला के बरईग्राम उपजिला में ट्रक और मिनी बस के बीच हुई टक्कर में छह लोगों की मौत हो गई। यह दुर्घटना बोनपारा-हतीकुमरुल राजमार्ग पर एयरमारी में तारमुज पंप क्षेत्र के सामने हुई। मृतकों में अभी तक केवल बस चालक 32 वर्षीय रुबेल हुसैन की पहचान हो पाई है। वह मेहरपुर के गंगनी उपजिला का रहने वाला है।हाइवे थाना प्रभारी हुसैन ने कहा कि इस हादसे में जान गंवाने वाले सभी लोग बस यात्री हैं। यह बस मेहरपुर से ढाका जा रही थी। एयरमारी में विपरीत दिशा से आ रहे सीमेंट से लदे ट्रक से टकराकर क्षतिग्रस्त हो गई। चालक रुबेल हुसैन समेत पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए और उन्हें बरईग्राम उपजिला स्वास्थ्य परिसर ले जाया गया। वहां एक घायल ने दम तोड़ दिया। शेष घायल यात्रियों को बाद में राजशाही मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज दिया गया। प्रत्यक्षदर्शी मिजानुर रहमान के अनुसार, बस एक अन्य वाहन को ओवरटेक कर रही थी तभी उसकी टक्कर सामने से आ रहे ट्रक से हो गई। मारे गए छह लोगों में चार महिलाएं और दो पुरुष हैं। हाइवे पुलिस के अनुसार, ट्रक को जब्त कर लिया गया है, लेकिन चालक घटनास्थल से भागने में सफल रहा।

# अमेरिका ने यूनेस्को से अपनी वापसी की घोषणा की

एजेंसी

**संयुक्त राष्ट्र ।** अमेरिका ने यूनेस्को से अपनी वापसी की घोषणा कर दी है। विदेश विभाग की प्रवक्ता टैमी ब्रूस ने इसकी घोषणा करते हुए कहा कि यूनेस्को विभाजनकारी सामाजिक और सांस्कृतिक मुद्दों को बढ़ावा दे रहा है और सतत विकास पर बहुत ज्यादा ध्यान दे रहा है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के कार्यकाल में यह दूसरी बार है जब अमेरिका पेरिस स्थित यूनेस्को से अलग हो रहा है। वाशिंगटन दो साल पहले अपने पूर्ववर्ती जो बाइडेन के कार्यकाल में इसमें फिर से शामिल हुआ था।नोटिस जारी करने के बाद, ब्रूस ने कहा कि यह वापसी अगले साल के अंत में प्रभावी होगी। उन्होंने कहा कि यूनेस्को का अंतर्राष्ट्रीय विकास के लिए वैश्विक, वैचारिक एजेंडा हमारी अमेरिका प्रथम विदेश नीति के विपरीत है और यूनेस्को में निरंतर भागीदारी संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रीय हित में नहीं है। संयुक्त राष्ट्र

महासचिव एंटोनियो गुटेरेस के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने कहा,'यूनेस्को की स्थापना के बाद से अमेरिका ने इसमें जो प्रमुख भूमिका निभाई है, उसे देखते हुए, उन्हें इस वापसी पर गहरा खेद है। ट्रंप प्रशासन के लिए प्रमुख मुद्दे यूनेस्को की इजरायल विरोधी नीतियों को लेकर हैं, जिनका वह इजराइल के साथ विरोध करता है, और फिलिस्तीन की सदस्यता है। ब्रूस ने कहा, 'फिलिस्तीन राज्य' को सदस्य राज्य के रूप में स्वीकार करने का यूनेस्को का निर्णय अत्यधिक समस्याग्रस्त है। यह अमेरिकी नीति के विपरीत है, और इसने संगठन के भीतर इजरायल विरोधी बयानबाजी को बढ़ावा दिया है।अमेरिका का यूनेस्को से बाहर होना, ट्रंप द्वारा अंतर्राष्ट्रीय संगठनों की तीखी आलोचना और उनसे खुद को अलग करने के अनुरूप है।

कार्यभार संभालने के तुरंत बाद, उन्होंने विश्व स्वास्थ्य संगठन से अमेरिका को अलग कर लिया, कोविड महामारी से निपटने के उसके तरीके की आलोचना की और उस पर अपनी भूमिका का राजनीतिकरण करने का आरोप लगाया। संयुक्त राष्ट्र की सांस्कृतिक शाखा की महानिदेशक ऑड्रे अजोले ने कहा कि अमेरिका का यह निर्णय बहुपक्षवाद के मूलभूत सिद्धांतों के विपरीत है, और सबसे पहले संयुक्त राज्य अमेरिका में हमारे कई साझेदारों को प्रभावित कर सकता है - वे समुदाय जो विश्व धरोहर सूची में स्थान पाने, रचनात्मक शहर का दर्जा पाने और विश्वविद्यालय अध्यक्ष बनने की इच्छा रखते हैं।

उन्होंने कहा, हालांकि यह खेदजनक है, लेकिन इस घोषणा की उम्मीद थी, और यूनेस्को ने इसके लिए तैयारी कर ली है। 2023 में यूनेस्को को अमेरिका का योगदान 28 मिलियन डॉलर था, जो संगठन के बजट का 22 प्रतिशत था अजोले ने कहा, आज, बड़ी संख्या में सदस्य देशों और निजी योगदानकर्ताओं के निरंतर समर्थन से संगठन वित्तीय दृष्टि से बेहतर संरक्षित है, जिससे अमेरिकी योगदान घटकर 8 प्रतिशत रह गया है।

## संयुक्त राष्ट्र में अमेरिका ने किया 'भारत-पाक तनाव' कम कराने का दावा, भारत ने कहा- आपसी बातचीत से सुलझा मुद्दा

एजेंसी

**संयुक्त राष्ट्र ।** अमेरिका ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दावे को दोहराया है कि उन्होंने मई में भारत-पाकिस्तान के बीच विवाद को सुलझाया था, लेकिन भारत ने एक बार फिर स्पष्ट किया है कि यह मामला द्विपक्षीय रूप से हल किया गया। कार्यवाहक अमेरिकी प्रतिनिधि डोरोथी शीया ने कहा कि पिछले तीन महीनों में अमेरिकी नेतृत्व की भूमिका में जिन तनावपूर्ण संघर्षों को कम किया गया, उनमें भारत और पाकिस्तान के बीच का तनाव भी शामिल है। यह तनाव पहलगाम में 'द रेजिस्टेंस फ्रंट' की ओर से आतंकवादी हमले के बाद पैदा हुआ था। इसके साथ ही उन्होंने ट्रंप को उस दावे को दोहराया, जो अमेरिकी राष्ट्रपति अक्सर करते आए हैं। डोरोथी ने कहा, राष्ट्रपति ट्रंप के नेतृत्व में, संयुक्त राज्य अमेरिका ने दोनों पक्षों को इन प्रस्तावों तक पहुंचने के लिए प्रोत्साहित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिसकी हम सराहना और समर्थन करते हैं।

दूसरी ओर, भारत के स्थायी प्रतिनिधि पी. हरीश ने दृढ़ता से कहा कि यह पाकिस्तान के भारत से अनुरोध पर सीधे तौर पर संपन्न हुआ था।उन्होंने कहा, ऑपरेशन सिंदूर ने जब अपने प्राथमिक लक्ष्यों को प्राप्त कर लिया, तो पाकिस्तान के अनुरोध पर सैन्य गतिविधियों को सीधे तौर पर रोक कर दिया गया। भारत के स्थायी प्रतिनिधि ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर एक केंद्रित, नपी-तुली और गैर-उत्तेजक कार्रवाई थी। हरीश ने बताया कि यह अभियान सुरक्षा परिषद के उस बयान से प्रेरित था, जिसमें पहलगाम हमले के अपराधियों, योजनाकारों, वित्तपोषकों और प्रायोजकों को जिम्मेदार ठहराने की जरूरत पर जोर दिया गया।

इस अभियान के तहत पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत जम्मू-कश्मीर में स्थित आतंकी शिविरों को निशाना बनाया गया। डोरोथी और पी. हरीश, सुरक्षा परिषद में बहुपक्षवाद और विवादों के शांतिपूर्ण समाधान विषय पर खुले विमर्श के दौरान बोल रहे थे, जिसकी अध्यक्षता पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री मोहम्मद इसहाक डार ने की। ट्रंप कई बार कह चुके हैं कि उन्होंने पाकिस्तान और भारत के बीच संघर्ष रुकवाया था। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने भी उनके इस दावे का समर्थन किया है।

## पाकिस्तान में मानसून का कहर, नदी-नाले उफान पर, भूस्खलन, रास्ते बंद, 234 लोगों की मौत

एजेंसी

**इस्लामाबाद।** पाकिस्तान मानसून से त्राहिमाम-त्राहिमाम है। बरसात, बाढ़ और भूस्खलन से रास्ते बंद हो गए हैं। बादलों के फटने से बड़ी तबाही हुई है। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) के ताजा आंकड़े हृदयविदारक हैं। इन आंकड़ों में 26 जून से अब तक कम से कम 234 लोगों की मौत होने की जानकारी दी गई है। कहा गया है कि 596 लोग घायल हुए हैं और 826 घर क्षतिग्रस्त हो गए हैं। राहत, बचाव और खोज अभियान में सेना को शामिल किया गया है। द एक्सप्रेस ट्रिब्यून अखबार की खबर में एनडीएमए के ताजा आंकड़े साझा किए गए हैं। कहा गया है कि अब तक 203 पशुओं की मौत हो चुकी है। बड़े पैमाने पर परिवार विस्थापित हुए हैं। मुल्क में महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा प्रभावित हुआ। राहत, बचाव और खोज अभियान के तहत 450 लोगों को बचाया गया है। प्रभावित लोगों की सहायता के लिए 27 राहत और चिकित्सा शिविर स्थापित किए गए हैं। प्राधिकरण ने चेतावनी दी है कि खतरा अभी टला नहीं है। उत्तरी और पहाड़ी क्षेत्रों में कभी भी बारिश शुरू हो सकती है। गिलगित-बाल्तिस्तान और खैबर पख्तूनख्वा में स्थिति गंभीर है। डायमर के उपायुक्त अत्ता-उर-रहमान के अनुसार, सोमवार को बादल फटने से बाबूसर में चार पर्यटकों और एक स्थानीय निवासी सहित कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई।

## ढाका विमान हादसा :बांग्लादेश सरकार ने सड़कों पर उतरे प्रदर्शनकारियों पर की कार्रवाई, भड़की अवामी लीग

एजेंसी

**ढाका ।** बांग्लादेश में हाल ही में हुए विमान हादसे के बाद प्रदर्शनकारियों ने सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया, जिस पर मुहम्मद युनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार ने कार्रवाई की। हालांकि, अब अवामी लीग ने सरकार की इस कार्रवाई की कड़ी निंदा की है। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, पुलिस की कार्रवाई में कम से कम 75 छात्र घायल हुए, जिनका ढाका मेडिकल कॉलेज अस्पताल में इलाज किया गया। हादसे की जगह और बांग्लादेश की राजधानी में सचिवालय भवन के बाहर बड़े पैमाने पर प्रदर्शन शुरू हुए, जिसमें छात्रों ने अंतरिम सरकार के शिक्षा सलाहकार और शिक्षा सचिव के तत्काल इस्तीफे की मांग की। इस विमान हादसे में अब तक 32 लोगों की मौत हो चुकी है, जिनमें ज्यादातर बच्चे बताए जा रहे हैं, और 165 से अधिक लोग घायल हुए हैं।

अंतरिम सरकार के कानून और शिक्षा सलाहकारों के साथ-साथ युनुस के प्रेस सचिव को छात्रों के कड़े विरोध का सामना करना पड़ा। वे इस हादसे के बाद निरीक्षण के लिए संस्थान का निरीक्षण करने के लिए गए थे। छात्रों ने उनके इस्तीफे की मांग की और कहा कि सरकार ने हादसे से संबंधित गलत जानकारी दी है।अवामी लीग ने जारी एक बयान में कहा, माइलस्टोन स्कूल और कॉलेज में फाइटर जेट के दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद से छात्रों, शिक्षकों, अभिभावकों और कर्मचारियों पर व्यवस्थित रूप से अत्याचार, धोखा और दमन किया जा रहा है। पिछले 24 घंटों में हताहतों की संख्या छिपाने से लेकर कानून प्रवर्तन बलों को तैनात करने, साउंड ग्रेनेड, आंसू गैस और असली गोलियों का इस्तेमाल करने तक, इस शासन ने राष्ट्रीय संकट के समय राष्ट्र के कल्याण में पूरी तरह विफलता दिखाई है।बयान में आगे कहा गया, हताहतों की सूची को पारदर्शी रखने के बजाय, शासन ने प्रदर्शनकारियों को दबाने के लिए कानून प्रवर्तन बलों को उतारा, ताकि राष्ट्र को अंधेरे में रखा जाए। हताहतों की सूची बताने की बार-बार की मांग के बावजूद, दुखी छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों पर पुलिस ने हमला किया, मानवाधिकारों की पूरी तरह अनदेखी की, जिससे परिवारों और साथी छात्रों को और भी अधिक आघात पहुंचा है। पार्टी ने दावा किया कि सलाहकारों को हटाने की मांग के साथ सड़कों पर लाखों छात्रों, शिक्षकों और अभिभावकों की मौजूदगी इस बात का सबूत है कि युनुस शासन अपनी विश्वसनीयता खो चुका है। अवामी लीग ने कहा, जनता का गुस्सा तब साफ दिखाई दिया, जब यूनुस शासन के दो सलाहकारों और प्रेस सचिव को दुर्घटनास्थल के दौरे के दौरान स्कूल के छात्रों, शिक्षकों और अभिभावकों ने मृतकों की संख्या के बारे में गवाहों के बयानों को गलत सूचना बताकर खारिज कर दिया।अंतरिम सरकार की आलोचना करते हुए पार्टी ने जोर देकर कहा कि माइलस्टोन कॉलेज सहित कई जगहों पर छात्रों और शिक्षकों पर कानून प्रवर्तन बलों की तैनाती और साउंड ग्रेनेड, असली गोलियों और घातक हथियारों का इस्तेमाल न केवल शासन की मानवाधिकारों को बनाए रखने की जिम्मेदारी को कमजोर करता है, बल्कि राष्ट्रीय संकट के चरम पर भी उसकी ताकत पर निर्भरता को उजागर करता है। पार्टी ने कहा, हम इस हमले की कड़े शब्दों में निंदा करते हैं, जिसने देशव्यापी प्रदर्शन भड़का दिए। मरीजों को अस्पतालों में प्रवेश करने से रोका गया, जबकि राजनीतिक दलों के नेताओं और सलाहकारों को अस्पताल में जाने और पीड़ितों के साथ फोटो खिंचवाने की अनुमति दी गई, जो चिकित्सा सेवाओं को बाधित करके राजनीतिक अंक हासिल करने का एक बर्बर प्रदर्शन है। बांग्लादेश में अराजकता को उजागर करते हुए अवामी लीग ने आगे कहा, विमान हादसे के पीड़ितों के लिए रक्तदान करने आए स्वयंसेवकों पर पुलिस की मौजूदगी में हमला किया गया।

देश का दर्पण न्यूज प्राइवेट लिमिटेड, address- 14 no V ki sikar Road